RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 November 2018

अंक – 5 (मासिक) वर्ष – 14 नवम्बर 2018 मूल्य 20/–

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

ज्योति कलश छलके

देवी अहिल्या नगरी इन्दौर में हुआ अ.भा. परिचय सम्मेलन

महिला संगठन ने किया तिरूपति में 'सुमिरन' का आयोजन

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा दक्षिणांचल प्रदेश के संयोजन में
आयोजित द्वितीय कार्यकारिणी बैठक 'सुमिरन' में
पधारी समस्त बहनों का एवं समाजजनों का

हार्दिक आभार

महालक्ष्मी के आराधना पर्व दीपावली की हार्दिक मंगलकामनाएं

कल्पना गगडानी
राष्ट्रीय अध्यक्ष

आशा माहेश्वरी
राष्ट्रीय महामंत्री

शैला कलंत्री
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दक्षिणांचल

प्रकाश मूंदड़ा
राष्ट्रीय सहसचिव बैंगलोर

शकुन्तला मोहता
प्रकल्प प्रमुख, चैन्नई

कलावती जाजू
प्रकल्प प्रमुख, हैदराबाद

महाराष्ट्र प्रदेश

ज्योत्सना लाहोटी
अध्यक्ष

अनूसया मालू
सचिव

आन्ध्र प्रदेश

रेनू सारड़ा
अध्यक्ष

उर्मिला साबू
सचिव

मुम्बई प्रदेश

पुर्णिमा सारड़ा
अध्यक्ष

अनिता माहेश्वरी
सचिव

कर्नाटक प्रदेश

कमला तोष्णीवाल
अध्यक्ष

उर्मिला भट्टड़
सचिव

तामिलनाडू प्रदेश

पुष्पलता झंवर
अध्यक्ष

सुनीता बिसानी
सचिव

संचारिका समिति

अरूणा लाहोटी
संयोजिका

भाग्यश्री चांडक
संयोजिका

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-5 ▸▸ नवम्बर 2018 ▸▸ वर्ष-14

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

अतिथि सम्पादक
ललित सोमानी, तराना

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- **PNB A/c. No. : 0459002100043471**
  IFSC- PUNB0045900
- **ICICI A/c. No. : 030005001198**
  IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

हजारों हजार दीये जलाएँ
अपनी और अपनी परिवार की
समृद्धि के लिए
एक दीया जरूर जलाएँ
इस महान देश एवं समाज की
एकता, अखण्डता
और संस्कृति के लिए

दीपपर्व पर
हार्दिक मंगलकामनाएं

श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

सम्पादकीय

उजाले की अमावस

अमावस यानी अंधेरी रात। यह भारतीय मनीषा ही है, जो अंधेरे को चीर कर अमावस पर भी उजाला फैला सकती है। बस यहीं से विश्व की सभी संस्कृतियों और सभ्यता के बीच भारतीय विचारधारा की जगमग अलग दिखाई देती है। हमारे मनीषियों ने मनुष्यता को 'तमसो मा ज्योर्तिगमय' का रास्ता दिखाया, भले ही वह अंधेरी रात का साया भी क्यों न हो। वास्तविक जिंदगी यही है कि हम मुश्किलों में भी रास्ता खोज लें और पार पा जाएं। दीपावली मात्र एक पर्व त्यौहार नहीं है, जीने का दृष्टिकोण है। जब हम सिलसिले वार दीपावली के पांच दिनी पर्वों पर नजर रखते हैं, तो आसानी से समझ आ जाएगा कि जीवन प्रबंधन क्या है? इसे समझ लिया तो हम जीवन की व्यावसायिकता और दर्शन को ऊँचाई से देखना सीख लेंगे। हमारे समाज ने इस फलसफे को पहचाना और दीपावली मनाने की कुछ अलग परंपरा शुरु की। दीपावली अंक की शुरुआत ही हमने दीपोत्सव की माहेश्वरी परंपरा से की है, ताकि हम अपनी नई पीढ़ी तक इस दर्शन को पहुँचा सकें। वास्तव में धनी वह है जो स्वस्थ है, जिसका नजरिया सुंदर है, जिसका परिवार प्रसन्न है, जिसकी समाज में प्रतिष्ठा है, जिसके जीवन में धर्म और परमार्थ है। धनी होने का अर्थ कदापि यह नहीं कि हम दौलत के ढेर पर बैठे हों। धनी होने का अर्थ है, हम सुखी और प्रसन्न कितने हैं। माइकल जैक्सन अरबों की संपत्ति का मालिक, 150 साल जीने का पूरा प्रबंध, यहां तक कि अंगदानदाताओं की भी परवरिश, खाने, पीने, पहनने, ओढ़ने तक की निगरानी, लेकिन हकीकत यह कि जीने के लिए हर प्रहर का संघर्ष। इतना सब कुछ करने के बाद भी 50 की उम्र में ही मौत लील गई। न दौलत बचा सकी, न शौहरत, क्योंकि जीवन में सुख और प्रसन्नता नहीं थी। दीपावली हमें सिखाती है कि यदि हमने अंधेरे से लड़ना सीख लिया तो अमावस भी उजाले से भर जाएगी। बस अपने भीतर उम्मीदों का दीया जलाए रखें। यदि भीतर रोशनी है, तो हम बाहर के अंधेरे से भी लड़ जाएंगे।

यह अंक दीपोत्सव के आलेखों का शुभकामनाओं भरा गुच्छा है। कोशिश है आपको दीपावली के बारे में ज्ञानवर्द्धक और पठनीय सामग्री मिल सके। इस अंक में महिला संगठन के आयोजन 'सुमिरन' की रपट भी प्रस्तुत की गई है। जिसमें समाज को लेकर चिंतन के अनेक पहलु आपके सामने होंगे। महिला संगठन हमेशा की तरह समाज को नई दिशा देने में कामयाब रहा है। पश्चिमी म.प्र. प्रादेशिक सभा ने इन्दौर में समाज के एतिहासिक अभा परिचय सम्मेलन का आयोजन कर समाज के कर्णधारों को संदेश दिया है कि सामाजिक स्तर पर किस तरह से कार्य करने की जरूरत है ताकि समाज का हर सदस्य अपने संगठन से जुड़ सके, आयोजन में सहभागिता कर सके। इस सफल आयोजन के लिये आयोजक संगठन, मुख्य संयोजक डॉ. रवीन्द्र राठी तथा उनकी पूरी टीम बधाई की पात्र है। हैदराबाद में दिसम्बर में होने वाले बिजनेस कान्क्लेव "BIZCON" की जानकारी भी आपको इस अंक में मिलेगी। सभी स्थायी स्तंभ और अन्य रोचक सामग्री भी अंक में आपको प्राप्त होगी।

दीपोत्सव की असीम शुभकामनाओं के साथ आप सभी से पुनः यही गुजारिश है कि जिंदगी रोशनी का नाम है। हम सब के जीवन में सुख, प्रसन्नता, आरोग्यता, रिश्तों की समृद्धि के दीप हमेशा जगमगाते रहें, इसके लिए एक दूसरे के जीवन की खुशहाली में सहभागी बनें।

जय महेश !

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

हमारे हाथों में दीया भी है, दियासलाई भी

तराना (मप्र) निवासी श्री प्रहलाद सोमानी की पहचान एक व्यवसायी के साथ ही निःस्वार्थ समाजसेवी व साफ सुथरा राजनीतिज्ञ के रूप में भी है। श्री प्रहलाददास सोमानी के यहां जन्मे श्री ललित सोमानी ने शिक्षा प्राप्ति के पश्चात भी पैतृक व्यवसाय को ही अपनी आजीविका बनाया। आप अपनी व्यावसायिक व्यस्तता के बावजूद समाज, राष्ट्र और राजनीति में भी सहभागिता कर रहे हैं। बचपन से ही संघ से सम्बद्ध रहे। वर्तमान में भाजपा उज्जैन जिला व्यापारी प्रकोष्ठ सहसंयोजक व सरस्वती शिशु मंदिर शिक्षा समिति संयोजक के रूप में सेवा दे रहे हैं। आपकी संगठनों में विशिष्ठ पहचान एक उत्कृष्ट संगठक, ओजस्वी वक्ता के साथ ही कुशल मंच संचालक के रूप में है। आपका पूरा परिवार विभिन्न क्षेत्र में विशिष्ट सेवाओं के साथ अग्रसर है। भाई आईपीएस आनंद सोमानी प्रधानमंत्री के सुरक्षा दस्ते के आईजी हैं। पुत्र आदित्यराज आईआईटी कानपुर तथा उदितराज आईआईटी बनारस में अध्यनरत हैं।

वर्तमान में हमारे देश में अवमूल्यन का दौर चल रहा है। अवमूल्यन अपने कई प्रकार के विस्तार और स्वरूपों के साथ हर क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। रुपये का अवमूल्यन, अवमूल्यन विचारों का, अवमूल्यन भाषा का, अवमूल्यन परंपराओं का, अवमूल्यन मानवीय संबंधों का, धार्मिक आस्था का, विश्वसनीय संस्थाओं का, अवमूल्यन सुप्रीम कोर्ट का अर्थात जिस किसी भी क्षेत्र पर नजर पड़ती है, गिरावट महसूस की जा रही है।

माहेश्वरी समाज भी इस गिरावट और पतन से अछूता नही है। जो समाज अपनी चारित्रिक, बौद्धिक, संस्कारित, व्यावसायिक और समाजसेवा की उच्च छबि के साथ स्थापित रहा हो, वही समाज आज नैतिक मूल्यों के अवमूल्यन के कारण अर्श से फर्श पर आ गया। कारणों को कहीं और जाकर खोजना बेमानी है क्योंकि हम समाजजन ही इस प्रक्रिया के साक्षी भी हैं और सहभागी भी। समाज है, क्या? एक मान्य परंपरा और विचारों के अनुयायियों का समूह है। समाज का स्वरूप आकार लेता है परिवारों से, परिवार का स्वरूप आकार लेता है व्यक्तियों से, प्रत्येक सदस्य के होने से। अर्थात समाज का चरित्र समाज के प्रत्येक सदस्यों के चरित्र दर्शन से आकार लेता है। दुःखद है कि वर्तमान समय में समाज सदस्यों के नैतिक मूल्यों का पतन इस कदर हो रहा है कि समाज का स्थापित चेहरा ही विकृत कर दिया गया है।

क्लेश, द्वेष, केश, वेश और ऐश जैसे दुर्गुणों का ऐसा चक्रव्यूह बन गया है कि समाज का हर वर्ग और तबका इसके प्रभाव से नहीं बच सका। समाज की उच्च छबि और नैतिकता का आवरण तार-तार हो गया। यदि हमें समाज के विघटन और पतन को थामना है तो बस एक ही दीपकिरण दिखाई देती है कि हम अपने नैतिक मूल्यों, परम्पराओं और संस्कारित जड़ों की ओर लौट चलें।

यह काम यदि कोई कर सकता है, तो वह माहेश्वरी समाज ही कर सकता है। इतिहास गवाह है कि चाहे राजशाही हो, अंग्रेजी शासन अथवा स्वतंत्रत भारत, माहेश्वरी समाज ने सदैव राष्ट्र को राजनीतिक सुधारों की नई राह दिखाई है। राजशाही में सत्ता के विवादों का समाधान कर अहम भूमिका निभाई, तो अंग्रेजी शासन से मुक्ति के स्वतंत्रता आंदोलन में भी अपनी आहुति दी। समाज सुधार के क्षेत्र में बाल विवाह निरोधक कानून, विधवा-विवाह व वर्तमान में बेटी बचाओ आंदोलन जैसी सुधारों की राह माहेश्वरी समाज ने ही दिखाई है। अतः माहेश्वरी समाज में सामाजिक क्रांति का जज्बा अद्‌भुत है।

याद रखें अभी अंधकार इतना गहराया भी नहीं है कि प्रकाश की कोई किरण दिखाई ना पड़े। अभी रोशनी की चाह रखने वालों के हाथ में दीया भी है, दियासलाई भी। बस एक बार पुरजोर कोशिश की जरूरत है, फिर से स्थापित मानदंड पाने के लिए, अवमूल्यन रोकने के लिए। शायद इस दीपोत्सव का प्रकाश हमारे फिर से प्रकाशमान होने का सबब बन जाए। तो आईये इस पावन पर्व पर शपथ लें, अपने परिवार, समाज, राष्ट्र व राजनीति से बुराइयों को अंधकार की तरह अपनी जागृति के प्रकाश से दूर करने की, फिर देखें सुखद भविष्य हमारा इंतजार कर रहा होगा।

दीपावली उत्सव पर शुभकामनाओं के साथ जय महेश।

ललित सोमानी
अतिथि संपादक

हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाओं सहित...

JAMANA TRADING CO.

Post Asop Dist. Jodhpur (Raj)
Mob: 9413062186
(S.N Heda)

M/s MAHESH INDUSTRIES

Manufacture of R.C.C Hume Pipe
A.T Road - Lahowal
Post : Dibrugarh (Assam)
Mob : 94350 33753
(J.P Heda)

M/s MARBLE CENTRE

Dealer in Marble Granite Italian Import
Rajhat P.O. Dibrougarh (Assam)
Mob : 99371 89391
(Raja Heda)

M/s COMMERCIAL MARBLES

NH By Pass Junction
Edappally, Cochin - 24
Mob : 94470 35810
(B.G Heda)

Srinivas

J.P. Heda

B.G. Heda

Raja Heda

श्री चामुंडा माताजी

श्री चामुंडा माहेश्वरी समाज की कलंत्री, कालाणी, गट्टानी, टावरी, पलोड़, भंसाली, मोदाणी और लाहोटी खांप की कुलदेवी हैं। इसके अलावा आसपास के सभी जाति समुदाय के निवासियों के लिए भी यह आस्था का बड़ा केंद्र है। मान्यता है माताजी के दर्शन मात्र से मनोकामनाएं पूर्ण होती है। राजस्थान में जोधपुर से 90 किमी दूर स्थित शहर सोजत में बस्ती के बाहर एक पहाड़ी पर गुफा के अंदर श्री चामुंडा माता का मंदिर स्थित है।

औरंगजेब हो गया था अंधा

चामुंडा माता के साथ उनकी दो बहनें साचल माता व वाकल माता व दोनों ओर कालभैरव तथा गोरा भैरव विद्यमान हैं। मंदिर अति प्राचीन है। इसके बारे में कई लोककथाएँ प्रचलित हैं। उनमें से ही एक के अनुसार मुगल बादशाह औरंगजगेब ने इस मंदिर पर हमला किया था। अपने इस अपराध के कारण वह अंधा हो गया। जब लोगों की सलाह के अनुसार उसने माताजी को छत्र चढ़ाया तो पुनः वह ठीक हो गया। वर्तमान में भी इस मंदिर के चमत्कारिक प्रभाव के कारण स्थानीय के साथ ही बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की श्रद्धा का भी केंद्र बना हुआ है। वर्तमान में इस मंदिर की व्यवस्था व देख-रेख सनातन धर्म ट्रस्ट द्वारा की जाती है। वर्तमान में मंदिर पुजारी राजेंद्रकुमार शर्मा हैं।

कैसे पहुँचें

सोजत सड़क मार्ग जोधपुर से 90 किमी और यदि पाली होकर जाएँ तो 125 किमी दूर है। पाली से सोजत 45 किमी दूर है। जोधपुर अथवा पाली से बस द्वारा सोजत सिटी पहुँचा जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए श्री सूरज कालानी, जोधपुर मोबाईल 93144-40640, 941440640 से संपर्क किया जा सकता है।

तिरूपति में महिला संगठन ने आयोजित किया 'सुमिरन'

दक्षिणांचल के सान्निध्य में आयोजित हुई अभा माहेश्वरी महिला संगठन की द्वितीय कार्यकारिणी बैठक

तिरुपति. अभा माहेश्वरी महिला संगठन की द्वितीय कार्यकारिणी बैठक 'सुमिरन 2018' गत 3 से 5 अक्टूबर तक भगवान वैंकटेश की नगरी तिरुपति में आयोजित हुई। इसमें अंचल के पांचों प्रदेश व सुचिता समिति ने अहम जिम्मेदारी वहन की। इस अवसर पर विभिन्न स्पर्धाओं के साथ सामाजिक चिंतन भी हुआ। देशभर से आईं 350 से अधिक सदस्याएं इस अवसर पर उपस्थित थीं।

कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता पुरुषोत्तम सोमानी एवं सम्मानीय अतिथि गौरीशंकर राठी, रामगोपाल मूंदड़ा, पूर्व अध्यक्ष रत्नीदेवी काबरा तथा गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड के एशिया हेड मनीष विश्नोई थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगडानी, महामंत्री आशा माहेश्वरी, भूतपूर्व अध्यक्ष लता लाहोटी पूर्व अध्यक्ष सुशीला काबरा दक्षिणांचल उपाध्यक्ष शैला कलंत्री, संयुक्त सचिव प्रकाश मूंदड़ा, सुचिता समिति प्रभारी कलावती जाजू एवं शकुंतला मोहता भी मंचासीन थीं। प्रकल्प प्रमुख कलावती जाजू व शकुंतला मोहता, लता लाहोटी, सुशीला काबरा ने आयोजन पर प्रकाश डाला। महेश बीसानी बैंगलोर, लक्ष्मीनारायण तापड़िया गुलबर्ग व मीरा लद्ढ़ा बैंगलोर भी उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन अनुराधा जाजू हैदराबाद ने किया। महामंत्री आशा माहेश्वरी ने महिला संगठन के गठन से अब तक के स्वरूप के लिए सभी पूर्व अध्यक्षों के समर्पण एवं मार्गदर्शन को नमन करते हुए अब तक की गतिविधियों एवं समितियों के कार्यों की चर्चा की।

पारिवारिक विघटन की चिंता

वरिष्ठ उद्योगपति व पूर्व समाजसेवी रामगोपाल मूंदड़ा ने कहा कि इस कार्यक्रम का आयोजन इस पुण्यभूमि में करके दक्षिणांचल ने इतिहास रच दिया। अध्यक्ष कल्पनाजी ने यहां महाकुंभ ला दिया। पुरुषोत्तम सोमानी ने कहा कि पहले 95 प्रतिशत माहेश्वरी उद्योगपति थे व 5 प्रतिशत नौकरी में। अब स्थिति उलट है, 95 प्रतिशत नौकरी में हैं। इस कारण परिवार एकल हो गए हैं। बच्चों में संस्कार रोपण नहीं हो पा रहा है। डिप्रेशन झगड़ा बढ़े व भाषा की शिष्टता खत्म हो रही है। अहम एवं क्षणिक आवेश में परिवार टूट जाते हैं। आनंदमय सुखमय परिवार के लिए संयुक्त परिवार जरूरी हैं, इसके लिए महिलाएं अधिक व सार्थक प्रयास कर सकती हैं। गौरीशंकर राठी ने कहा कि जब महिलाएं कार्पोरेट पाइंट ऑफ व्यू से मैनेजमेंट कन्सल्टेंट के लिए बड़ी कंपनीज में अपना प्रेजेन्टेशन देती हैं, तब लगता है वे किसी से कम नहीं। अपने काम पर फोकस्ड हैं। मैनेजमेंट हेड जहां महिला है वहां करप्शन कम है। परिवार बचाने में महिला की भूमिका पर वर्कशॉप आयोजित करने की सलाह भी दी। डॉ. मनीष विश्नोई ने संगठन की कार्यशैली व लगन की सराहना की तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री को गोल्डन बैच लगाकर सर्टिफिकेट प्रदान किये।

गगडानी ने बताई 35 साल की विकास यात्रा

राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगडानी ने संगठन की 35 साल की यात्रा के बारे में बताते हुए कहा कि जब महिला घर से बाहर भी नहीं निकलती थी, ऐसे में उन्हें एकत्र करना पूर्व अध्यक्षों के लिए कितना कठिन रहा होगा। धीरे-धीरे संगठन को शृंखलाबद्ध बनाया गया। 5 सत्र पहले से संगठन ने आधुनिकता व बदलाव को एक्सेप्ट किया। समय रहते बदलाव को क्रियान्वित रूप में रखा। 3 सत्रों से युवा शक्ति जुड़ी। इसके लिए कार्यक्रमों का स्वरूप बदला मनोरंजन द्वारा सिखाने की कोशिश की, मोंटेसटीरी राइम की तरह गाते-बजाते बदलाव को स्वीकारा व पुरातन को समझाया। उत्पत्ति दिवस को कार्यदिवस में बदलकर दिखाया, जिससे हर सदस्या को सशक्त बने रहने का अहसास हुआ। महिला सशक्तीकरण, स्मार्ट पैरेंटिंग, स्मार्ट होममेकर एवम् व्यावसायिक उन्नति में है। सुलेखा के माध्यम से जन-जन से समस्याओं का समाधान व विचार मांगा। कलकत्ता में हुआ टॉक शो टीवी के किसी टॉक शो से कम नहीं था। उन्होंने वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए महामंत्री आशा माहेश्वरी, संचारिका समिति प्रभारी उर्मिला कलंत्री एवं प्रकल्प प्रमुख नीलम सारडा का सम्मान किया। तत्पश्चात रिकॉर्ड में सहभागी एवं अंचल के पदाधिकारी, प्रदेश के पदाधिकारी जिला एवं स्थानीय स्तर तक के पदाधिकारियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

द्वितीय दिवस को वैवाहिक समस्याओं पर चिंतन

द्वितीय दिवस को अन्य गतिविधिओं के साथ चिंतन का केंद्र वैवाहिक समस्याएं बन गईं। अध्यक्ष श्रीमती गगडानी ने संगठन की भावी योजना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गांव के लड़कों का विवाह न होना विकराल समस्या है। इसका हल नहीं ढूंढा तो हमारी अस्मिता असुरक्षित हो जाएगी। सुगंधा समिति ग्रामीण क्षेत्र में यह कार्य करने का प्रयास करे। प्राथमिकता देकर हर अंचल में ऐसी सूची तैयार करें जहां लड़के 35-40 वर्ष उम्र तक भी अविवाहित हैं। उन्हें विश्वास में लेकर उनकी चाहत व जरूरत के अनुसार लड़कियां ढूंढकर संबंध करवाने की कोशिश करें। गोपनीयता से छानबीन करें। ऐसे में हमें वैश्य समाज की लड़कियां भी लाना पड़े तो हिचकिचाएं नहीं। अखिल भारतीय के बैनर पर सामूहिक विवाह करवाएं, गृहस्थी बसाने के लिए सामान भेंट में दें। कम से कम 25 जोड़े ऐसे बनते हैं जो इसे अखिल भारतीय बैनर पर ले सकते हैं। सदन द्वारा इस योजना के लिए सहमति भी दी गई।

प्रतियोगिताओं में दिखाई प्रतिभा

भोजनावकाश के बाद सुरभि समिति के अंतर्गत कथा कथन प्रतियोगिता रखी गई। इसमें 2 प्रतियोगियों की जोड़ी को स्टैंड अप कॉमेडी के साथ सामाजिक संदेश भी देना था। इसमें प्रथम पुरस्कार पश्चिमी यूपी से भावना राठी व योगेश मालीवाल, द्वितीय पुरस्कार विदर्भ से सरिता सोनी व नीता मूंदड़ा, तृतीय पुरस्कार कोलकाता से सुमन कोठारी व राधा बिहानी तथा प्रोत्साहन पुरस्कार छत्तीसगढ़ से शशि गट्टानी, अनीता मुंडा व पूर्वी मध्यप्रदेश से अर्चना बिसानी व भावना डांगरा को दिए गए। सुश्रीता नारी स्पर्धा 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की महिलाओं के लिए रखी गई। इसमें प्रदेशस्तर तक विजेता रही महिलाओं ने भाग लिया। त्वरित उत्तर राउंड से गुजरकर सुश्रीता नारी का ताज पूर्वी मप्र बरेली की नीता परमसुख राठी को पहनाया गया। उपविजेता गुजरात भरुच की डॉ. सीमा मूंदड़ा, तृतीय मध्य

उत्तरप्रदेश कानपुर की रजनी लोइवाल रहीं। सांत्वना पुरस्कार डॉ. पूनम नागोरी मुंबई, मेघा डागा पश्चिमी उत्तरप्रदेश, प्रोत्साहन पुरस्कार सुषमा राठी कोलकाता, नीता मूंदड़ा विदर्भ, डॉ. शशिलता लड्ढा दिल्ली, कल्पना बाहेती कर्नाटक, साधना बियानी पश्चिमी मप्र को मिला। सुचिता समिति अंतर्गत आयोजित रासलीला कार्यक्रम आंचलिक प्रतियोगिता थी। इसमें सभी अंचलों की प्रस्तुतियां को प्रथम घोषित किया गया। कृष्ण द्वारा भगवत गीता के श्लोकों का अर्थ सहित वाचन बहुत लुभावना, आकर्षक, सराहनीय मंत्रमुग्ध करने वाला रहा। तत्पश्चात सभी ने डांडिया एवं 56 भोग का आनंद लिया।

महिला सेवा ट्रस्ट बैठक के साथ समापन

तृतीय दिवस को महिला सेवा ट्रस्ट की बैठक में नए ट्रस्टीज बनाए गए एवं अब तक के कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में गोविंद माहेश्वरी डायरेक्टर एलन कॅरियर इंस्टिट्यूट उपस्थित थे। सुषमा एवं सुलेखा समिति के अंतर्गत हुई प्रतियोगिताओं के पारितोषिक भी प्रदान किए गए। इस संपूर्ण आयोजन में लता लाहोटी के नेतृत्व में सभी प्रदेश पदाधिकारियों ने योगदान दिया। आभार राष्ट्रीय महामंत्री आशा माहेश्वरी ने माना। आयोजन की संपूर्ण व्यवस्था की सदस्याओं ने सराहना की।

सभी के साथ ने दिलाई सफलता - शैला कलंत्री

इस आयोजन की सफलता पर शैला कलंत्री उपाध्यक्ष-दक्षिणांचल माहेश्वरी महिला संगठन ने आभार व्यक्त किया। श्रीमती कलंत्री ने कहा कि प्रदेश की सभी बहनों के समर्पित प्रयास व सहयोग ने इसे सफल बना दिया। इसके साथ ही समस्त पांचों प्रदेशों का भी जो सहयोग मिला वह अविस्मरणीय ही है। इसके लिए मैं समस्त सदस्याओं व नेतृत्व कर रही बहनों की आभारी हूं।

पंजीयन में पेपर लेस वर्क करने में हमारी बहनों भाग्यश्री और अरुणा ने प्रमुख भूमिका निभाई।कलावती और भाग्यश्री ने भी सहयोग किया। भोजन व्यवस्था शंकुतलाजी के नैतृत्व में पुष्पलता झंवर, सुनीता बिसानी, लीला कलंत्री आदि ने सम्भाली। बैठक व्यवस्था में रेणु सारडा, शांति मूंदड़ा, विमला समदानी, अनुसूया मालू, ज्योत्सना लाहोटी, उर्मिला साबू और आंध्र की टीम ने बहुत मेहनत की। कृष्णालीला प्रतियोगिता के लिए सुनीता चरखा ने बहुत अच्छी स्क्रिप्ट लिखी और ज्योत्सना लाहोटी ने 25 बहनों का मेकअप किया, जो कृष्णालीला में सहभागी थी। यातायात, आवास, के लिए प्रकाशजी के साथ सुनीता लाहोटी, श्वेता बिहानी और उनकी टीम ने 24 घंटे अथक परिश्रम किया। हमारे भाई तोषणीनवाल (कमला तोषणीवाल के पति) विजापुर का भी सहयोग रहा। आवास में चंद्रकला राठी, कल्पना बाहेती, कांता काबरा, विजयलक्ष्मी सारडा, सुलोचना जाजू और उनकी टीम ने बहुत मेहनत की। उद्घाटन सत्र में अनुराधा जाजू हैदराबाद ने संचालन बहुत ही सुंदर ढंग से किया। महेश वंदना उर्मिला साबू, रजनी जाजू, संतोष मालपानी तथा स्वागत गीत आशा बिसानी, सुनीता लाहोटी, कल्पना बाहेती ने प्रस्तुत किया। कार्यकारिणी बैठक का संचालन सुनीता चरखा व शोभा भूतड़ा ने किया। ट्रस्ट की बैठक का संचालन सुनीता लाहोटी, अनुसूया मालू ने किया।

सुमिरन को सफल बनाने के लिए सबके सहयोग के साथ-साथ आर्थिक योगदान भी उतना ही जरूरी था। गौरीशंकर राठी चेन्नई, पुरुषोत्तम सोमाणी निजामाबाद, रामगोपाल मूंदड़ा बैंगलोर, रत्नी माँ काबरा मुंबई, अरुणा लड्ढा नासिक, सविता राठी ठाणा, स्नेहा कलंत्री पूना, प्रमिला चांडक औरंगाबाद, सरोज तोषणनीवाल सांगली व भगवती बल्दवा हैदराबाद का उल्लेखनीय सहयोग रहा। कलावती जाजू, शकुंतला मोहता, प्रकाश मूंदड़ा का सबसे बड़ा योगदान रहा। इसी तरह पांचों प्रदेश के अध्यक्ष, सचिव ने अपने-अपने प्रदेश से सहयोग राशि संग्रहित की। इसके लिए महाराष्ट्र से ज्योत्सना लाहोटी व अनुसूया मालू, आंध्र से रेनू सारडा व उर्मिला साबू, मुंबई से पूर्णिमा सारडा व अनीता माहेश्वरी तथा कर्नाटक से कमला तोषणीवाल व उर्मिला भट्टड़ की सभी सहयोगकर्ताओं की हम आभारी हैं।

13 स्टेडियमों में माहेश्वरी खिलाड़ियों ने दिखाया कौशल

इंदौर में आयोजित झंवर राष्ट्रीय खेल महोत्सव में 24 प्रदेशों के 950 से अधिक खिलाड़ी हुए शामिल

इंदौर. गत 29 सितंबर से 2 अक्टूबर तक देवी अहिल्या की नगरी इंदौर माहेश्वरी खिलाड़ियों की प्रतिभा की साक्षी बनी। इसमें नेपाल सहित देश के 24 से अधिक प्रदेशों से आए खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा के ऐसे जौहर दिखाए कि दर्शक सराहना किए बिना नहीं रह सके।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी युवा संगठन के आयोजकत्व एवं इंदौर जिला माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में इंदौर में चार दिवसीय झंवर राष्ट्रीय खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। उक्त खेल महोत्सव में भीलवाड़ा से कई प्रतिभागियों ने भाग लिया। जगदीश लड्ढा, हरीश पोरवाल सहित कई साथियों की उपस्थिति रही। राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या ने बताया कि उक्त खेल महोत्सव में नेपाल तथा संपूर्ण भारतवर्ष के 24 से अधिक प्रदेशों से 950 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। 13 स्टेडियमों में एक साथ क्रिकेट, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, चेस, कैरम, दौड़ तथा तैराकी स्पर्धाएं हुईं। क्रिकेट और वॉलीबॉल के अलावा सभी प्रतियोगिताएं पुरुष एवं महिला वर्ग की अलग-अलग संपन्न हुईं। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कोलकाता से कमल गांधी उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगडानी, हरिकिशन झंवर, शोभा सादानी, खेल महोत्सव के मुख्य संरक्षक अशोक ईनानी, युवा संगठन के महामंत्री प्रवीण सोमानी, संजीव चांडक, कमल भूतड़ा, नारायण मालपानी, अरुण बाहेती, दीपक चांडक, विवेक मोहता, राहुल मानधनिया, भरत तोतला आदि मौजूद थे।

मैराथन में शामिल हुए 1 हजार से अधिक युवा

खेल महोत्सव के दौरान मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। इसमें 1000 से अधिक युवा साथियों की उपस्थिति रही। माहेश्वरी बंधुओं को विशेष उपलब्धि के लिए माहेश्वरी समाज रत्न से सम्मानित किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में लक्ष्मी नारायण सोमानी उपस्थित थे। अध्यक्षता राजकुमार काल्या ने की। विशेष अतिथि के रूप में रमेश तापड़िया की उपस्थिति थी। इस अवसर पर सभी विजेता टीम को पुरस्कृत किया गया। क्रिकेट में आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन की टीम विजेता रही। महामंत्री प्रवीण सोमानी ने आए हुए सभी युवा साथियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यकारी मंडल व कार्यसमिति की बैठक संपन्न

खेल महोत्सव के दौरान अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के द्वादश सत्र की तृतीय कार्यकारी मंडल एवं सप्तम कार्यसमिति बैठक का आयोजन भी हुआ। युवा संगठन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश तापड़िया की विशेष उपस्थिति रही। बैठक में देशभर के 27 प्रदेशों एवं नेपाल से 200 से अधिक प्रतिनिधियों की ऐतिहासिक उपस्थिति रही। बैठक में आगामी प्रमुख कार्यक्रमों पर चर्चा उपरांत निर्णय लिए गए। युवा संगठन द्वारा युवाओं की आशाओं, अपेक्षाओं और उनके सपनों को ध्यान में रखते हुए योजनाओं को क्रियान्वित किए जाने की सभी ने सराहना की। शिक्षा, रोजगार, व्यापार-व्यवसाय और विवाह संबंधित कार्यक्रमों के आयोजन तथा खेल, कला, साहित्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रोत्साहन दिए जाने एवं योग शिविर, ब्लड डोनेशन कैंप, वरिष्ठजन सम्मान समारोह, ब्रेनहंट,के आयोजन के साथ चारधाम रामेश्वरम, बद्रीनाथ, द्वारिकाधीश तथा जगन्नाथपुरी में बैठकों का आयोजन किए जाने को सदन में उपस्थित सभी साथियों द्वारा ऐतिहासिक बताया गया। आगामी समय में एक बैठक भारत से बाहर आयोजित करने, राष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन, महाअधिवेशन का आयोजन किए जाने संबंधित विषयों पर भी चर्चा की गई। माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति स्थल लोहार्गल में निर्माणाधीन भवन हेतु कई साथियों ने उदार मन से सहायता प्रदान करने की स्वीकृति दी तथा मार्च 2019 से पहले निर्माण कार्य को पूरा कर समाज को समर्पित किए जाने का निर्णय लिया गया।

पश्चिमी मप्र प्रादेशिक सभा ने लिखा सेवा का नया सोपान

पश्चिमी मप्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा द्वारा इंदौर में आयोजित परिचय सम्मेलन में एक नया इतिहास रच गया। इतिहास इस बारे में कि केवल समस्याओं पर चिंता व्यक्त करने से कुछ नहीं होता यदि सामूहिक प्रयास किए जाएं तो सफलता कदम चूमती है। प्रदेश संगठन ने अपने इस प्रथम आयोजन से संपूर्ण संगठनात्मक व्यवस्था को एक नई दिशा दिखाई है।

इंदौर. पश्चिमी मप्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा एवं श्री महेश सामाजिक एवं परमार्थिक संस्था द्वारा गत 20 से 22 अक्टूबर तक देवी अहित्या की नगरी इंदौर के दस्तूर गार्डन में त्रिदिवसीय अभा विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के कोने-कोने से 1500 से अधिक युवक-युवतियों की प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। आधुनिक संसाधनों से जानकारी प्रसारण के साथ ही 500 से अधिक युवक-युवतियों ने मंच पर आकर अपना परिचय दिया। आयोजक इनमें 150 से अधिक रिश्ते तय होने की संभावना जता रहे हैं।

इंदौर के दस्तूर गार्डन में इस परिचय सम्मेलन के प्रथम दिवस 20 अक्टूबर को कार्यक्रम का शुभारंभ अभा माहेश्वरी महासभा के सभापति श्यामसुंदर सोनी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। विशिष्ट अतिथि के रूप में रामअवतार जाजू उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पश्चिमी मप्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभाध्यक्ष राजेंद्र ईनाणी ने की। उक्त जानकारी देते हुए परिचय सम्मेलन मुख्य संयोजक डॉ. रवींद्र राठी, मीडिया प्रभारी अजय सारड़ा एवं गोपालदास राठी (अतवास) ने बताया कि परिचय सम्मेलन के पूर्व अतिथियों का स्वागत सभा के पदाधिकारियों द्वारा मालवा की पगड़ी पहनाकर किया गया। स्वागत के पश्चात परिचय सम्मेलन में आए विशेष अतिथि मोहनलाल राठी, शरद गट्टानी, त्रिभुवनदास काबरा, श्यामसुंदर राठी, लखनलाल नागोरी एवं जगदीशचंद्र सोमानी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। परिचय सम्मेलन के दौरान मुख्य अतिथियों द्वारा बहुरंगी स्मारिका "परिचय से परिणय" का विमोचन किया गया। तीन दिवसीय परिचय सम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर महेश तोतला, आशीष बाहेती, राम तोतला, नवनीत बिसानी, जुगलकिशोर राठी सहित हजारों की संख्या में माहेश्वरी समाजबंधु मौजूद थे। इसी अवसर पर समाजसेवा के कार्यों में उत्कृष्ट सेवा देने पर माणकचंद लड्ढा, रामरतन लड्ढा एवं गीतादेवी लड्ढा का मालवी पगड़ी पहनाकर अतिथियों द्वारा सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर सभी ने एक साथ मिलकर स्वच्छता की शपथ ली। बड़ी संख्या में प्रत्याशी व समाजजन इस अवसर पर उपस्थित थे।

दूसरे दिन 50 हजार से अधिक समाजजन

दूसरे दिन 400 से अधिक युवक-युवतियों ने मंच से परिचय दिया। सम्मेलन में 50 हजार से अधिक समाजबंधु शामिल हुए थे। सम्मेलन में माहेश्वरी सभा के पदाधिकारियों ने सभी समाज बंधुओं को सामाजिक सरोकार के संदेश देते हुए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संकल्प भी दिलाया। माहेश्वरी सभा एवं परिचय सम्मेलन संयोजक डॉ. रवींद्र राठी, मीडिया प्रभारी अजय सारड़ा एवं गोपालदास राठी (अतवास) ने बताया कि माहेश्वरी समाज द्वारा आयोजित तीन दिवसीय परिचय सम्मेलन के दूसरे दिन सैकड़ों प्रत्याशी अपने अभिभावकों के साथ शामिल हुए थे। सम्मेलन में 13 खंडों में अभिभावकों के साथ बैठे प्रत्याशियों को देखने कई राज्यों से समाजबंधु शामिल हुए थे। दूसरे दिन की सारी व्यवस्थाओं की कमान महिलाओं के हाथों सौंपी गई थी। परिचय सम्मेलन में अजय सोड़ानी, राजेंद्र ईनाणी, महेश तोतला, गोपालकृष्ण मानधन्या, आशीष बाहेती, राम तोतला सहित हजारों की संख्या में समाजजन और युवक-युवती मौजूद थे। परिचय सम्मेलन का संचालन नीलम काबरा ने किया एवं आभार डॉ. रविन्द्र राठी ने माना। परिचय सम्मेलन के दौरान प्रथम संबंध तय होने पर मुरलीधर मानधन्या (पूर्व अध्यक्ष, देवास जिला) एवं पदाधिकारियों द्वारा दोनों ही युवक-युवतियों को एलईडी टीवी उपहार स्वरूप भेंटकर सम्मानित भी किया। परिचय सम्मेलन में आकांक्षा बियाणी का संबंध महिदपुर में हुआ।

समाज जागरण के साथ मनोरंजन भी

परिचय सम्मेलन के दौरान सभी समाज बंधुओं के लिए अक्षत गार्डन में भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया था। भोजन व्यवस्थाओं की कमान दूसरे दिन भी महिलाओं के हाथों में सौंपी गई। 50 से अधिक महिलाएं भोजन व्यवस्था में लगी हुई थीं। सभी महिलाओं ने 'थाली में जूठन नहीं छोड़ें' का संदेश भी समाजबंधुओं को दिया। इस अवसर पर बाहर से आने वाले अभिभावकों और प्रत्याशियों के लिए मीडिया प्रभारी अजय सारड़ा द्वारा कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इसमें हजारों की संख्या में समाजबंधुओं ने शामिल होकर मध्यरात्रि तक कवि सम्मेलन का आनंद लिया। सूत्रधार प्रो. श्यामसुंदर पलोड़ थे। पैरोडीकार सुरेश अजनबी एवं हिमांशु बवंडर ने भी अपनी कविताओं से श्रोताओं की खूब तालियां बटोरी।

एक छत के नीचे पूरे देश के प्रत्याशी

समापन अवसर पर तृतीय दिवस को आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य संयोजक डॉ. रवींद्र राठी ने कहा कि कई समाजसेवी शिक्षा, विधवाओं, स्वास्थ्य, विद्यार्थियों, उद्योग-व्यापार और ऋण योजनाओं के माध्यम से अपनी समाज सेवा कर रहे हैं, लेकिन आज की इस व्यस्ततम जीवन शैली में समाज की सबसे बड़ी ज्वलंत समस्या युवक-युवतियों के विवाह संबंधों की है। जिसमें अभिभावकों को अपने युवक-युवतियों के लिए जीवन साथी तलाशने में बहुत समय लग जाता है। अभिभावकों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए माहेश्वरी समाज के इस तीन दिवसीय महाकुंभ का आयोजन किया गया था, जिससे सभी अभिभावकों को अपने युवक-युवतियों के लिए एक ही छत के नीचे सभी राज्यों के प्रत्याशियों की जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सके। उन्होंने अपने उद्‌बोधन के पश्चात परिचय सम्मेलन में आए सभी अभिभावक, युवक-युवतियों एवं मुख्य अतिथियों को बाल विवाह एवं कन्या भ्रूणहत्या रोकने का संकल्प भी दिलवाया।

विदेशों से भी आए प्रत्याशी

परिचय सम्मेलन संयोजक डॉ. रवींद्र राठी, मीडिया प्रभारी अजय सारड़ा ने बताया कि समापन अवसर पर 50 हजार से अधिक समाजबंधु शामिल हुए थे। तीन दिन चले इस परिचय सम्मेलन में 150 से अधिक रिश्ते तय होने की सूचना प्राप्त हुई। सम्मेलन के लिए देश-विदेश के 1500 से अधिक युवक-युवतियों की प्रविष्टियां प्राप्त हुई थी। समापन अवसर पर परिचय सम्मेलन में 500 से अधिक युवक-युवतियों ने इस मंच से अपने जीवन साथी के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। सम्मेलन में अभिभावकों एवं युवक-युवतियों के लिए अलग-अलग चर्चा कक्ष भी बनाए गए थे। अभिभावकों की सुविधा के लिए कुंडली मिलान, कम्प्यूटर कुंडली सहित विद्वान पंडितों से कुंडली मिलान की व्यवस्था भी परिचय सम्मेलन स्थल पर की गई परिसर में एलईडी स्क्रीन भी लगाई गई थी जिससे सभी समाजबंधु युवक-युवतियों को देख व पसंद कर सकें। सम्मेलन में एम.डी., एमबीबीएस, एम.टेक, एम.फार्मा, एम.सी.ए, एम.बी.ए, बी.ई., बी.टेक, बी.फार्मा, सीएस, सीए, बीएएमएस, बीएचएमएस, एमडीएस, बीडीएस, पीएच.डी., एल.एल.एम, एल.एल.बी, एम.एड, बी.एड जैसे उच्च शिक्षित युवक-युवतियों की प्रविष्टियां भी मौजूद थीं। परिचय सम्मेलन के लिए राजस्थान, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, गुजरात, उत्तरप्रदेश, बिहार, हरियाणा, दिल्ली के साथ-साथ दुबई, अमेरिका, यूएस के युवक-युवतियों की प्रविष्टियां भी प्राप्त हुई थीं। परिचय सम्मेलन के समापन अवसर पर महेश तोतला, पुष्प माहेश्वरी, डॉ. वासुदेव काबरा, रामस्वरूप धूत एवं अजय मूंदड़ा आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

कार्यकर्ताओं का किया सम्मान

पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी सभा, श्री महेश सामाजिक एवं पारमार्थिक संस्था एवं परिचय सम्मेलन संयोजक डॉ. रवींद्र राठी व मीडिया प्रभारी अजय सारड़ा ने बताया कि तीन दिवसीय परिचय सम्मेलन में व्यवस्थाओं की कमान महिलाओं के हाथों सौंपी गई थी। परिचय सम्मेलन के समापन पर सरिता बियाणी, वीणा सोमानी, नीता जाजू, रूपा हेड़ा, रमा साबू, अनीता लाहोटी, रामस्वरूप धूत, नरेंद्र मानधन्या, पुष्प माहेश्वरी, नवीन धूत, रूपेश भूतड़ा, अजय सारड़ा सहित सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों का सम्मान भी किया गया। समापन अवसर पर परिचय सम्मेलन का संचालन नीलम काबरा ने किया। आभार मीडिया प्रभारी अजय सारड़ा ने माना।

बिजनेस कॉन्क्लेव 'बिजकॉन' के आयोजन की तैयारी

हैदराबाद में 22 दिसंबर को आयोजन, देश-विदेश के 600 से अधिक औद्योगिक प्रतिनिधि होंगे शामिल

हैदराबाद. माहेश्वरी व्यावसायियों के संगठन महेश फाउंडेशन व एमआईजी पुणे द्वारा अपने अगले बिजनेस कॉन्क्लव बिजकॉन का आयोजन आगामी 22 दिसंबर को होटल मैरिओट में किया जाएगा। इसमें देश-विदेश से 600 से अधिक औद्योगिक प्रतिनिधि शामिल होंगे और नई तकनीकी, नवीन व्यावसायिक संभावनाओं पर चर्चा के साथ परस्पर सहयोग का सूत्रपात करेंगे। इसमें समूह चर्चा द्वारा व्यवसाय की नवीन राह तलाशी जाएगी।

बिजकॉन का आयोजन गत कुछ वर्षों से हो रहा है। वर्ष 2015 में पुणे में आयोजित कॉन्क्लेव में 425 तथा जनवरी 2018 में सूरत के कॉन्क्लेव में 600 से अधिक डेलीगेट्स शामिल हो चुके हैं। हैदाराबाद में आयोजित इस कॉन्क्लेव में भी 600 से अधिक डेलीगेट्स शामिल होंगे। इस आयोजन के संस्थापक अध्यक्ष सुरेश लखोटिया, अध्यक्ष महेश फाउंडेशन अध्यक्ष हरिनारायण राठी, संयोजक महेश फाउंडेशन सचिव उमेशकुमार राठी तथा कोषाध्यक्ष महेश फाउंडेशन कोषाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण बांगड़ रहेंगे। एमआईजी अध्यक्ष राहुल धूत, राहुल मोहता तथा दीपक भट्टड़ भी संयोजक की भूमिका निभाएंगे। डेलीगेट के रूप में शामिल होने के लिए शुल्क रेगुलर पास 3 हजार तथा नेटवर्किंग डिनर के साथ 4500 रुपए निर्धारित किया गया है।

कई हस्तियां देंगी मार्गदर्शन

इस आयोजन के महत्व को देखते हुए कई ख्यात उद्योगों ने आर्थिक सहयोग की जिम्मेदारी संभाली है। इस आयोजन का प्रमुख प्रायोजक ख्यात उद्योग आरआर कॉबेल रहेगा। प्लेटिनम स्पांसर लोहिया ग्रुप का गोल्ड ड्रॉप रिफाइंड सनफ्लावर ऑइल, गोल्ड स्पांसर जीएल मानधनी चेरिटेबल ट्रस्ट, सिल्वर स्पांसर कमल वांच कंपनी तथा वीएंड एम स्पांसर एनएमडीसी रहेंगे। आयोजन के मुख्य अतिथि रिजर्व बैंक के पूर्व डिप्टी गर्वनर एसएस मूंदड़ा रहेंगे। आरआर ग्लोबल के एमडी व ग्रुप के चेयरमैन श्रीगोपाल काबरा, सिम्प्लेक्स इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड के चेयरमैन इमिरेट्स डॉ विट्ठलदास मूंदड़ा, डी मार्ट के चेयरमैन रमेश दम्मानी, रिलायंस रिटेल लि. के सीईओ दामोदर मल्ल, नेस्पर्स फिनटेक एंड पे यू नीदरलैंड के ग्लोबल सीएफओ आकाश मूंदड़ा, इक्सोरियल बॉयोमेड प्रालि के सीईओ कार्तिकेय बल्देवा, आईसीएसआई की पूर्व अध्यक्ष सीएस ममता बिन्नानी, फेमीकेयर लि. के एमडी संजीव तापड़िया जैसी विख्यात हस्तियां वक्ता के रूप में उपस्थित होकर अपना अमूल्य मार्गदर्शन प्रदान करेंगी। इनके साथ विभिन्न समूह चर्चा सत्रों का आयोजन भी होगा।

नए आइडियाज को मिलेगा प्लेटफॉर्म

इस आयोजन में इनोवेटिव आइडियाज को प्रोत्साहित करने के लिए वेंचर मेंटर्स प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें शामिल आइडियाज में से सबसे श्रेष्ठ को 1 लाख रुपए, द्वितीय को 50 हजार तथा 25-25 हजार रुपए के तीन पुरस्कार शेष 3 आइडिया को प्रदान किए जाएंगे। इस आयोजन में ये आइडियाज प्रदर्शित भी किए जाएंगे। अतः वहां उपस्थित उद्यमियों के इन स्टार्टअप को प्रारंभ करने में आर्थिक सहयोग प्राप्ति की संभावना भी रहेगी। इस स्पर्धा में शामिल होने के लिए बेवसाइट पर पंजीयन कर अपना आइडिया सबमिट किया जा सकेगा। चयनित 10 आइडियाज के बारे में संबंधित को ईमेल द्वारा सूचित किया जाएगा। इनकी विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर भी उपलब्ध रहेगी।

आयोजकों पर एक नजर

माहेश्वरी फाउंडेशन- शिक्षा, स्वास्थ्य और समाजसेवा के क्षेत्र में समर्पित इस माहेश्वरी संस्था की स्थापना वर्ष 2009 में हुई थी। कई प्रतिष्ठित व्यवसायी, डॉक्टर, सीए, कानूनविद् आदि इस संस्था के आजीवन सदस्य हैं। फाउंडेशन पारिवारिक व्यवसाय से युवा पीढ़ी को संबद्ध रखने के लिए तो प्रतिबद्ध है ही साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में भी जरूरतमंद विद्यार्थियों को विद्या मित्र स्कॉरशिप प्रदान कर सहयोगी बना हुआ है। रक्तदान, स्वास्थ्य सुविधा सहित विभिन्न समाजसेवी गतिविधियों से भी संबद्ध है। अधिक जानकारी संस्था की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

माहेश्वरी इंडस्ट्रीयल ग्रुप (एमआईजी) - माहेश्वरी इंडस्ट्रीयल ग्रुप निःस्वार्थ संगठन के रूप में वर्ष 1977 से सक्रिय रूप से सेवा प्रदान कर रहा है। इसका लक्ष्य नवागत उद्यमियों को प्रोत्साहन व सहयोग प्रदान करना तथा माहेश्वरी उद्योगपतियों को परस्पर सम्बद्ध रखना है। यह समाज के सामाजिक, आर्थिक व औद्योगिक विकास में उत्प्रेरक की तरह काम कर रही है। अधिक जानकारी ग्रुप की वेबसाईट से प्राप्त की जा सकती है।

> हित चाहने वाला पराया भी अपना है और
> अहित करने वाला अपना भी पराया है।
> रोग अपनी देह में पैदा होकर भी हानि पहुंचाता है
> और औषधि वन में पैदा होकर भी
> हमारा लाभ ही करती है।

11 हजार कन्याओं के महाभोज के साथ बनाया इतिहास

भीलवाड़ा के विभिन्न संगठनों ने भव्य गरबा आयोजन के साथ मनाया नवरात्रि पर्व

भीलवाड़ा. इस बार नवरात्रि उत्सव में माहेश्वरी संगठनों की विशिष्ट भागीदारी ने नया इतिहास रच डाला। शारदीय नवरात्र के पावन पर्व पर भीलवाड़ा युवा संगठन व महिला संगठन व बचत समितियों द्वारा गरबा का कार्यक्रम बड़ी धूमधाम और उमंग से मनाया गया। दूसरी ओर महेश ब्रिगेड एवं जूनावास युवा संगठन द्वारा 11000 कन्याओं को भोजन करवाया गया।

डांडिया की जगह संदेश

राजेंद्र मालू व अनिल लाहोटी ने बताया कि इस वर्ष भी महेश ब्रिगेड व जूनावास युवा संगठन द्वारा नवरात्र पर गरबा डांडिया का आयोजन नहीं कर 'बेटी पढ़ेगी तभी तो आगे बढ़ेगी' संदेश के साथ मां की भक्ति के लिए कन्याओं का पूजन कर भोज कराने का निर्णय लिया। खेड़ाखूंट माताजी के यहां सुबह 10 से 1 बजे तक कन्याओं को भोजन कराया गया। इसमें शहर के विभिन्न स्कूलों की कन्याओं को महिला स्टाफ सहित इसके लिए आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम में आने वाले सभी अतिथियों ने भी कन्याओं को श्रद्धा भाव से भोजन कराने की सेवाएं प्रदान की। रूपलाल लाहोटी, मनीष बाहेती, शिव लाहोटी, सुशील तोषनीवाल, अर्चित मूंदड़ा, पंकज सोमानी, विनोद कोठारी, प्रदीप पलोड़, रमेश जागेटिया, मुकेश काबरा सहित सभी महेश ब्रिगेड व जूनावास युवा साथियों का सहयोग रहा।

युवा संगठन ने आयोजित किया गरबा

जिला व नगर माहेश्वरी युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में भीलवाड़ा में पहली बार आर्केस्ट्रा की मधुर गुजराती धुन पर लाइव गरबा का आयोजन स्वच्छ भारत अभियान व मतदान हमारा अधिकार की थीम पर किया गया। गुजरात पैटर्न पर आर्केस्ट्रा के साथ ओपन गरबा रास स्वास्तिक एनक्लेव में किया गया। इस अवसर पर युवा संगठन जिलाध्यक्ष क्षितिज सोमाणी व मंत्री नरेंद्र मंडोवरा ने बताया कि हेमराज जागेटिया का सहयोग रहा। अनूप माहेश्वरी डांस इंस्टिट्यूट भी सहयोगी रहा। नगर अध्यक्ष हरीश पोरवाल व मंत्री मनीष मूंदड़ा ने बताया विभिन्न स्पर्धाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सहभागियों को बीएम ज्वेलर्स की ओर से सोने एवं चांदी के सिक्के उपहार स्वरूप दिए गए।

शास्त्रीनगर में विशेष थीम पर हुआ रास 2018

कार्यक्रम प्रभारी दीपक समदानी, नरेंद्र असावा, दीपक बल्दवा, आरती तोषनीवाल ने बताया कि माहेश्वरी युवा संगठन शास्त्रीनगर द्वारा महेश सेवा संस्थान में 16 से 18 अक्टूबर तक 'रास 2018' का आयोजन किया गया। अंतिम दिन इसमें विभिन्न क्षेत्रों के माहेश्वरी महिला संगठनों ने भाग लिया। विशेष थीम व वेशभूषा में हाथ में तलवार लेकर क्षत्राणी का रूप धर गरबा नृत्य की प्रस्तुति दी। इसमें प्रथम आरकेआरसी, द्वितीय बापूनगर, तृतीय मरुधरा माहेश्वरी महिला संगठन रहा। क्रमशः 11000 रुपये, 7100 रुपये व 3100 रुपये के साथ शील्ड पारितोषिक के रूप में प्रदान किए। श्रेष्ठ कपल में डॉ. आशीष अजमेरा व शीतल अजमेरा पुरस्कृत हुए। कार्यक्रम के सहयोगी सुशील मरोठिया, संजय जागेटिया, हरिनारायण मोदानी, राजेंद्र तोषनीवाल, शिवलाल नुवाल आदि रहे। आभार युवा संगठन अध्यक्ष किशन पोरवाल व मंत्री अखिलेश लाहोटी ने माना।

आरकेआरसी महिला संगठन का दो दिवसीय कार्यक्रम

महिला संगठन क्षेत्रीय महिला संगठन की अध्यक्ष वंदना नुवाल व मंत्री इंदिरा हेड़ा ने बताया कि दो दिवसीय गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें प्रथम दिन विभिन्न आयु वर्ग के राउंड हुए। दूसरे दिन पूरे शहर से समाज की 12 टीमों के बीच प्रतियोगिता रखी गई। इसमें बसंत विहार प्रथम, सुभाष नगर द्वितीय, महेश बचत एवम साख समिति तृतीय रहे। ड्रेस व स्टेप के चार पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

महेश छात्रावास में फैमिली गरबा

श्री महेश बचत एवं साख समिति प्रभारी दिनेश काबरा ने बताया कि भीलवाड़ा शहर में पहली बार लाइव आर्केस्ट्रा की धुन पर फैमिली गरबा डांडिया रास 2018 का आयोजन महेश छात्रावास में 12 से 14 अक्टूबर तक किया गया। समिति अध्यक्ष जगदीश ईनाणी ने बताया कि कार्यक्रम के प्रायोजक फ्रेंड्स मोबाइल व मारुति पेंट हाउस थे। समिति की महिला संगठन अध्यक्ष निशा सोनी व मंत्री विनीता डाड ने बताया कि कार्यक्रम में 5-5 राउंड आयोजित किए गए। बच्चों, लड़कियों, ननद, भोजाई, पुरुष व कपल राउंड। तीन फैंसी ड्रेस राउंड भी शामिल थे। संयोजक शांतिलाल डाड ने बताया कि समिति वर्ष 2010 से गरबा के आयोजन करवा रही है। हरीश पोरवाल, दीपक आगाल, रामेश्वर सोमानी, संदीप लड्ढा, अशोक लाहोटी, अशोक बांगड़, शोभा नुवाल रेखा दरक आदि का विशेष सहयोग रहा।

हर तरह के गरबे के रंग

13 व 14 अक्टूबर को माहेश्वरी युवा संगठन की ओर से श्रीजी रिसोर्ट में गरबा का कार्यक्रम श्री माहेश्वरी समाज सेवा समिति एवं माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वावधान में आयोजित किया गया। आकाश तोतला, विनीत अजमेरा, निशा बांगड़, संगीता अजमेरा, सोनल कोगटा, पायल मूंदड़ा व कैलाश गगरानी विजयी रहे। संस्था अध्यक्ष ओमप्रकाश मालू व मंत्री कैलाशचंद सामरिया ने अतिथियों का स्वागत व आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन सुनीता खटोड़ व चंद्रप्रकाश कालिया ने किया। माहेश्वरी बचत समिति अध्यक्ष मुकेश काबरा व सचिव जगदीश जैथलिया ने बताया कि जाट भवन, शास्त्री नगर में 13 व 14 अक्टूबर को फैमिली गरबा डांडिया 2018 का आयोजन किया गया। इसमें ननंद भोजाई राउंड भी खेला गया। विशेष गरबा खेलने पर राधिका काबरा ने प्रथम, वैभव लाहोटी ने द्वितीय व तीसरा स्थान प्रियांशु काबरा ने प्राप्त किया। इस कार्यक्रम के प्रायोजक अक्षत इवेंट थे। कार्यक्रम के मुख्य सहयोगी मनोज सोनी, राहुल काबरा, अर्चित थे।

अंचल में भी गरबे की धूम

सांगानेर माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष मुकेश कोठारी व मंत्री अरविंद कोठारी ने बताया कि माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा गरबा महोत्सव का आयोजन 12, 13 व 14 अक्टूबर को महेश भवन में किया गया। महिलाओं के लिए विशेष ड्रेस कोड चूंदड़, लहंगा चुन्नी व गरबा ड्रेस रखा गया। प्रत्येक दिन अल्पाहार की व्यवस्था की गई। संचालन अनुराग कोठारी ने किया। सुशील भदादा, दीपक आगाल, अनिल जैथलिया, आशीष काबरा, प्रकाश कोठारी, अजय कोठारी, शरद भदादा, गोविंद भदादा ,प्रीतेश भदादा, नवीन कोठारी, अंकित काबरा, गोपाल मूंदड़ा आदि का सहयोग रहा।

कोटडी के माहेश्वरी भवन में युवा संगठन द्वारा गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। शुभारंभ नरसिंह द्वारा के महंत नीलकंठ महादेव के मुख्य पुजारी रामअनुग्रह दास व रघुवीर दास ने किया। इस अवसर पर श्रेष्ठ गरबा खेलने पर बाल वर्ग में प्रिंस मूंदड़ा प्रथम, अंतिमा काबरा द्वितीय, संचिका काबरा तृतीय रहे। बालिका वर्ग में स्नेहा मूंदड़ा प्रथम, अंशिका काबरा द्वितीय, मुस्कान काबरा तृतीय रही। महिला वर्ग में प्रतिभा काबरा प्रथम, संगीता मूंदड़ा द्वितीय, शकुंतला काबरा तृतीय रही। पुरुष वर्ग में दीपक काबरा प्रथम, मनीष चेचानी द्वितीय तथा दिव्यांशु काबरा तृतीय रहे। उत्कृष्ट प्रतिभाओं को माहेश्वरी समाज अध्यक्ष राजेंद्र काबरा, राधेश्याम मूंदड़ा, कैलाश लड्ढा ने पुरस्कार प्रदान किए।

देश विरोधी शक्तियों का किया दहन

चंद्रपुर. आज 21वीं सदी में विनाशक शक्तियों की परिभाषा बदल चुकी है। अतः जटपुरा मित्र मंडल एवं लोकमान्य तिलक विद्यालय मित्र परिवार द्वारा पुराने पूर्ति बाजार के सामने जाटपुरा गेट, चंद्रपुर में दशहरा पर्व देश विरोधी विनाशक शक्तियों के विरोध स्वरूप मनाया गया। किसी भी प्रकार के जहरीला धुआं उत्पन्न करने वाले पटाखे न जलाते हुए और किसी भी प्रकार का प्रदूषण न करते हुए निसर्ग के अनुकूल पदार्थों का उपयोग करते हुए, अग्नि से दहन कर देश का पैसा लूट के विदेश भागने वाले, बलात्कारी राक्षस, अंडरवर्ल्ड डॉन, ढोंगी बाबा, ड्रग माफिया, वायु और जल प्रदूषण करने वाली कंपनी, ध्वनि प्रदूषण करने वाली संस्थाओं, भ्रष्टाचारी, देश के विरुद्ध नारे लगाने वाली सभी देश विरोध विनाशक शक्तियों के प्रतीक स्वरूप रावण दहन किया गया। कार्यक्रम का प्रकल्प संचालन आशीष मूंधड़ा और महेश काहिलकार द्वारा किया गया। दीपक कैलाश सोमानी सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

बच्चों को बांटी गई शिक्षण सामग्री

मालेगांव. स्थानीय महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गणेश चतुर्थी (गणपति स्थापना) के दिन से गणेश दर्शन करने आये सभी भक्तों से श्री चरणों में पेन अर्पित करने की विनती मंडल द्वारा की गई। अनंत चतुर्दशी (गणपति विसर्जन) दिवस तक संग्रहित हुई पेन को बच्चों में बांटा गया। मंडल अध्यक्ष सरिता बाहेती ने सभी का स्वागत किया। सदस्य सोनल काला ने शैक्षणिक साहित्य वाटप उपक्रम के बारे में मनोगत व्यक्त किए। विजया कंलत्री, संगीता माहेश्वरी, भगवती भूतड़ा, सविता जाजू, वंदना कंलत्री, किरण बडाले, जयश्री जाजू, सविता जाजू, शारदा लाहोटी, वंदना जाजू आदि मौजूद थीं।

महिला संगठन ने किया ग्रामीण क्षेत्र का दौरा

महेंद्रगढ़. हरियाणा-पंजाब माहेश्वरी महिला संगठन के पदाधिकारियों ने जिला रेवाड़ी एवं महेंद्रगढ़में ग्रामीण क्षेत्र का गत 3 सितंबर को भ्रमण किया। मुख्य आयोजन कनीना क्षेत्र (जिला महेंद्रगढ़) में रखा गया। प्रदेशाध्यक्ष मंजू सोमानी, प्रदेश सचिव सुमन जाजू, प्रदेश प्रचार प्रसार मंत्री मंजू भुराड़िया (रेवाड़ी अध्यक्ष) एवं कार्यकारिणी सदस्याएं उपस्थित रहीं। प्रदेश सचिव सुमन जाजू ने कृष्ण कन्हैया पर हास्य रस से भरी प्रश्नोतरी करवाई एवं प्रदेश अध्यक्ष मंजू सोमानी ने बच्चों की शिक्षा, सफाई पर विशेष प्रकाश डाला। बच्चों को टॉफी, बिस्किट, चॉकलेट आदि वितरित की गई। मंजू सोमानी ने 65 साल की महिलाओं का सम्मान भी किया। मंजू भुराड़िया ने भी पॉलीथिन के बहिष्कार पर विशेष प्रकाश डाला। कौशल्या जाजू, राधा राठी, ममता एवं नीलम जाजू, सविता, विद्या शारदा, विमला बियानी एवं सावित्री जाजू आदि समस्त सदस्याओं का सहयोग रहा।

श्रीमती हिंगड़ की पुण्य स्मृति में 'मोक्ष आश्रय'

भीलवाड़ा. श्रीनगर माहेश्वरी सभा की प्रेरणा से हिगड़ परिवार के बालूराम, अशोककुमार, शिवप्रसाद, सुनीलकुमार हिंगड़ द्वारा अपनी पूज्यनीय माताजी स्वर्गीय श्रीमती सीतादेवी हिंगड़ की पुण्य स्मृति में मोक्ष आश्रय माहेश्वरी समाज को उपलब्ध करवाया गया। यह मोक्ष आश्रय सभी समाज के लिए निःशुल्क उपलब्ध रहेगा, जिसे महेश सेवा समिति के शिवकुमार बांगड़ से प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर राधेश्याम चेचानी, केदारमल जागेटिया, केदार गगरानी, ओपी हिंगड़, गोपाल नरानीवाल, दिलीप तोषनीवाल, प्रमोद डाड, दिनेश शारदा, महावीर समदानी सहित अनेक गणमान्य समाजजन मौजूद थे।

> "'व्यक्तित्व' की भी
> अपनी वाणी होती है,
> जो 'कलम' या 'जीभ'
> के इस्तेमाल के बिना भी,
> लोगों के 'अंर्तमन' को छू जाती है..!!!"

एक शाम मातृभूमि के नाम का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा. जिले के लेसवा ग्राम में सभी माहेश्वरी बंधु बड़ी ग्यारस पर अपने गांव में स्वच्छता की पहल को लेकर राजेश सोमानी के नेतृत्व में तीन दिवसीय कार्यक्रमों के तहत अपनी मातृभूमि पर एकत्रित हुए। इस अवसर पर बाहर गए हुए समाजजनों के साथ, महिला शक्ति व सभी बेटियां जवाइयों के साथ इस आयोजन में पधारीं। इस अवसर पर एक कार्यक्रम भी रखा गया ''एक शाम मातृभूमि के नाम''। दूसरे दिन सभी साथियों ने सफाई अभियान शुरू किया। अगले दिन महेश वाटिका में महाप्रसादी का आयोजन हुआ। इस अवसर पर युवा संगठन की नई कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। अध्यक्ष राजेश सोमानी, उपाध्यक्ष सांवर काबरा, शुभम सोमानी, सचिव राजेंद्र काबरा, बसंत सोडाणी, सहसचिव सांवर बियानी, कोषाध्यक्ष राधेश्याम पंडवार, नवलकिशोर सोमानी, संगठन मंत्री सत्यनारायण सोमानी, खेल मंत्री कमलेश सोमानी, सांस्कृतिक मंत्री पवन सोमानी, संरक्षक सदस्य बालूराम सोमानी, अशोक सोमानी, सत्यनारायण सोमानी, नवीन मंडोवरा, मुरलीधर सोमानी, महावीर काबरा, रमेश बियानी, कृष्णगोपाल काबरा को बनाया गया।

तहसील युवा संगठन के चुनाव संपन्न

हुरड़ा. तहसील माहेश्वरी युवा संगठन के निर्विरोध चुनाव में अधिकारी सुनील तोषनीवाल सहित मनोज तोषनीवाल, शिव कास्ट, नवीन सारडा द्वारा संपन्न करवाए। अध्यक्ष रितेश काहल्या, वरिष्ठ उपाध्यक्ष लालचंद डाड, उपाध्यक्ष आशीष सोमानी, नवनीत झंवर, मंत्री अमित सोमानी, सहमंत्री निखिल लढ़ा, कोषाध्यक्ष बसंत मोदी, संगठन मंत्री शिवप्रकाश तोषनीवाल, संयुक्त मंत्री शुभम अजमेरा, अंकुश जागेटिया, सांस्कृतिक मंत्री राहुल काबरा, क्रीड़ा मंत्री अमित नोलखा, प्रचार-प्रसार मंत्री विनोद सोमानी, रोजगार प्रकोष्ठ प्रभारी आशीष सोनी व संरक्षक मनोज तोषनीवाल को बनाया गया।

देवपुरा बने नगर कांग्रेस अध्यक्ष

बागोर. स्थानीय समाज सदस्य सत्यनारायण देवपुरा को कांग्रेस द्वारा बागोर नगर अध्यक्ष मनोनीत किया गया। समस्त समाजजनों व स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

शिक्षकों का किया सम्मान

मालेगांव. स्थानीय महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गत 5 सितंबर शिक्षक दिवस के अवसर पर स्थानीय समाज की 15 महिला शिक्षिकाओं का भेंट देकर सत्कार किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष सरिता बाहेती, वंदना जाजू, नंदा पोरवाल, शारदा लाहोटी, बीना भंडारी तथा मंडल के सभी सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का सूत्र संचालन शमा जाजू ने किया।

डाड बने भाजपा जिलाध्यक्ष

भीलवाड़ा. भाजपा के वरिष्ठ नेता लक्ष्मीनारायण डाड को संगठन द्वारा भीलवाड़ा भाजपा जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया। श्री डाड पूर्व में यूआईटी व नगर परिषद के मुखिया की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। डाड एक सफल राजनेता के साथ समर्पित निःस्वार्थ समाजसेवी एवं चिंतक के रूप में पहचाने जाते हैं। यही कारण है कि विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी ने इनको जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है।

Navneet Lakhotiya
B.Arch. AIIA, MICA Architect

Purva Consultancy PC

Akola Road, Akot - 444101
Mo. : 9822225172
Tel. (O) 222572, 224172
Opp/ Birla Gate, Ramdaspeth, Akola

महेश सेवा समिति ने की डेढ़ करोड़ से अधिक की आर्थिक सहायता

अमरावती. महेश सेवा समिति द्वारा संचालित महेश भवन पूरे वर्ष अमरावती विभाग की तमाम सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक व शैक्षणिक जैसी विविध गतिविधियों का केंद्र बना रहता है। समिति द्वारा समाज के रोगग्रस्त समाजजनों को चिकित्सा सहायता के रूप में 22 लाख 34 हजार तथा ऑपरेशन हेतु 26 लाख 81 हजार रुपए, इसी प्रकार कुछ होनहार माहेश्वरी छात्रों को 67 लाख 77 हजार रुपए की छात्रवृत्ति दी गई। आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों को 28 लाख 34 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस प्रकार 31 मार्च 2018 तक कुल 1 करोड़ 84 लाख 66 हजार रुपए की राशि वितरित की गई। समिति के सहयोग से कई संस्थाओं द्वारा भी सेवा गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। महेश सेवा समिति के अध्यक्ष कमलकिशोर राठी, सचिव आरबी अटल, कोषाध्यक्ष विट्ठलदास जाजू व कार्यकारिणी सदस्य डॉ. सत्यनारायण कासट, प्रवीण चांडक सहित समस्त सदस्य समर्पित भाव से सेवा प्रदान कर रहे हैं।

युवा संगठन ने किया रास गरबा का आयोजन

अहमदाबाद. स्थानीय माहेश्वरी युवा संगठन ने मनोरमा पार्टी प्लॉट, नारायणपुरा में संगठन सदस्यों के लिए रास गरबा 2018 का आयोजन किया। कार्यक्रम में विभिन्न वर्गों में कई प्रतिस्पर्धाएं भी रखी गईं। संगठन मंत्री चेतन बिड़लार ने बताया कि राजेंद्र पेड़ीवाल अहमदाबाद जिला माहेश्वरी मंत्री दिनेश लढा, सतीश लढा, रंगनाथ मूंदड़ा, मनोज सोमानी, आलोक इनानी, मनीष डागा, संदेश मूंदड़ा आदि द्वारा करवाया गया। कार्यक्रम का संचालन रक्षा मानियार एवं मयूरी सोमानी ने किया। अध्यक्ष कमल सिकची और मंत्री सुनील मणियार ने कार्यक्रम प्रायोजक डॉल्फिन इम्पेक्स का आभार व्यक्त किया तथा सभी विज्ञापनदाताओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम संयोजक दिनेश भूतड़ा, मनीष चांडक, अनुभव करनाणी एवं पवन मूंदड़ा ने आभार व्यक्त किया।

पथ संचलन का भव्य स्वागत

भीलवाड़ा. महेश ब्रिगेड द्वारा अपने स्थापना दिवस विजयादशमी पर भीलवाड़ा में निकले पथ संचलन का भव्य स्वागत पुष्पवर्षा व जय श्रीराम के नारों के साथ किया। इस अवसर पर सभी महेश ब्रिगेड के साथी परिवार अपने ड्रेस कोड में मौजूद थे।

माहेश्वरी अतिथि गृह संस्थान का उद्घाटन

भीलवाड़ा. जिले के ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले माहेश्वरी समाजजनों के लिए निःशुल्क आवास एवं भोजन की व्यवस्था हेतु अतिथि गृह का उद्घाटन 10 अक्टूबर को सादे समारोह में संस्थान के अध्यक्ष प्रकाशचंद्र पोरवाल, उपाध्यक्ष राजेश दरगड़, मंत्री रामकुमार जागेटिया, निदेशक चांदमल सोमानी, मायादेवी सेठिया, शकुंतला सोमानी व लक्ष्मीनारायण तोषनीवाल द्वारा किया गया। संस्थान की जानकारी देते हुए मंत्री रामकुमार जागेटिया ने बताया कि प्रकाशचंद्र पोरवाल द्वारा अतिथि गृह परिसर में एक से पांच कमरे निःशुल्क 24 माह के उपयोग हेतु देने की अनुमति दी गई व गांव से आने वाले समाजजनों को 7 दिन तक आवास एवं भोजन की सुविधा भी रहेगी। इस अतिथिगृह में अधिकतम 10 समाजजनों के रुकने की व्यवस्था रहेगी।

With Best Compliments From

Shri Krishna Udyog

Mfg. of Brass Circles utensils, Road, Hex & Flats
Mfg. of Stoneless Sortex Rice

Udyog Nagar, Bhandara - 441904 (MS)
Ph. : 07184-252217, 252117
email : krishnaudyog18@gmail.com

मास्क बिजनेस फोरम का हुआ आयोजन

कोलकाता. माहेश्वरी अपनी औद्योगिक विकास की क्षमता से विश्व में जाने जाते हैं। उक्त उद्‌गार कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के सभापति भंवरलाल राठी ने माहेश्वरी औद्योगिक शिक्षण केंद्र द्वारा आयोजित मास्क बिजनेस फोरम के उद्‌घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। बृहतर कोलकाता व प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के मंत्री नंदकुमार लड्ढा ने कार्य की सफलता के लिए पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। माहेश्वरी सभा के मंत्री पुरुषोत्तमदास मूंधड़ा, कोष मंत्री चांदरतन चांडक व मंत्री अरुणकुमार सोनी ने भी संबोधित किया। सभी प्रतिभागियों ने अपने व्यवसाय का विवरण दिया और आपस में बिजनेस कार्ड का आदान-प्रदान किया। मास्क के मंत्री अरुण सोनी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पंचम भट्टड़, आदित्य बिसानी, बृजमोहन मिमाणी एवं पवन बिहानी का विशेष सहयोग रहा।

युवा संगठन की वार्षिक बैठक संपन्न

अहमदाबाद. स्थानीय माहेश्वरी युवा संगठन की वार्षिक आमसभा का आयोजन प्रकाश स्कूल में किया गया। इस बैठक में गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष विकास मूंदड़ा, राजेंद्र पेड़ीवाल अहमदाबाद जिला माहेश्वरी मंत्री, कृष्णकुमार चांडक गुजरात मंत्री, निदेश लड्ढा, मनोज सोमानी, आलोक करनानी, संदेश मूंदड़ा, नितिन मूंदड़ा, सुनील, नरेंद्र साबू सहित करीब 350 से अधिक परिवार मौजूद थे। युवा संगठन की 2018-19 की कार्यकारिणी के सदस्यों एवं पदाधिकारियों की घोषणा अध्यक्ष विनीत मूंदड़ा व मंत्री ओम मनियार ने की। इसमें अध्यक्ष कमल सिकची, मंत्री सुनील मणियार, कोषाध्यक्ष दीपक मणियार, संगठन मंत्री चेतन बिड़ला, सांस्कृतिक मंत्री नीलम मालपानी, खेल मंत्री अभिषेक मालपानी, भोजन मंत्री मनोज करनानी, पंजीयन हेड नीरज सोमानी तथा आईटी हेड रूपेश तोषनीवाल चुने गए।

"जो लोग आपके पद, प्रतिष्ठा और पैसे से जुड़े हैं,
वो लोग केवल 'सुख' में आपके 'साथ' खड़े रहेंगे।
और
जो लोग आपकी वाणी, विचार और व्यवहार से जुड़े हैं,
वो लोग 'संकट' में भी आपके 'लिये' खड़े रहेंगे?"

फ्रेंड्स ग्रुप ने करवाया गरबा उत्सव

इंदौर. माहेश्वरी फ्रेंड्स ग्रुप की छठवीं साधारण सभा बालकृष्ण बाग में संपन्न हुई। इसमें ग्रुप सदस्यों व परिवारजनों ने बढ़-चढ़कर गरबा प्रस्तुति में हिस्सा लिया। इसके बाद मां दुर्गा की आरती सभी सदस्य दंपती ने की। कार्यक्रम में सुरेश सावित्री सिंगी, संपतकुमार राधा साबू, जगदीश प्रमिला भूतड़ा, भारत सीता माहेश्वरी, हरिवल्लभ शशि भूतड़ा, महेश पुष्पा काबरा आदि कई सदस्य-सदस्याएं मौजूद थे।

संपर्क गोष्ठी का हुआ आयोजन

कोलकाता. माहेश्वरी औद्योगिकी शिक्षण केंद्र द्वारा संपर्क गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पुरुषोत्तमदास मिमानी थे। सभा के उपसभापति किशनलाल सोनी एवं मदनमोहन दम्माणी ने इस प्रकार की गोष्ठी को अधिक से अधिक आयोजित करने पर जोर दिया। सभा के मंत्री पुरुषोत्तमदास मूंधड़ा ने केंद्र को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। केंद्र के सभापति देवकिशन मोहता ने स्वागत भाषण दिया। केंद्र के उपसभापति सीताराम डागा ने आभार माना। अरुणकुमार सोनी ने संचालन किया। राजीव लखोटिया, पद्मा बागड़ी, विनोद डागा, कमलकिशोर कोठारी, बृजमोहन मिमानी, पंचम भट्टड़, नारायणदास डागा आदि का सहयोग प्राप्त हुआ।

Narendra Kothari

Umesh Pharma

Pharmaceutical Distributor

57, Satidham Market, Amravati
Mo. : 99222-29522, Ph. : 2574713

जोधपुर महाकुंभ के लिए भ्रमण

जोधपुर. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा की ओर से जोधपुर (राजस्थान) में 4 से 7 जनवरी तक अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी अधिवेशन आयोजित होने जा रहा है। इसमें ज्यादा से ज्यादा समाजजन शामिल हों, इस हेतु संगमनेरवासियों ने अहमदनगर जिला भ्रमण शुरू किया है।

प्रदेश संयुक्त मंत्री गणेशलाल बाहेती, महेश सेवा निधि के मंत्री बसंतकाका मणियार, जिला सभा मंत्री अजय जाजू, संगमनेर तहसील सभा के मंत्री सतीश बाहेती आदि ने श्रीरामपुर तथा बेलापुर में जाकर समाजजनों को महाकुंभ की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में श्रीरामपुर अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण लड्ढा, मंत्री चेतन भूतड़ा, मनोज राठी, रवींद्र बिहाणी, विशाल पोफळे, राजेश राठी, महेश बंग तो बेलापुर बैठक में अध्यक्ष गणेश लड्ढा, प्रशांत लड्ढा, प्रशांत खटौड़, रवींद्र खटौड़, नंदलाल लड्ढा, रामप्रसाद झंवर, रवींद्र लखोटिया, राजेंद्र राठी, सचिन बिहाणी, प्रशांत बिहाणी आदि उपस्थित थे। आभार जिला मंत्री अजय जाजू ने माना।

डॉ. मालाणी को कलाम एक्सीलेंस अवॉर्ड

दिल्ली. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा में कृषि एवं ग्रामीण विकास समिति पर राष्ट्रीय संयोजक के पद पर कार्यरत व वित्त मंत्रालय भारत सरकार अंतर्गत नाबार्ड बैंक, मुख्यालय मुंबई से जनरल मैनेजर (हार्टिकल्चर) के उच्च पद से निवृत्त डॉ. सूर्यप्रकाश मालाणी को मप्र, छत्तीसगढ़व त्रिपुरा राज्य के पूर्व गर्वनर (राज्यपाल) लेफ्ट. जनरल कृष्णमोहन सेठ व मिजोरम राज्य के राज्यपाल लेफ्ट. जनरल निर्भय शर्मा के हाथों 'भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, एक्सलेंस अवॉर्ड' से दिल्ली के इंटरनेशनल सेंटर में गत 29 सितंबर को सम्मानित कया गया। मंच पर हिमाचल प्रदेश के कैबिनेट मंत्री डॉ. घनश्याल शांडिल्य, मप्र के कैबिनेट मंत्री नारायणसिंह कुशवाह, नालंदा विवि बिहार की कुलपति प्रो. डॉ. सुनयना सिंह व मेंबर ऑफ इंडियन कांग्रेस कमेटी वेदप्रकाश भी मौजूद थे। देश-विदेश में रहने वाले भारतीय नागरिक जिन्होंने अपने स्पेशलाइज्ड क्षेत्र में देश के प्रति अतिमहत्वपूर्ण अमूल्य योगदान दिया है उन्हें इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा इस सम्मान से सम्मानित किया जाता है।

उद्यमी मेला संकल्प का हुआ आयोजन

महू. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गत 23 अक्टूबर को संकल्प उद्यमी मेले का आयोजन किया गया। इसमें उद्यमी महिलाओं ने अनेक स्टॉल लगाए। महिलाओं ने खरीदारी भी की। माहेश्वरी विद्यालय परिसर में मेले का शुभारंभ मंडल अध्यक्ष किरण माहेश्वरी ने किया। रजनी सोढानी ने बताया कि तंबोला एवं लकी ड्रॉ भी रखा गया। देर रात 10 बजे मेले का समापन हुआ। मेला संयोजक संगीता बियाणी, स्वाति शारदा, सीता चिचाणी, ममता लड्ढा आदि मौजूद थीं। संचालन लता लड्ढा, ब्रजलता तोषनीवाल, पुष्पा बियाणी, साधना लड्ढा ने किया।

महिलाओं ने आयोजित किया उद्योग सम्मेलन

अहमदनगर. महिलाओं का, महिला द्वारा महिलाओं के लिए आयोजित किया गया। जिलास्तरीय उद्योग सम्मेलन उल्लेखनीय बात है। उक्त उद्‌गार माहेश्वरी समाज के जिलाध्यक्ष विठ्ठलदास आसावा ने व्यक्त किये। अहमदनगर जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा आयोजित दो दिवसीय उद्योग सम्मेलन का उदघाटन जिलाध्यक्ष आसावा के करकमलों द्वारा हुवा। राहुरी तालुका राष्ट्रवादी कांग्रेस की नवनिर्वाचित उपाध्यक्षा वासंती भट्टड़ का इस अवसर पर सम्मान किया गया। वरिष्ठ मार्गदर्शक नंदलाल मणियार, पूर्व जिलाध्यक्ष आर.डी. मंत्री, विद्यमान जिला मानद मंत्री अजय जाजू, संगठन मंत्री अनिल भट्टड़, विठ्ठलदास भूतड़ा, महिला जिलाध्यक्षा मंजूश्री धूत, सचिव मधुमति धूत आदि मौजूद थे।

"ना जाने कौन मेरे
हक में दुआ पढ़ता है,
दु:ख की आँधी आती है
और हंस के गुजर जाती है.."

135 को मिली नई रोशनी

जैसलमेर. जन सेवा समिति एवं जिला अंधता निवारण समिति के संयुक्त तत्वावधान में एवं स्व. कालूराम बिसानी राजा सेठ एवं उनकी धर्मपत्नी स्व. अंचलोदेव बिसानी की स्मृति में उनके पुत्र चेन्नई निवासी भंवरलाल व पुत्रवधू भगवती देवी बिसानी द्वारा प्रायोजित समिति द्वारा आयोजित 143वें शिविर में 390 मरीजों ने आंखों की जांच करवाकर परामर्श लिया। समिति के प्रवक्ता अमृत भूतड़ा ने बताया कि इस शिविर में नेत्र यूनिट बिसानी नेत्र चिकित्सा केंद्र में 144 नेत्र रोगियों को ऑपरेशन के लिए भर्ती किया गया तथा ऑपरेशन पूर्व सभी प्रकार की जांच के बाद 135 मरीज ऑपरेशन के लिए उपयुक्त पाए गए। इन सभी मरीजों के मोतियाबिंद के सफल ऑपरेशन कर लैंस प्रत्यारोपण किए गए एवं चार मरीजों के लेजर भी किए गए। शिविर समापन के अवसर पर प्रायोजक भंवरलाल बिसानी का अभिनंदन समिति के अध्यक्ष डॉ. दाऊलाल शर्मा ने शॉल ओढ़ाकर किया गया। इनके परिवारजन भगवती बिसानी, राणमल बिसानी, अमृतलाल सुदा, रमणलाल बिसानी, विजयकुमार बिसानी, प्रियंक सांवल आदि का अभिनंदन समिति परिवार द्वारा किया गया। समिति कोषाध्यक्ष मदनलाल डांगरा ने समिति द्वारा दी जा रही। स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

अवैध खनन पर रोक का स्वागत

भीलवाड़ा. अरावली पर्वत की पहाड़ियो पर अवैध खनन पर 48 घंटो मे रोक का आदेश स्वागत योग्य और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए ऐतिहासिक कदम है। पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू ने कहा कि न्यायालय के 2002 से अवैध खनन पर रोक के आदेश के बावजूद खनन माफिया पुलिस और राजनेताओं की मिलीभगत से यह गौरखधंधा करते आए हैं। इसका दुष्परिणाम हमारे सामने है। इस शर्मनाक स्थिति के जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा अवैध खनन समाज में नासुर बन गया है जिसे कानून के कड़े उपचार की जरूरत है।

Sanjay Sarda
9422831382

Vijay Sarda
9423689097

Sarda Marbles

Industrial Estate, Takiya Road, Bhandara (MS) 07184-252475
e-mail : sardamarble@gmail.com

Vijay Sarda

Sarda Ceramics

Tiles, Marble, Granite, Kota
Cellphone : 91-9423689097, 9422831382 Tel. : 07184-252475
E-mail : sardamarble@gmail.com
Industrial Estate, Takiya Road, Bhandara (MS)

Purushottam Sarda
9422131097, 07184-252541

Sarda Garments Zone

Exclusive Men's Wear
Opp. Ram Mandir, Main Road, Bhandara (MS) 441904

उद्योग मेला व कोजागिरी उत्सव का हुआ आयोजन

अमरावती. माहेश्वरी मंडल द्वारा महिलाओं की प्रगति के लिए भव्य उद्योग मेला आयोजित किया गया। इसमें विदर्भ, अकोला, पुलगांव, चांदूर, मलकापुर से कई स्टॉल लगाए गए। अतिथि के रूप में वसंतकुमार मालपाणी, पुष्पलता परतानी, प्रभा झंवर, प्रीति डागा उपस्थित थीं। अर्चना लाहोटी ने अध्यक्षता की। विशेष सहयोग आनंद पनपालिया, रवि डागा, संजय अग्रवाल, सुशीला गांधी आदि का रहा। इसमें कपल गेम, तंबोला, कोजागिरी क्वीन आदि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

लाहोटी को दी बधाई

वारंगल. विधानसभा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष के रूप में आंध्र आवासीय माहेश्वरी में तेलंगाना वारंगल, श्री माहेश्वरी समाज के गोपीकिशन लाहोटी का चयन हुआ। इस पर वारंगल समाज के सदस्यों ने श्री लाहोटी का शॉल और फूल भेंटकर स्वागत किया। समाज के निवर्तमान अध्यक्ष प्रहलाद माहेश्वरी, श्याम सुंदर, नवल किशोर जाखेटिया, नवलकिशोर, विष्णुकुमार बाल्दी, प्रगतिशील मारवाड़ी के वेणुगोपाल मूंदड़ा, संदीप मूंदड़ा, प्रभु लाहोटी, नंदकुमार लाहोटी आदि मौजूद थे।

माहेश्वरी समाज की देश के विकास में अहम भूमिका

वर्धा. स्थानीय माहेश्वरी भवन में शरद पूर्णिमा उत्सव गत 23 अक्टूबर को माहेश्वरी मंडल द्वारा भव्य रूप में मनाया गया। इसमें वाशिम जिला माहेश्वरी संगठन मंत्री नीलेश सोमाणी उपस्थित थे। उन्होंने 'हमारी संस्कृति, हमारी विरासत' इस विषय पर मार्गदर्शन दिया। मंच पर प्रबंधक ट्रस्टी जगदीश चांडक, माहेश्वरी मंडल अध्यक्ष कमलकिशोर भूतड़ा, सचिव संदीप पनपालिया, माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्षा शोभा गांधी, सचिव प्रीति राठी, नवयुवती मंडल अध्यक्ष निमीषा टावरी, सचिव स्नेहा भूतड़ा आदि उपस्थित थीं।

'श्रेय मिले न मिले,
अपना श्रेष्ठ देना कभी बंद न करें
आशा चाहे कितनी भी कम हो,
निराशा से बेहतर होती है.

श्री आदित्य विक्रम बिड़ला केंद्र की बैठक संपन्न

विभिन्न प्रदेशों के 5325 से अधिक परिवार हुए लाभान्वित, उपकेंद्र प्रारंभ करने की भी उठी मांग

मुंबई. श्री आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र की वार्षिक साधारण सभा गत 5 अक्टूबर को पद्मभूषण राजश्री बिरला की अध्यक्षता में मेफेयर बैंक्वेट हॉल मुंबई में बहुत ही सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में मुंबई के अलावा अन्य प्रदेशों से आए केंद्र सदस्य एवं योजना से जुड़े हुए अनेक समाजजन उपस्थित थे। बैठक का संचालन केंद्र मंत्री कस्तूरचंद बाहेती ने किया। बैठक में केंद्र की सेवाओं में वृद्धि को देखते हुए उपकेंद्र स्थापना के सुझाव भी सामने आए।

केंद्र अध्यक्ष राजश्री बिरला ने केंद्र योजना की सराहना करते हुए कहा कि हम सभी के लिए हर्ष एवं गौरव का विषय है कि योजना से लाभान्वित अनेक बंधुओं ने अपना आर्थिक उन्नयन कर जीवन स्तर सुधारा है। वे बच्चों को अच्छी शिक्षा, परिवार सदस्यों को पर्याप्त चिकित्सा दिलवाने में सक्षम हुए हैं। आपने बताया कि वैश्वीकरण की वजह से व्यवसाय प्रणाली में काफी बदलाव आए हैं जिससे लघु व्यवसायी प्रभावित हुए हैं। इस हेतु क्षेत्रीय स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा कार्यशाला, प्रशिक्षण शिविर, सेमिनार, गोष्ठी आदि के आयोजन होना जरूरी है। केंद्र भी इस दिशा में प्रयासरत है। आपने श्री राठी एवं श्री बाहेती को केंद्र के प्रति समर्पित भाव एवं योगदान के लिए विशेष धन्यवाद दिया और योजना से जुड़े सभी बंधुओं का भी आभार व्यक्त किया। कार्याध्यक्ष बंशीलाल राठी ने उपस्थित सभी बंधुओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से केंद्र कोष रुपए 25 करोड़ का हो गया है जिसके लिए आप सभी धन्यवाद के पात्र हैं। अभा माहेश्वरी महासभा सभापति श्यामसुंदर सोनी ने भी संबोधित किया।

बैठक में हुआ यह

कार्याध्यक्ष बंशीलाल राठी ने नए सदस्यों का शॉल माला से स्वागत किया। मंत्री बाहेती ने गत वार्षिक साधारण सभा की कार्यवाही रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। अर्थमंत्री हरिकृष्ण झंवर ने वर्ष 2016-17 का आय-व्यय पत्रक एवं बैलेंस शीट प्रस्तुत करते हुए केंद्र की आर्थिक स्थिति की विगतवार जानकारी दी और सदस्यों की जिज्ञासा का समाधान किया। श्री झंवर ने बताया कि केंद्र स्थापना से मे. संकलेचा एंड एसोसिएट्स केंद्र के ऑडिटर्स हैं। वे केंद्र को निःशुल्क सेवाएं एवं मार्गदर्शन दे रहे हैं। उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से आगामी वर्ष हेतु भी मे. संकलेचा एंड एसोसिएट्स को ही निरंतर करने का निर्णय लिया। मंत्री श्री बाहेती ने केंद्र गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि अभी तक केंद्र योजना में 870 दानदाता बंधु एवं अन्य सहयोग को मिलाकर रुपए 18.28 करोड़ का कॉरपस सहयोग प्राप्त हुआ है। केंद्र की अभी तक की बचत को मिलाकर केंद्र कोष करीब 24.02 करोड़ का हो गया है। आशा है आगामी वर्ष में यह निर्धारित लक्ष्य रुपए 25 करोड़ का हो जाएगा। बैठक की तारीख तक विभिन्न प्रदेशों में 5325 से अधिक परिवार रुपए 44.25 करोड़ की ऋण सहायता से लाभान्वित हुए हैं।

ये आए सुझाव

श्यामसुंदर काबरा मुंबई ने कहा केंद्र की बकाया राशि में वृद्धि हो रही है। यदि सभी अपनी जबावदारी समझते हुए राशि वसूली का कार्य करें तो किसी भी क्षेत्र में कोई भी राशि बकाया नहीं रहेगी। आनंद राठी मुंबई ने योजना की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र के वृहद होते स्वरूप को ध्यान में रखते हुए उपकेंद्र भी स्थापित किए जाना चाहिए ताकि संबंधित क्षेत्र में ऋण सहायता एवं उसकी वसूली का कार्य सुगमता से हो सके। अपने पश्चिमी राजस्थान में अपने जोधपुर कार्यालय को केंद्र की शाखा खोलने का सुझाव दिया। आरएल काबरा मुंबई ने सुझाव दिया कि महासभा एवं केंद्र का सत्र 3 वर्ष है। यदि दोनों का सत्र एक साथ प्रारंभ हो तो उचित होगा। इनके साथ श्याम राठी मुंबई, सूर्यप्रकाश लड्ढा सोजत रोड, बिहारीलाल चांडक खींवसर, महिला संगठन अध्यक्ष कल्पना गगडानी, उमेश मूंधड़ा आदि कई सदस्यों ने भी महत्वपूर्ण सुझाव दिए। अंत में संयुक्त मंत्री श्यामसुंदर काबरा ने आभार व्यक्त किया।

संदेह में दौड़ने से लाख बेहतर है!
आत्मविश्वास से पैदल चलना...!

चुनाव अधिकारी से नाराज हुए समाजजन

हैदराबाद/सिकंदराबाद. जिला माहेश्वरी सभा के कार्यकारिणी मंडल के सदस्यों के चुनाव निरस्त करने के प्रकाशचंद बाहेती, मुख्य चुनाव अधिकारी केंद्रीय चुनाव समिति अभा माहेश्वरी महासभा द्वारा दिए गए कारणों में कथित रूप से समाज बंधुओं को 'असामाजिक तत्व' कहने से माहेश्वरी समाज में आक्रोश की स्थिति पैदा हो गई है। उक्त जानकारी रामप्रकाश भंडारी ने देते हुए बताया कि चुनाव निरस्त करने के कारणों पर चर्चा हेतु माहेश्वरी समाज बंधुओं की एक विशेष बैठक माहेश्वरी भवन, बेगम बाजार, हैदराबाद में आयोजित की गई। बैठक में चर्चा में भाग लेते हुए भगवानदास करवा ने कहा कि हैदराबाद-सिकंदराबाद जिला माहेश्वरी सभा के कार्यकारिणी मंडल के सदस्यों के चुनाव हेतु गत 22 सितंबर को जारी सूचना के आधार पर हमने दिनांक 28 सितंबर को चुनाव कार्यालय से आवेदन पत्र प्राप्त किया व दिनांक 30 सितंबर को जमा करवा दिए और चुनाव की अगली प्रक्रिया हेतु कार्य में लग गए, लेकिन दिनांक 2 अक्टूबर को प्रातः समाचार पत्र के माध्यम से मुख्य चुनाव अधिकारी केंद्रीय समिति अभा माहेश्वरी महासभा ने चुनाव निरस्त करने की सूचना दी गई। लक्ष्मीनारायण लाहोटी ने कहा कि किस आधार पर समाजबंधुओं को असामाजिक तत्व कहा इसे जानने का अधिकार हम सभी का है। बैठक में सर्वसम्मति से प्रकाशचंद बाहेती द्वारा समाजबंधुओं को असामाजिक तत्व करार देने पर निंदा प्रस्ताव भी पास किया गया। बैठक को रमेशकुमार बंग, लक्ष्मीनारायण राठी, मुरलीधर पलोड़, विनोद बंग, मनोज लोया, नरसिंगदास लोया, वल्लभदास सिकची, शरद मूंदड़ा, नारायणदास लोया, वेणुगोपाल भंडारी ने भी संबोधित किया। सुमित राठी, दीपककुमार बंग, अमित लड्ढा, रमेश सोनी, गिरधारीलाल डागा, कमलकिशोर जाजू, नारायणदास सारडा, प्रकाश लड्ढा, रामानुजदास लाहोटी, सुनील हेड़ा, पुरुषोत्तम असावा, कमलकिशोर मालपाणी, गोपाललाल तापड़िया, प्रदीप चांडक, श्रीनिवास मोदाणी, पुरुषोत्तम बांगड़, रमेशचंद्र असावा, रामानुज सारडा सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

पानी व शरबत का वितरण

जलगांव. जलगांव लाठी फ्रेंड्स ग्रुप की ओर से गणेशोत्सव विसर्जन शोभायात्रा में श्रद्धालुओं को पानी एवं शरबत का वितरण किया गया। सुनीता लाठी, रंजना लाठी, उमा लाठी, विजय लाठी, मोनाली लाठी, कलावती लाठी, दिलीप, अनिल, सतीश, विलास, विशाल, कपिल, ललित, प्रकाशकुमार लाठी आदि का विशेष सहयोग रहा।

हृदय दिवस पर औषधि वितरण

वरंगल. विश्व हृदय दिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा गवर्नमेंट जूनियर कॉलेज फॉर गर्ल्स, वरंगल में लगभग 200 छात्राओं एवं कॉलेज स्टाफ में रक्तहीनता में सुधार के लिए औषधि वितरित की गई। इस कार्यक्रम की मुख्य अथिति डॉ. पुल्लपी तिरुपति ने अपने काउंसिलिंग संदेश में रक्तहीनता के कारण एवं निदान के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही उन्होंने फल, गाजर, शलजम, हरी सब्जियां, खजूर, मूंगफली, तिल्ली आदि खाने की सलाह दी। माहेश्वरी समाज अध्यक्ष संपतकुमार लाहोटी ने बताया कि समाज के निवर्तमान अध्यक्ष प्रहलाद सोनी, समाज के मंत्री नवल मणियार, उपाध्यक्ष नवलकिशोर मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष रामकिशोर मणियार, सांस्कृतिक मंत्री दामोदर लाहोटी, राजेंद्र लड्ढा, सीताराम बंग, हीरालाल सारड़ा आदि मौजूद थे।

शोभायात्रा व झांकियों का स्वागत

चंद्रपुर. गत 23 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के दिन श्रीगणेश विसर्जन के अवसर पर निकली चंद्रपुर के विविध श्रीगणेश मंडल की शोभायात्रा व झांकियों का स्वागत मेन रोड, लक्ष्मीनारायण मंदिर के निकट माहेश्वरी युवक मंडल द्वारा चाय व बिस्किट का स्टाल लगाकर किया गया। कार्यक्रम का प्रकल्प संचालन अनूप मालपानी ने किया। प्रवीण सारडा, अनूप गांधी, शक्ति धूत, ऋषिकांत जाखोटिया, पीयूष माहेश्वरी, धीरज राठी, अनूप काबरा, नितिन जाजू, योगेश तोषनीवाल, मोहन नावंधर, गौरव लाहोटी आदि मौजूद थे। माहेश्वरी युवक मंडल अध्यक्ष राजेश काकानी व सचिव दीपक कैलाश सोमानी ने स्वागत किया।

"गलत लोगों की जीत...
उसी वक्त तय हो जाती है...
जब सही लोग चुप हो जाते है...!!
मुस्कुरा कर चलते रहिए..!!"

सामूहिक गोठ के साथ महेश मेला

जयपुर. श्री माहेश्वरी समाज जयपुर की 54वीं सामूहिक गोठ एवं महेश मेला गत 9 सितंबर को माहेश्वरी विद्यालय, तिलक नगर में संपन्न हुआ। समाज महामंत्री संजय माहेश्वरी ने बताया कि सामूहिक गोठ के मुख्य अतिथि समाज के भूतपूर्व अध्यक्ष बजरंग जाखोटिया, मेला उद्घानकर्ता राजेश काबरा तथा स्वागताध्यक्ष नवलकिशोर मंत्री थे। समाज अध्यक्ष सत्यनारायण काबरा एवं पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया। शेयर होल्डर समिति के संयोजक प्रमोद लखोटिया को अब तक के सर्वाधिक शेयर बनाने तथा केदारमल भाला को 311 शेयर तथा सत्यनारायण काबरा (जेडी सुपारी) को 211 शेयर बनाने पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन महेश परवाल एवं सविता राठी द्वारा किया गया। कार्यक्रम संयोजक जुगलकिशोर साबू ने बताया कि गोठ में प्रवेश द्वार व संपूर्ण भवन की मनमोहन सजावट की गई। भोजन स्थल पर लगभग 2 हजार समाज बंधुओं के एक साथ बैठकर भोजन करने की व्यवस्था की गई। साथ ही एमपीएस इंटरनेशनल के सांदीपनि सभागार में बुफे ब्लॉक की व्यवस्था की गई। श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल द्वारा महेश मेला आयोजित किया गया। संयोजक गिरधर सोढानी ने बताया कि मेले में खाद्य सामग्री, गेम्स एवं डिस्प्ले के स्टॉल्स लगाए गए। नवयुवक मंडल अध्यक्ष चंद्रप्रकाश धूत (सीपी) ने बताया कि बाबा अमरनाथ की झांकी, लकी ड्रॉ, निःशुल्क किड्स जोन, सेल्फी जोन, आकर्षक झूले व निःशुल्क ज्यूस की व्यवस्था की गई।

मेधा समिति का किया गठन

जयपुर. समाज के युवाओं के आईएएस, आरएएस, आरजेएस जैसी प्रतिष्ठित प्रशासनिक व न्यायिक सेवाओं में चयन हेतु समुचित मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर एवं दी एजुकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर के तत्वावधान में गत 9 सितंबर को जस्टिस दीपक माहेश्वरी के संयोजन में मेधा समिति का गठन किया गया। इस अवसर पर समिति संयोजक सहित समाज अध्यक्ष सत्यनारायण काबरा, महामंत्री संजय माहेश्वरी, महासचिव शिक्षा मधुसूदन बिहानी, पूर्व अध्यक्ष बजरंग जाखेटिया आदि कई समाजबंधुओं की उपस्थिति में मेधा पोस्टर का विमोचन किया गया।

वृद्धाश्रम में सेवा कार्य

बीकानेर. माहेश्वरी समाज की पारिवारिक संस्था श्री प्रीति क्लब द्वारा जनसेवा की भावना को रखते हुए अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर सेवा कार्य किया गया। पवन राठी ने बताया कि इसमें बीकानेर पूगल रोड स्थित भीम वृद्धा आश्रम में प्रीति क्लब परिवार द्वारा क्लब संरक्षक मगनलाल चांडक के नेतृत्व में वहां निवास कर रहे वृद्धजनों को आवश्यक सामग्री भेंट की गई। संस्था अध्यक्ष घनश्याम कल्याणी ने बताया कि इस संस्था द्वारा समय-समय पर अलग-अलग स्थानों पर स्थापित आश्रमों में आवश्यक वस्तुओं की पूर्ति कर सेवा कार्य करने का प्रयास किया जाता रहा है। संस्था महामंत्री नारायण दम्माणी व अशोक बागड़ी ने बताया कि इस अवसर पर वृद्धाश्रम में निवास कर रहे सभी महिला-पुरुषों को वस्त्र आदि आवश्यक सामग्री भेंट की गई। मगनलाल चांडक, घनश्याम कल्याणी, नारायण डागा, अशोक बागड़ी, राजेंद्र चांडक, सुशील कुमार, पवन राठी, गोपीकिशन पेड़ीवाल, कालू राठी, रेखा लोहिया, कामिनी कल्याणी, लक्ष्मी दम्माणी आदि मौजूद थे।

माहेश्वरी महाकुंभ के संरक्षक होंगे गजसिंह

जैसलमेर. अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन (माहेश्वरी महाकुंभ) आगामी 5 व 6 जनवरी को जोधपुर में आयोजित होगा। इसके मुख्य संरक्षक मारवाड़ के सांस्कृतिक दूत के रूप में विश्व में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले पूर्व राजघराने के पूर्व सांसद गजसिंह होंगे। उक्त जानकारी देते हुए महामंत्री अभा माहेश्वरी महासभा संदीप काबरा ने स्थानीय माहेश्वरी भवन में अपने उद्बोधन में बताया कि महाकुंभ में देश-विदेश से हजारों माहेश्वरी परिवार शरीक होंगे। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन पंजीयन 15 अक्टूबर तक होगा। जैसलमेर माहेश्वरी समाज सचिव माणकलाल गोलकिया, सचिव पूर्व जिलाध्यक्ष माहेश्वरी सभा मदनलाल भूतड़ा, तहसील अध्यक्ष गणेश सुदा, विनोद डांगरा, अर्जुन चांडक, सरला राठी, निर्मला सुदा आदि ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया।

इंसान वही श्रेष्ठ है...
जो बुरी स्थिति में फिसले नहीं..
एवं अच्छी स्थिति में उछले नहीं.

पर्यावरण संरक्षण सेमिनार का हुआ आयोजन

इंदौर. पर्यावरण के प्रति युवाओं को जागरूक करने के लिए लायंस क्लब इंदौर ईस्ट के अध्यक्ष मधुसूदन भलिका, लायंस क्लब ऊर्जा के अध्यक्ष बाहुबली पाटनी व लायंस क्लब चिंतन के अध्यक्ष चिंतन बाकीबला के नेतृत्व में तीनों क्लब के संयुक्त तत्वावधान में विशिष्ट स्कूल ऑफ मैनेजमेंट कॉलेज, पोलोग्राउंड इंदौर में सेमिनार आयोजित किया गया। देवी अहिल्या विवि इंदौर के कुलपति नरेंद्र धाकड़ मुख्य अतिथि एवं पर्यावरणविद् डॉ. संजय व्यास व डॉ. किशोर पंवार प्रमुख वक्ता थे। कार्यक्रम जॉय आहूजा रीजन चेयरपर्सन के विशेष आतिथ्य व डॉ. अनस इकबाल डायरेक्टर विशिष्ट स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के निर्देशन में हुआ। डॉ. संजय व्यास व डॉ. किशोर पंवार ने पॉवर पाइंट प्रेजेंटेशन द्वारा पर्यावरण को भविष्य में किस तरह बचाया जा सके और कुछ वनस्पति के पौधे की प्रजाति लुप्त होने की ओर है, उन्हें ज्यादा से ज्यादा कैसे लगाया जाए इसकी जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन ईस्ट के सचिव व सेमिनार के संयोजक डॉ. मनोहरदास सोमानी व विशिष्ट कालेज के डॉ. संजय माहेश्वरी ने किया। स्वागत व स्मृति चिह्न कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. अनस इकबाल, प्रकाश माहेश्वरी, रश्मि जैन, नवनीत राठी, ललित संचेती ने भेंट किए। आभार डॉ. मनोहरदास सोमानी ने माना।

गुजरात के खिलाड़ियों ने जीते पदक

इंदौर. गत दिनों आयोजित झंवर खेल महोत्सव 2018 में 34 वर्षीय आशा झंवर (अहमदाबाद) और स्नेहलता जागेटिया (अहमदाबाद) ने बैडमिंटन डबल्स महिला श्रेणी में गोल्ड मेडल जीता। बहुत ही रोमांचक मुकाबले में अद्भुत खेल का प्रदर्शन करते हुए इन दोनों ने अपने से लगभग आधी उम्र की युवा खिलाड़ी को शिकस्त देकर जीत हासिल की। दूसरी ओर गुजरात के खिलाड़ियों ने वॉलीबाल में भी स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। शिवशंकर झंवर, घनश्याम डागा, प्रकाश पेड़ीवाल, सुनील मूंधड़ा, आशीष लड्ढा, अभिषेक पेड़ीवाल एवम विकास पेड़ीवाल इस टीम का हिस्सा रहे। टीम के प्रायोजक श्यामसुंदर राठी, गुजरात माहेश्वरी सभा अध्यक्ष त्रिभुवन काबरा तथा मंत्री कृष्णकांत चांडक ने खिलाड़ियों की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामना प्रेषित की।

हैप्पी 2 इनिंग्स का हुआ आयोजन

सूरत. माहेश्वरी मैरिज ब्यूरो द्वारा चेतना लहर के अंतर्गत 'हैप्पी 2 इनिंग्स' कार्यक्रम गत दिनों माहेश्वरी भवन में आयोजित हुआ। मुख्य वक्ता जयप्रकाश काबरा मुंबई थे। मैरिज ब्यूरो के अध्यक्ष रामअवतार साबू ने मैरिज ब्यूरो की सेवाओं की पूरी जानकारी दी। श्री काबरा ने बहुत ही सारगर्भित रूप में ढलती उम्र में कैसे जीवन का आनंद लें, उसके बारे में व्याख्यान दिया। सीनियर लोगों को वसीयत की जानकारी प्रिया सोमानी ने दी। ढलती उम्र में कैसे स्वस्थ रहें, उसके टिप्स डॉ. राठी ने दिए। अरविंद साबू व चेतना लहर की राष्ट्रीय संयोजिका बिमलादेवी साबू ने 'हैप्पी 2 इनिंग्स' के कुछ कारगर टिप्स बताए। उन्होंने अपनी टीम के साथ छोटी सी नाटिका प्रस्तुत की, जो बहुत ही सराहनीय रही।

मासूम के लिए खेमानी सम्मानित

सिलीगुड़ी. यंग इंडियंस (बाईआई) द्वारा बच्चों में यौन शोषण पर जागरुकता के लिए राष्ट्रव्यापी प्रोजेक्ट "मासूम" में उल्लेखनीय योगदान के लिए सिलीगुड़ी माहेश्वरी समाज की मधु खेमानी को यंग सिलीगुड़ी शाखा की ओर से विशेष तौर पर सम्मानित किया गया। श्रीमती खेमानी सिलीगुड़ी निवासी रजनीश खेमानी की धर्मपत्नी है। यंग इंडियंस सिलीगुड़ी की ओर से आयोजित एक समारोह में श्रीमती खेमानी को "बाईआई मासूम फैलों" की उपाधि से अलंकृत किया गया। श्रीमती खेमानी ने अभी तक 5 हजार से ज्यादा स्कूली बच्चों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को मासूम प्रोजेक्ट के तहत यौन शोषण पर विशेष रूप से प्रशिक्षण प्रदान कर जागरुकता अभियान से जोड़ा है।

"मुलाक़ात उस से भी करना,
फ़ुरसत में किसी दिन,
देख कर आईने में जिसे,
हर रोज़,गुज़र जाते हो.."

नेत्र परीक्षण शिविर का हुआ आयोजन

इंदौर. लायंस क्लब ऑफ इंदौर इस्ट, लायंस क्लब ऑफ इंदौर ऊर्जा एवं लायंस क्लब ऑफ इंदौर चिंतन के ईस्ट के अध्यक्ष मधुसूदन भलिका, ऊर्जा के अध्यक्ष बाहुबली पाटनी, चिंतन अध्यक्ष डॉ. आरती मेहरा ने बताया कि सेवा सप्ताह के अंतर्गत नेत्र परीक्षण व मधुमेह जांच शिविर का आयोजन माता जीजाबाई शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय मोती तबेला, इंदौर में किया गया। छात्राओं, प्राध्यापकों व कर्मचारियों का नेत्र परीक्षण एवं चिकित्सा इस जांच शिविर में की गई। शिविर का उद्घाटन पीडीपी गुलशन कपूर डिस्ट्रिक्ट 3233 जी 1 के कैबिनेट सचिव मुरली अरोड़ा व रीजन सात के चेयरपर्सन जॉय आहूजा, कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सुमित्रा वास्कले एवं सेवा सप्ताह 2018 के को-ऑर्डिनेटर अनिल खंडेलवाल के आतिथ्य में किया गया। शिविर की मुख्य वक्ता एमके इंटरनेशनल आई बैंक की डायरेक्टर उमा झंवर ने अपने उद्बोधन में नेत्र की सुरक्षा कैसे करें के तरीके बताते हुए मृत्यु पश्चात नेत्रदान कर अन्य नेत्रहीन व्यक्तियों के जीवन में रोशनी प्रदान करने के लिए अभिप्रेरित किया। इस अवसर पर एमके इंटरनेशल आई बैंक के माध्यम से नेत्रदान संकल्प पत्र भी भरवाए गए।

वैश्य महासम्मेलन की बैठक संपन्न

भोपाल. वैश्य महासम्मेलन मप्र कोर कमेटी की बैठक मप्र शासन के राजस्व मंत्री व प्रदेश अध्यक्ष उमाशंकर गुप्ता की अध्यक्षता में भोपाल में आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश के कई बिंदुओं पर चर्चा की गई। साथ ही सागर बैठक में लिए गए निर्णयों के लिए सभी प्रदेश के एवं जिला पदाधिकारियों को पंचायत स्तर तक ले जाने का निर्देश दिया। उक्त बैठक में धार संभाग का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश महामंत्री महेशचंद्र माहेश्वरी व संभागीय अध्यक्ष विनोद बाफना द्वारा आजीवन सदस्यता फॉर्म प्रस्तुत किए गए।

> बदल जाऊं तो मेरा नाम वक्त रखना,
> थम जाऊं तो हालात,
> छलक जाऊं तो मुझे जज्बात कहना..
> महसूस हो जाऊं तो दोस्त

मध्य राजस्थान प्रदेश की बैठक संपन्न

किशनगढ़. गत 30 सितंबर 2018 को मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के कार्यकारी मंडल व विशेष आमंत्रित सदस्यों की सभा स्थानीय माहेश्वरी भवन किशनगढ़में प्रदेशाध्यक्ष केसरीचंद तापड़िया की अध्यक्षता एवं क्षेत्रीय सभा किशनगढ़ तथा स्थानीय पंचायत के आतिथ्य में आयोजित हुई। सर्वप्रथम कुचामन कार्यकारी मंडल की कार्यवाही का विवरण रंगनाथ काबरा ने सदन के समक्ष रखा, जिसकी सभी सदस्यों ने ध्वनि मत से पुष्टि की। प्रदेश मंत्री विजयशंकर मूंदड़ा ने सदन को अजमेर व केकड़ी में आयोजित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक की जानकारी देते हुए बताया कि विभिन्न प्रकोष्ठों की स्थापना कर कार्यभार सौंपा गया। महेश सेवा निधि की भी स्थापना की गई। महेश सेवा निधि के तहत सेठ सूरजमल तापड़िया मेमोरियल ट्रस्ट के माध्यम से 119 निःशक्तजनों को सहायता प्रदान की गई। इस अवसर पर मारवाड़ी सभा द्वारा कन्या जन्म प्रोत्साहन अंतर्गत 1 लाख के फिक्स डिपाजिट चेक वितरित किए गए।

'रुकिए जरा आत्महत्या से पहले' पुस्तक का विमोचन

उज्जैन. भारतीय ज्ञानपीठ महाविद्यालय परिसर में डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक 'रुकिए जरा आत्महत्या से पहले' का विमोचन छत्तीसगढ़ के सर्वोदयी नेता बजरंग मुनि के आतिथ्य एवं कृष्णमंगलसिंह कुलश्रेष्ठ की अध्यक्षता में हुआ। डायमंड बुक्स दिल्ली द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक की उपयोगिता के बारे में बजरंग मुनि ने कहा कि देश में आत्महत्या की बढ़ती हुई घटनाओं को रोकने में डॉ. माहेश्वरी की पुस्तक निश्चित ही मददगार होगी, ऐसा मेरा विश्वास है। कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. शिव चौरसिया सहित कई साहित्यकार और गणमान्यजन उपस्थित थे।

खटोड़ बने रेलवे सलाहकार

पटना. पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा समाजसेवी विनोद खटौड़ को जोनल रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति सदस्य मनोनीत किया गया है। श्री खटौड़ का मनोनयन उनके विशिष्ट योगदानों को लेकर जोन के गुवाहाटी स्थित मुख्यालय के महाप्रबंधक द्वारा किया गया।

महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव ने मनाई सातवीं वर्षगांठ

बूंदी. श्री महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के कार्यसंचालन की सातवीं वर्षगांठ पर 'प्रगति के सात साल' के तहत विभिन्न सामाजिक व रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। सोसायटी सचिव नारायण मंडोवरा ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रमानुसार संचालक मंडल सदस्यों की ओर से सुबह गोवंश को चारा व इंदिरा कॉलोनी स्थित विमंदित गृह के बच्चों को शिक्षण व खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। जैत सागर रोड स्थित माहेश्वरी भवन में पर्यावरण संरक्षण को लेकर पौधारोपण कर उनको पोषित व सुरक्षित करने की सामूहिक जिम्मेदारी ली गई। 'स्वच्छता' अभियान के अंतर्गत 21 कचरा पात्र समाज को समर्पित कर स्वच्छता का संकल्प लिया। मूक पक्षियों के लिए अभयनाथ महादेव में दाना व्यवस्था सहित खोजागेट गणेश मंदिर में चलने वाले प्रकल्प के तहत निराश्रितों को भोजन कराया गया। कार्यक्रम में सोसायटी की प्रगति के सात साल पर सोसायटी अध्यक्ष संजय लाठी ने प्रकाश डाला। इस अवसर पर सोसायटी के संचालक मंडल में गत दिवस विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में मनोनीत किए गए रमेश माहेश्वरी व नरेश लाठी तथा सार्वजनिक निर्माण विभाग में अधिशाषी अभियंता के पद पर पदोन्नत होने पर सूर्यप्रकाश काबरा का उपस्थितजनों ने फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। जिलाध्यक्ष घनश्याम नकलक, सचिव चंद्रभानु लाठी, पूर्व जिलाध्यक्ष रेवतीरमन बिरला, माहेश्वरी पंचायत अध्यक्ष जगदीश जैथलिया, सचिव विजेंद्र माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष द्वारका जाजू, महिला संगठन जिलाध्यक्ष किरण लखोटिया, शहर अध्यक्ष पुष्पा बिरला सहित कई पदाधिकारी व गणमान्यजन उपस्थित थे।

समाज गौरव से सम्मानित हुए मंत्री

औरंगाबाद. विहिप द्वारा एक सामाजिक कार्यक्रम में माहेश्वरी युवा संगठन के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष संजय प्रेमराज मंत्री को जीटीवी मराठी भविष्य सांगणारे श्री अतुल शास्त्री भगरे गुरुजी के हाथों समाजसेवा गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विहिप के प्रांत अध्यक्ष संजय बारगजे, देवगिरी प्रांत समन्वयक महेश पाटिल तथा विहिप के प्रांतीय संयोजक सुनील तावरे आदि विहिप के कई पदाधिकारी और सदस्य मौजूद थे।

जीवन साथी चयन के फॉर्म का विमोचन

दुर्ग. छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा, विदर्भ एवं पूर्वी मप्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के संयुक्त तत्वावधान तथा श्री माहेश्वरी पंचायत दुर्ग के आतिथ्य में दुर्ग जिला माहेश्वरी सभा द्वारा 22 व 23 दिसंबर को परिचय सम्मेलन 'जीवन साथी चयन 2018-19' का आयोजन किया जा रहा है। इसके फॉर्म का विमोचन व बैठक माहेश्वरी सभा 'भिलाई' के आतिथ्य में संपन्न हुई। बैठक में उपसभापति मध्यांचल मोहन राठी, प्रदेशाध्यक्ष विठ्ठल भूतड़ा, प्रदेश सभा उपाध्यक्ष नरेंद्र लोहिया, अशोक राठी, प्रदेश सहमंत्री सुशील लाहोटी आदि उपस्थित थे। प्रदेश कार्यक्रम संयोजक बृजकिशोर सूरजन व प्रदेश विवाह प्रकोष्ठ संयोजक गणेश भट्टर ने अतिथि स्वागत किया। प्रदेश युवा संगठन अध्यक्ष राजेश मंत्री, दुर्ग जिलाध्यक्ष राजकुमार गांधी, राजनांदगांव जिलाध्यक्ष शरद राठी, धमतरी जिलाध्यक्ष नंदकिशोर राठी, बिलासपुर जिलाध्यक्ष डॉ. रमेश भट्टड़, चतुर्भुज राठी, राजकिशोर गांधी, सुनील मूंदड़ा राजनांदगांव, रामकिशन मूंदड़ा आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

बागड़ी का हुआ स्वागत

नागपुर. महाराष्ट्र राज्य सरकार में मंत्री सुधाकर देशमुख का जनमदिन उनके फ्रेंड्स कॉलोनी कार्यालय में नगरसेवक, भाजपा पश्चिम के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व भाजपा शहर के सभी समस्त पदाधिकारियों ने मिलकर मनाया। इस अवसर प्रधानमंत्री के महिला सशक्तिकरण, बेटी बचाव बेटी पढ़ाओ के तहत जरूरतमंद महिलाओं व स्कूली छात्राओं को साइकिल बांटी गईं। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त वरिष्ठ समाजसेवक शरद बागड़ी थे। मानपा नगरसेविका व उपनेता वर्षा जयंत ठाकरे ने श्री बागड़ी के योगदानों पर प्रकाश डालते हुए शॉल-श्रीफल से उनका सत्कार किया। मुख्य अतिथि श्री बागड़ी व नगरसेविका वर्षा ठाकरे के हाथों साइकिल का वितरण किया गया।

> "ऊंचाई चौखटों की लाख बढ़ा लीजिये,
> कद तो अच्छे व्यवहार से ही बढ़ता है"

स्पर्धाओं के साथ आयोजित की सेवा गतिविधियां

खंडवा. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गत 21 अगस्त को ओंकारेश्वर में सावन की पार्टी में नर्मदा स्नान व भोजन के साथ प्रतियोगिताएं भी रखी गईं। 24 अगस्त को आनंदनगर स्थित बगीचे में पौधारोपण किया गया व महिलाओं ने झूलों का आनंद लिया। सितंबर को महिला मंडल द्वारा तीज मिलन समारोह रखा। ईंडो वेस्टर्न शृंगार व तीज संबंधित अन्य प्रतियोगिताएं रखीं। 20 सितंबर से 5 अक्टूबर तक गरबा क्लासेस का प्रशिक्षण दिया गया। सभी कार्यक्रमों का कार्यभार रत्ना राठी के साथ प्रियास जाखेटिया, मनीषा गांधी, रीना गिलड़ा ने संभाला। अरुणा बाहेती, उषा परवाल, किरण मंत्री, पुष्पा काकाणी, निशा चांडक, पुष्पा राठी आदि उपस्थित थीं।

प्रो. सोमानी का हुआ सम्मान

इंदौर. विभिन्न शासकीय पदों की भर्ती हेतु व अन्य प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए होने वाली ऑनलाइन परीक्षाओं के विगत तीन वर्षों से सफल व सुचारु संचालन के लिए उच्च शिक्षा विभाग मप्र शासन के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. मनोहरदास सोमानी को इंदौर जिला प्रशासन ने प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया। प्रोफेसर सोमानी विगत 35 वर्षों से शासकीय कॉलेज मनावर (धार), शास. कन्या कॉलेज देवास, शास. पीजी कॉलेज खरगोन, भेरूलाल पाटीदार शास. पीजी कॉलेज महू आदि में वाणिज्य विषय के प्राध्यापक पद पर कार्यरत रहे हैं। वर्तमान में माता जीजाबाई शास. पीजी कॉलेज (ओल्ड जीडीसी) इंदौर में पदस्थ हैं। श्री सोमानी को इंदौर जिला प्रशासन ने ऑनलाइन परीक्षा का नोडल अधिकारी भी नियुक्त किया है।

> अगर कोई
> आपको याद नही कर पाता,
> तो आप कर लीजिये,
> रिश्तें निभाते वक्त
> मुकाबला नहीं किया जाता !!

राजस्थानी एसोसिएशन ने ली पद की शपथ

चेन्नई. राजस्थानी एसोसिएशन द्वारा गत 2 अक्टूबर को पदस्थापना शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इसमें चंद्रप्रकाश मालपानी कार्यसमिति सदस्य महासभा ने अध्यक्ष मोहनलाल बजाज ने उपाध्यक्ष, अशोक मूंधड़ा ने महासचिव एवं जगदीश पोरवाल पांडिचेरी ने संयुक्त सचिव पद की शपथ ग्रहण की। गौतम चौरड़िया न्यायाधीश छत्तीसगढ़ ने अध्यक्षता की। अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी को विशिष्ट अतिथि सेवाभावी चंपालाल सारडा, चेयरमैन एमेरिट्स, श्री माहेश्वरी हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर ट्रस्ट, जैसलमेर ने शपथ दिलवाई। मुख्य अतिथि ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि राजस्थानी समाज ने अपने सेवा कार्यों से अपने देश में ही नहीं, अपितु विश्व में अपनी अलग पहचान बनाई है।

भावना का शोधपत्र प्रकाशित

दर्यापुर (मणिपुर). समाज के वरिष्ठ जयप्रकाश भूतड़ा की पुत्रवधू तथा संकेतकुमार भूतड़ा की धर्मपत्नी भावना अमरावती विद्यापीठ से जंतु विज्ञान अंतर्गत 'स्पाईडर' पर पीएचडी शोध कर रही हैं। गत दिनों इम्फाल (मणिपुर) में आयोजित इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन के सेमिनार में भावना ने इसी संबंध में अपना एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जिसका प्रकाशन भी एसोसिएशन की पुस्तक में हुआ है। उल्लेखनीय है कि भावना ने बीएससी 93.14 प्रतिशत तथा एमएससी 87 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है।

विधवा आश्रम में सेवा गतिविधि

नागपुर. भारत विकास परिषद द्वारा उत्तमनगर मैत्री आश्रम (विधवा आश्रम) में गत 5 अक्टूबर को दुर्गापूजा के अवसर पर आश्रम की सभी विधवाओं को साड़ी, बिस्कुट, मिठाई आदि का वितरण किया गया। इस अवसर पर जगदीशचंद्र एन. मूंदड़ा ने सभी से व्यक्तिगत रूप से भेंट भी की। इस कार्यक्रम में विद्यासागर अग्रवाल, परशुराम मूंदड़ा आदि कई सदस्य मौजूद थे।

मेधावी प्रतिभा सम्मान का हुआ आयोजन

रायपुर. छत्तीसगढ़ महेश सेवा समिति ट्रस्ट की वार्षिक सामान्य सभा एवं पारंपरिक कार्यक्रम प्रादेशिक मेधावी विद्यार्थी प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन गत 23 सितंबर को स्थानीय महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज ऑडिटोरियम समता कॉलोनी में आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिन मेधावी विद्यार्थियों ने कक्षा दसवीं व 12वीं में 90 प्रतिशत से अधिक व विशेष उपलब्धि अर्जित करने वालों को सम्मान पत्र के साथ 5 हजार रुपए नकद राशि प्रोत्साहन स्वरूप देकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन में प्रादेशिक स्तर पर 50 बच्चों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति श्याम सोनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उपसभापति मोहनलाल राठी दुर्ग विशेष अतिथि थे। अध्यक्षता विट्ठल भूतड़ा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा ने की। वर्तमान में इस ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी डॉ. सतीश राठी, मानद मंत्री मनोज राठी एवं वित्त सचिव बालकिशन झंवर तथा 12 संस्थापक सदस्यों सहित लगभग 115 सदस्य हैं।

दुर्गाष्टमी पर कन्या भोज

पुरुलिया. माहेश्वरी महिला समिति ने नवरात्र में दुर्गाजी और भैरव भोजन कराने का आयोजन किया। इसमें 108 कन्याओं और 21 भैरव को भोजन करवाया गया और दक्षिणा में वस्त्र, कॉपी कलम प्रदान किए गए हैं। समिति सदस्याओं ने खुद अपने हाथों से दुर्गाजी को भोजन परोसा।

डांडिया महोत्सव का किया आयोजन

बीकानेर. नवरात्र के पावन अवसर पर माहेश्वरी युवा संगठन (शहर) द्वारा माखन भोग उत्सव कुंज में डांडिया का एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। युवा अध्यक्ष रितेश करनानी ने बताया कि इस डांडिया महोत्सव को बीकानेर के माहेश्वरी समाज के हजारों की संख्या में पधारे लोगों ने भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोटगेट थानाधिकारी वेदप्रकाश लखोटिया थे। सचिव कमल राठी ने बताया कि इस अवसर पर विभिन्न प्रतिभागियों को अनेक खिताबों से नवाजा गया। मिस्टर नवरात्रा सौरभ चांडक, मिस नवरात्रा कीर्ति लाहोटी, बेस्ट कपल पवन रचना और बेस्ट ग्रुप का पुरस्कार नोखा की टीम को दिया गया। इसी के साथ लकी ड्रॉ व उपहार भी दिए थे।

कार्यशाला से साधा 'लक्ष्य'

मलकापुर. विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन द्वारा मलकापुर में 6 और 7 अक्टूबर को प्रदेशस्तरीय लक्ष्य-2018 की दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें पूरे प्रदेश से 230 सदस्य सहभागी हुए। सुबह ठीक 6 बजे अनिल राठी के योगाभ्यास से शुरू कार्यशाला प्रातः 9.30 बजे बुलडाणा अर्बन परिवार के राधेश्याम चांडक के करकमलों द्वारा तथा प्रदेशाध्यक्ष मदन मालपाणी की अध्यक्षता में शुरू हुई। मुख्य संयोजक बुलडाणा अर्बन के सीएमडी डॉ सुकेश झंवर, सहायक राज्यकर आयुक्त माहुल इंदानी, प्रदेश युवाध्यक्ष श्रीनिवास मोहता, जिलाध्यक्ष घनश्याम भाला, तहसील अध्यक्ष किशोर बाहेती आदि मौजूद थे। अगले दिन की बैठक तहसील सचिव गोपाल मालपाणी के नेतृत्व में स्थानीय युवा संगठन द्वारा सामूहिक महेश वंदना से शुरू हुई। प्रदेश मंत्री दामोदर सारडा ने संचालन किया। दो दिवसीय कार्यशाला के लिए गांव के बाहर पूर्ण वातानुकूलित ओमकार रिसॉर्ट में संपूर्ण व्यवस्था रही।

राष्ट्रीय सम्मेलन का बागड़ी के हाथों उद्घाटन

नईदिल्ली. केंद्रीय मानवाधिकार संगठन, नईदिल्ली का आठवां सालाना सम्मेलन महाराष्ट्र राज्य सरकार के शासकीय गेस्ट हाउस में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि विभिन्न राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त वरिष्ठ समाजसेवक नागपुर निवासी शरद बागड़ी थे। श्री बागड़ी, एडवोकेट कानूगो, मदन मैराल व राष्ट्रीय चेयरमैन मिलिंद दहीवाले के हाथों कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

> "किसी पर हँसने से बेहतर,
> किसी के साथ हँसें...!!!"

कवि दरक की नई कृतियां विमोचित

उदयपुर. ख्यात कवि माधव दरक द्वारा मेवाड़ी भाषा में लिखित कविता संग्रह 'एड़ो म्हारो राजस्थान' एवं प्रेरक कविताओं से ओत-प्रोत पुस्तक 'शिव-दर्शन' का विमोचन गत दिनों सिटी पैलस स्थित शंभू निवास पैलेस में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी अरविंदसिंह मेवाड़ ने किया। कवि माधव दरक की पुस्तक 'एड़ो म्हारो राजस्थान' में विभिन्न कविताओं से राजस्थान की खूबी का बखान किया गया है। एक अन्य पुस्तक 'शिव दर्शन' में देश के 12 ज्योतिर्लिंगों पर ओजस्वी कविता लिखी गई है। श्री दरक ने इस अवसर पर स्व. महाराणा भूपाल सिंह, स्व. महाराणा श्री भगवत सिंह एवं अरविंद सिंह पर लिखी ओजस्वी कविताओं की प्रति उन्हें भेंट की। श्री दरक द्वारा लिखित दोनों ही पुस्तक महाराणा मेवाड़ हिस्टोरिकल पब्लिकेशन ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित है एवं इन्हें सिटी पैलेस म्यूजियम के उदया बुक शॉप से खरीदा जा सकता हैं।

काव्य वाचन में मूंधड़ा को तृतीय स्थान

मालेगांव. परिवर्तन महिला मंडल एवं मालेगांव मराठी साहित्य संघ द्वारा आयोजित स्वरचित हिंदी काव्यवाचन स्पर्धा में सुमिता राजकुमार मूंधड़ा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। समयावधि तीन मिनट रखी गई थी। श्रीमती मूंधड़ा ने नारी सशक्तीकरण पर स्वरचित कविता 'कोमल है कमजोर नहीं तू' द्वारा नारी के विभिन्न रूपों को दर्शाकर सभी को भाव-विभोर कर दिया।

छग महिला संगठन ने आयोजित की समीक्षा

बस्तर. छग प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा जिला माहेश्वरी महिला संगठन के आतिथ्य व जगदलपुर माहेश्वरी महिला संगठन के संयोजन में कार्यक्रम समीक्षा का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगरानी, भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष शोभा सादानी, संतोष बाफना, छत्तीसगढ़महासभा अध्यक्ष विट्ठलदास भूतड़ा, युवा संगठन अध्यक्ष राजेश मंत्री, पुष्पा राठी, उषा मोहंता, श्याम सोमानी, अध्यक्ष आशा डोडिया, सचिव शशि गट्टानी, जगदलपुर महिला मंडल अध्यक्ष मोहिनी राठी, मोतीलाल चांडक, भरत चांडक आदि मंचासीन थे। इस अवसर पर बदलते परिवेश में परिवार, समाज एवं बच्चों के प्रति हमारी भूमिका विषय पर श्रीमती गगरानी का टॉक शो आयोजित हुआ। आईना और अंतर्मन, परंपरा और परिवर्तन विषय पर आयोजित टॉक शोक में शोभा सादानी ने मार्गदर्शन दिया। द्वितीय सत्र में सुश्रिता नारी प्रतियोगिता दो ग्रुप में आयोजित की गई। लकी ड्रॉ व रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन भी हुआ। 9 सितंबर को सप्तम सत्र की प्रथम कार्यकारिणी मीटिंग सुबह हंसो हंसाओ प्रोग्राम के साथ प्रारंभ हुई।

लायंस नागदा ग्रेटर का शपथ ग्रहण संपन्न

नागदा जं. लायंस क्लब नागदा ग्रेटर द्वारा वर्ष 2018-19 की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह स्नेह परिसर में गरिमामय समारोह में किया गया। मुख्य अतिथि एवं शपथविधि अधिकारी के रूप में पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बलबीर साहनी उपस्थित थे। नगर के वरिष्ठ समाजसेवी गोविंद मोहता विशेष रूप से उपस्थित थे। स्वागत भाषण अध्यक्ष घनश्याम राठी एवं सचिवीय प्रतिवेदन सचिव सौरभ मोहता ने प्रस्तुत किया। दानदाता के रूप में मुरली राठी का भी शपथ ग्रहण समारोह में सम्मान किया गया। नवीन कार्यकारिणी में अध्यक्ष घनश्याम-सुनीता राठी, सचिव सौरभ-श्रुति मोहता, सहसचिव प्रकाश-प्रियंका राठी, अशोक-सुषमा बिसानी, सतीश-किरण बजाज, झमक-सुषमा राठी, राजकुमार-शकुंतला मोहता ने शपथ ग्रहण की।

सेवल्या माताजी का रात्रि जागरण

बागोर. प्रतिवर्षानुसार माहेश्वरी समाज के सोनी व कोठारी खांप की कुलदेवी श्री सेवल्या माताजी का रातिजगा एवं महाप्रसादी का आयोजन 15 व 16 नवंबर को बागोर में होगा। जानकारी देते हुए बागोर निवासी रामजस सोनी ने बताया सामूहिक रात्रि जागरण का आयोजन 15 नवंबर को होगा। 16 को प्रातः 9 बजे वार्षिक बैठक व महाप्रसादी होगी। समिति के अध्यक्ष कैलाशचंद्र कोठारी ने बताया कि माताजी के यहां आने वाले सभी भक्तों के लिए आवास एवं भोजन की व्यवस्था सेवल्या कुंज एवं मंदिर परिसर में की गई है। रात्रि जागरण व साधारण सभा की बैठक माताजी की कृपा पात्री सुनीता कोठारी के सान्निध्य में संपन्न होगी।

> "किसी मनुष्य की बुराई को बताना 'आम' लोगो की पहचान है..... पर बुराई में अच्छाई ढुंढ़ना 'ख़ास' लोगो की पहचान है....."

गुप्ता बने सोसायटी उपाध्यक्ष

बूंदी. श्री महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि. के संचालक मंडल सदस्यों की बैठक चूड़ी बाजार स्थित माहेश्वरी पंचायत भवन में संपन्न हुई। अध्यक्षता सोसायटी अध्यक्ष संजय लाठी ने की। मुख्य कार्यकारी अधिकारी परमेश्वर मंडोवरा ने बताया कि बैठक में निर्धारित विषयों सहित सोसायटी की प्रगति तथा समय की मांग के अनुसार व्यवसाय बढ़ाने आदि पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के दौरान सोसायटी उपाध्यक्ष चतुर्भुज गुप्ता का सहकार क्षेत्र की जिलास्तरीय सर्वोच्च संस्था बूंदी जिला सहकारी संस्थान के चुनाव में निर्विरोध उपाध्यक्ष निर्वाचित होने पर संचालक मंडल सचिव नारायण मंडोवरा, कोषाध्यक्ष सोहनलाल बाहेती, निदेशक मनीष मंत्री आदि द्वारा स्वागत किया गया। आभार सचिव नारायण मंडोवरा ने माना।

बंग पुनः बने ट्रस्ट अध्यक्ष

हैदराबाद. आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा ट्रस्ट के वर्ष 2018-21 के लिए नवनिर्वाचित ट्रस्टियों की प्रथम बैठक राजस्थानी स्नातक भवन में गत 14 अक्टूबर को चेयरमैन, वाइस चेयरमैन एवं मैनेजिंग ट्रस्टी के निर्वाचन के लिए संपन्न हुई। मीटिंग में सर्वसम्मति से चेयरमैन रमेशकुमार बंग को पुनः चेयरमैन निर्वाचित किया गया। वाइस चेयरमैन पद पर मनोजकुमार बाहेती एवं मैनेजिंग ट्रस्टी पद पर ब्रिजगोपाल असावा का भी सर्वसम्मति से निर्वाचन हुआ। राजगोपाल परताणी को परामर्शदाता मनोनीत किया गया। इसके पहले 30 सितंबर को वार्षिक साधारण सभा में इस सत्र के लिए सर्वसम्मति से ट्रस्टियों का निर्वाचन संपन्न हुआ था।

महिला मंडल ने मनाया गणेशोत्सव

शाजापुर. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा 10 दिवसीय गणेशोत्सव का कार्यक्रम स्थानीय खजांची मंदिर में धूमधाम से मनाया गया। इसमें महिला मंडल द्वारा कई मनोरंजक धार्मिक कार्यक्रम तथा प्रसादी वितरण का आयोजन किया गया। उक्त जानकारी शोभा माहेश्वरी व सचिव लीला माहेश्वरी ने दी।

गरबा महोत्सव का आयोजन

उदयपुर. महेश महिला सोयायटी (माहेश्वरी समाज) द्वारा गरबा महोत्सव का आयोजन माछला मगरा स्थित शिव मंदिर पर सोसायटी अध्यक्ष नीलम पेड़ीवाल के सान्निध्य में किया गया। प्रचार-प्रसार मंत्री आराधना सोमानी ने बताया कि मुख्य अतिथि कविता बल्दवा, मंजू गादिया एवं सरिता न्याती तथा निर्णायक कोरियोग्राफर विजय स्वामी थे। गरबा महोत्सव में बेस्ट डांडिया के लिए पारितोषिक वितरण राजकुमारी धूप्पड़, कांता भदादा एवं चेतना मूथा द्वारा किए गए। गरबा महोत्सव में उर्मिला देवपुरा, निर्मला परतानी, किरण अजमेरा, प्रेम अजमेरा, शांता माहेश्वरी एवं रेखा लावटी आदि कई सदस्याएं मौजूद थीं। कोषाध्यक्ष दीक्षा मंत्री ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

नई कार्यसमिति का गठन संपन्न

बैंगलोर. माहेश्वरी फाउंडेशन एवं माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट की नई कार्यसमिति का गठन किया गया। वर्ष 2018-20 के लिए माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के लिए मोहनलाल माहेश्वरी को चेयरमैन मनोनीत किया गया। माहेश्वरी फाउंडेशन की नई कार्यसमिति 2018-21 के लिए राजगोपाल भूतड़ा को चेयरमैन मनोनीत किया गया तथा माहेश्वरी युवा संघ 2018-20 के लिए अनिल सारडा को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। अन्य सभी पदाधिकारियों एवं कार्यसमिति के सदस्यों का भी चयन किया गया। उक्त जानकारी स्थानीय माहेश्वरी सभा सचिव निर्मलकुमार तापड़िया ने दी।

हृदय रोग से बचाव हेतु व्याख्यान

इंदौर. विश्व हृदय दिवस के अवसर पर डॉ. भारत रावत ने 'हृदय स्वस्थ रहे, प्रसन्न रहे' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन राज मोहल्ला नगर निगम झोन के सामने किया। लायंस क्लब ऑफ इंदौर ऊर्जा के अध्यक्ष बाहुबली पाटनी एवं लायंस क्लब ऑफ इंदौर ईस्ट के अध्यक्ष मधुसूदन भलिका ने बताया कि मुख्य अतिथि अजय सेंगर, विशेष अतिथि पवन अग्रवाल, डॉ. साधना सोडानी, गिरधरगोपाल नागर आदि थे।

अंकिता को यंग डिजाइनर्स अवॉर्ड

हैदराबाद. आंध्रप्रदेश और तेलंगाना के इंटीरियर डिजाइनर्स के लिए इंस्टिट्यूट ऑफ इंटीरियर डिजाइनर्स द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस शानदार समारोह में हैदराबाद निवासी अंकिता परतानी सुपुत्री सुवर्णा-चंद्रप्रकाश को यंग डिजाइनर्स अवॉर्ड प्रदान किया गया। छोटी सी उम्र में ये प्रतिष्ठित अवॉर्ड प्राप्त करना एक बड़ी उपलब्धि है।

यश को राष्ट्रीय स्पर्धा में कांस्य

जयपुर. समाज सदस्य डॉ. वंदना व डॉ. ललित भराड़िया के 9 वर्षीय सुपुत्र यश ने अंडर 9 वर्ष की अभा शतरंज स्पर्धा में तृतीय स्थान के साथ कांस्य पदक प्राप्त किया। यह स्पर्धा गत 15 से 23 सितंबर तक रांची में आयोजित की गई थी। अब यश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली एशियन व विश्व शतरंज स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

प्रगति को एक्सीलेंस अवॉर्ड

मुंबई. गत 12 अक्टूबर को आयोजित कार्यक्रम में प्रगति एन भट्टड़ को प्रतिष्ठित 'रोटरी [illegible] एक्सीलेंस अवॉर्ड 2018' प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रथम बार यह अवॉर्ड किसी विद्यार्थी को प्रदान किया गया है।

खेल महोत्सव में नंदिनी को स्वर्ण

छिंदवाड़ा. हाल ही में अभा माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा इंदौर (मप्र) में आयोजित झंवर राष्ट्रीय खेल महोत्सव में 200 मीटर दौड़ में कक्षा दसवीं की छात्रा नंदिनी सुपुत्री अजय नाहर निवासी पीपला नारायणवार जिला छिंदवाड़ा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

माहेश्वरी
केसर
बदाम
ठंडाई
शरबत

अन्य उत्पादक- अचार, मुरब्बा, सॉस, इस्टंट मिक्स

श्री यमुना गृह उद्योग
193, तेलीपूरा, सिरसपेठ, नागपुर
फोन - 0712-2751678, मो. 09890131628
e-mail : sgiriraj022@gmail.com

With Best Compliments from

Narayan Lahoti — Rasbihari Lahoti

Manufacturers of Alum

Ganpati Chemicals & Minerals

Office
Ganpati Complex, Main Road, Bhandara (MS.)-441904
Ph. 07184-254119 (O), 202021 (F)

Work
Gat No. 89/1, Village- Ashok Nagar,
National Highway No. ,
Post-Shahapur, Dist. Bhandara (MS.)

Dwarka Sarda (Kothari)

91-9860608787

KOTHARI METAL INDUSTRIES

Manufacturer of
Brass Utensils
Copper Utensils
Circles & Sheets

Station Road, Bhandara - 441904 Mahrashtra
(O) 07184-252087 (F) 07184-252287
kothari.metal@gmail.com

Pravin Kumar Ratanlalji Rathi

Rathi Agencies
Shivaji Nagar, Warud, Distt. Amravati

Pharma Distributor

Matoshri Medicoes
Pandhurna Chauk,
Warud Distt. Amravati

Ph. : 07229-232481
Mo. : 78755-55300, 94229-16228

प्रेमकिशोर सिकची चॅरीटेबल ट्रस्ट, अहमदाबाद निर्मित

आलिशान 'सिकची रिसोर्ट', वलगांव

विशेषताएं : * निसर्गरम्य, शांत पवित्र वातावरण में शुभ कार्यों को यादगार बनाने का एक अनूठा अनुभव। * विदर्भ में उच्च कोटि के लिए नामांकित वातानुकूलित वास्तु में करीब 300 मेहमानों के लिए ठहरने की उत्तम व्यवस्था। * मंदिर, भव्य स्टेज, सभागृह, पार्किंग, जलप्रपात, बालवाटिका तथा अति आधुनिक शाकाहारी रेस्टारेंट का सानिध्य, एक सुंदर पिकनिक स्पॉट * रात-दिन कार्यरत प्रशिक्षित सेवकगण की उपस्थिति। * जनहित कार्यक्रम बिनामूल्य तथा सम्पूर्ण आय सामाजिक उत्थान के लिए व्यय करने का दृढसंकल्प।

'सिकची रिसोर्ट', वलगांव, नागपुर से करीब 160 कि.मी. तथा अमरावती से 10 कि.मी. दूरी पर अमरावती-परतवाड़ा मार्ग पर स्थित है। विविध पैकेजेस तथा अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें।

सचिन धरनकर
मो. 7507805264

Email : sikchi123@yahoo.com

पियूष शर्मा
मो.नं. 9637385336

With Best Compliments From

Sacchindanand L. Malani

Kelkar Wadi
Murtizapur - 444107
Phone : 07256-243513
Mobile : 9422162213 / 8600047213
email : office.slmalani@gmail.com

SPECIALITY IN ASPHALTING OF ROADS & EARTHEN DAMS

कैसे मनाएं माहेश्वरी परंपरा से दीपावली उत्सव

वैसे तो दीपावली पर्व मनाने में हमारे रीति-रिवाज भी लगभग उत्तर भारत के अन्य हिन्दुओं के समान ही हैं। फिर भी सबसे बड़ा अंतर है, तो अन्य लोगों की तरह इसका मात्र 5 दिवसीय न होना और दूसरा बड़ा अंतर है, गृहलक्ष्मी की भी प्रसन्नता। गृहलक्ष्मी के बिना महालक्ष्मी पूजन ही अधूरा है। अन्य परंपराओं में भी कुछ अंतर है। तो आइये देखें कैसे मनाएं अपनी परंपराओं के अनुसार दीपावली?

▸▸ टीम SMT

महिलाएं न लगाएं मेहंदी

लक्ष्मी उपासना का पर्व दीपावली वास्तव में पंचदिवसीय उत्सव है, जिसकी शुरुआत धनतेरस से होती है और समाप्ति भाईदूज के साथ होती है। इन पांच दिनों में होने वाली पूजा-अर्चना में तो राजस्थानी परंपराओं के कारण कुछ अंतर है ही, साथ ही इस परंपरा के अनुसार यह उत्सव सिर्फ पांच दिवसों में ही संपन्न नहीं होता बल्कि इसका समापन कार्तिक कृष्ण एकादशी को होता है। तुलसी विवाह के साथ ही इसे भी दीपावली की तरह भव्य रूप में मनाने की परम्परा है। राजस्थानी परम्परा में हर पर्व पर महिलाऐं मेंहदी लगातीं है, लेकिन दीपावली पर मेहंदी नहीं लगाई जाती। शायद इसका कारण ऋतु का प्रभाव है।

11 दीपकों से करें शुरुआत

दीपावली की शुरुआत धनत्रयोदस से होती है। आयुर्वेद के अधिष्ठाता भगवान धन्वन्तरि के प्रकट होने की स्मृति में धनतेरस मनाई जाती है। इस दिन संध्या के समय लक्ष्मीपूजन व गहनों का पूजन होता है। विशेषतः सोने की अंगूठी पूजा में रखते हैं। इस दिन ग्यारह दिये जलाते हैं। इस पूजा में मूँगधना भी रखा जाता है। यह दीपक मुख्य द्वार के दोनों तरफ, मंदिर में व तुलसी के पास रखे जाते है। इस दिन कई जगह पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है।

मांडना-रंगोली के साथ मनाएं नरक चौदस

धनत्रयोदस के दूसरे दिन रूप चौदस होती है। इन दिनों सूर्योदय के पहले स्नान करने का विशेष महत्व है। इस दिन को नरक चतुर्दशी भी

कहते हैं। इस दिन सूर्योदय के पश्चात स्नान करें तो नरक में जाना पड़ता है, ऐसी मान्यता है। उबटन और सुगन्धीत साबुन तथा तेल से स्नान करते हैं। सब कन्याएं व महिलाएं सजधज कर मंदिर जाती हैं। इसी दिन लक्ष्मी पूजन के स्थान पर मांडणा मांडते हैं। मुख्य द्वार पर शुभ लाभ लिखते हैं। द्वार सुंदर रंगोली से सजाया जाता है।

गृहलक्ष्मी के साथ करें लक्ष्मी पूजन

कार्तिक अमावस्या को मुख्य लक्ष्मीपूजन होता है। इस दिन पूरा परिवार एकत्र होता है। नौकरी या कमाई के लिए बाहर गाँव रहने वाले बेटा-बहू इस दिन अपने गांव आते है। घरों को गेंदे के फूल और आम्रपत्तों से सजाया जाता है। दीप और दीप के थाल बहुत ही सुंदर सजाते है। इस पूजन में बहीखाते, वजन कांटा, आजकल कम्प्यूटर की भी पूजा की जाती है। इस दिन नए दीपक और नई-नई कपास की बत्ती पूजा में लगाते हैं। पूरे घर के बाहर व छत पर दीप की कतारे लगाते हैं। शुभ मुहूर्त पर विधिवत लक्ष्मीपूजन होता है। सभी लोग आपस में गले मिलते है, शुभकामनाएं देते हैं। बड़ों का आशीर्वाद लेते हैं। गेहूं के बाट की लापसी, चावल, बड़ी की सब्जी, कढ़ी का भोग लगाते हैं। तरह-तरह के पकवान बनाते हैं। इस दिन विवाहित महिला अपने ससुराल में ही रहती है। इस संदर्भ में यह कहावत प्रचलित है ''घर की लक्ष्मी घर होनु।''

प्रतिपदा पर स्नेह मिलन

इस दिन लोग अपने रिश्तेदार और मित्रों के घर मिलने जाते हैं। इस स्नेह मिलन पर लोग एक-दूसरे को शुभकामनाएं और सदिच्छा देते हैं। बड़ों का आशीर्वाद लेने की भी परम्परा है। इसे राजस्थान में राम-राम कहते हैं। आजकल शहरों में सामूहिक मिलनी की प्रथा शुरू हो गई। प्रतिपदा के दिन दुकान पर नये बहीखाते की पूजा होती है। इसी दिन कई जगहों पर अन्नकूट का 56 भोग का प्रसाद लगाते हैं। राजस्थान में नाथद्वारा मंदिर का अन्नकूट प्रसिद्ध हैं।

भाई को दें स्नेह आमंत्रण

प्रतिपदा के दूसरे दिन भैयादूज कहीं-कहीं स्थानों पर मनाते हैं। बहन अपने भाई को तिलक कर अक्षत लगाकर आरती करती है। भाई उपहार स्वरूप भेंट वस्तु देता है। यह भी रक्षाबंधन की तरह ही भाई-बहन के प्रेम का पर्व ही है। बस इसमें और रक्षाबंधन में अन्तर है तो इतना कि रक्षाबंधन में बहन भाई के यहाँ जाकर उसे राखी बाँधती है, वहीं इस पर्व पर बहन भाई को अपने यहाँ बुलाकर भोजन करवाकर उसे तिलक लगाती है।

तुलसी विवाह से करें समापन

राजस्थानी संस्कृति में ''तुलसी'' को अत्यधिक महत्व दिया गया है। इसके अन्तर्गत हर घर में तुलसी का पौधा होना अनिवार्य माना गया है। सम्भवतः इसके वैज्ञानिक महत्व को देखते हुए ही इसे तुलसी विवाह के पर्व के रूप में मनाया जाता है। दीपावली के पश्चात् कार्तिक कृष्ण एकादशी तक राजस्थान में दीपक जलाने की परम्परा है और इसकी समाप्ति एकादशी पर तुलसी विवाह के साथ होती है। वैसे जिस तरह रक्षाबंधन पर्व के अन्तर्गत पूर्णिमा से जन्माष्टमी तक राखी बाँधी जा सकती है, ठीक उसी तरह तुलसी विवाह भी एकादशी के पश्चात् पूर्णिमा तक भी आयोजित किये जा सकते हैं।

समुद्र मंथन से उत्पन्न देवी महालक्ष्मी

टीम SMT

विष्णु पुराण में समुद्र से उत्पत्ति

लक्ष्मी को धन और ऐश्वर्य की देवी माना गया है। देवता के रूप में लक्ष्मी का उल्लेख प्राचीन वैदिक साहित्य में नहीं है। पुराणों के अनुसार समुद्र मंथन से 14 रत्न निकले थे। लक्ष्मी इनमें से एक है, जिन्हें विष्णु ने ग्रहण किया था। लक्ष्मी कभी विष्णु से अलग नहीं होती। उन्होंने स्वयं विष्णु को पति के रूप में चुना है और वे सदा उनके वक्षस्थल में निवास करती हैं। प्राचीन साहित्य में उल्लेख है कि विष्णु भक्तों को धन प्रदान करते हैं। धन और ऐश्वर्य से संबंध होने के कारण विष्णु समृद्धि की देवी लक्ष्मी के स्वामी हैं। 'विष्णु पुराण' में कहा गया है कि लक्ष्मी समृद्धि है और उसको धारण करने वाले विष्णु श्रीपति हैं। लक्ष्मी स्वर्ण वर्ण की, चार भुजाओं वाली, सदैव युवती एवं सुंदरी के रूप में विद्यमान रहने वाली देवी हैं जो धन की अधिष्ठात्री हैं। समृद्धि, संपत्ति, आयु, आरोग्य, परिवार, धन-धान्य की विपुलता आदि की प्राप्ति के लिए लक्ष्मी की उपासना की जाती है। पुराणों में वर्णित लक्ष्मी कमल पर विराजित हैं, उनके हाथों में कमल है और वे कमल-पुष्पों की माला धारण करती हैं। ऐरावती हाथी द्वारा स्वर्णपात्र में लाए गये जल से वे स्नान करती हैं। महाभारत में लक्ष्मी के 'विष्णुपत्नी लक्ष्मी' एवं 'राजलक्ष्मी' दो रूप बताये गये हैं। इनमें से पहली लक्ष्मी हमेशा विष्णु के साथ रहती हैं और राज्यलक्ष्मी पराक्रमी व्यक्ति का वरण करती है।

माता महालक्ष्मी की कृपा की अपेक्षा सभी करते हैं। लेकिन माता महालक्ष्मी की उत्पत्ति कैसे और कब हुई, इस पौराणिक वृतांत को आमतौर पर लोग नहीं जानते। आईये कुछ प्रमुख पुराणों से जानें माता महालक्ष्मी की उत्पत्ति की कथा।

ब्रह्मवैवर्त पुराण में श्रीकृष्ण के वाम भाग से उत्पत्ति

'ब्रह्मवैवर्त पुराण' में लक्ष्मी की उत्पत्ति की रोचक कथा प्राप्त होती है। सृष्टि के पहले रासमण्डल में स्थित श्रीकृष्ण के वाम भाग से लक्ष्मी की उत्पत्ति हुई थी। ये देवी परम सुन्दरी थी। उत्पन्न होते ही ये दो रूपों में विभक्त हो गयी। ये दोनों मूर्तियाँ अवस्था, आकार, भूषण, सुंदरता आदि सभी बातों में समान थी। एक मूर्ति का नाम लक्ष्मी और दूसरी मूर्ति का नाम राधा है। लक्ष्मी वाम (बायें) भाग से उत्पन्न हुई और राधिका दक्षिण (दाहिने) भाग से। इन दोनों मूर्तियों की अभिलाषा पूर्ण करने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपने दाहिने भाग से दो भुजाओं वाला तथा बायें भाग से चार भुजा वाला रूप धारण किया। द्विभुज मूर्ति राधाकांत और चतुर्भुज मूर्ति नारायण हुई। श्रीकृष्ण तो राधा तथा गोप-गोपियों को लेकर वहीं रह गये और नारायण लक्ष्मी को लेकर वैकुंठ चले

गए। वैकुंठ में ही उनका रहना निश्चित हुआ। लक्ष्मी नारायण को अपने वश में करके सब रमणियों में प्रधान हो गईं। ये देवी लक्ष्मी, स्वर्ग में इंद्र की संपत्तिरूपिणी स्वर्ग लक्ष्मी के रूप में, पाताल और मृत्युलोक के राजाओं के पास राजलक्ष्मी के रूप में, गृहस्थों के यहां गृहलक्ष्मी के रूप में, चंद्र, सूर्य, अलंकार, रत्न, फल, महारानी, अन्न, वस्त्र, देव प्रतिमा, मंगल, घर, हीरा, चंदन, नूतन, मेघ आदि में शोभारूप से वर्तमान रहती हैं। देवी लक्ष्मी ही शोभा का आधार है। जिस स्थान पर लक्ष्मी नहीं है, वह स्थान शोभा शून्य है।

कहां रहता है लक्ष्मी का निवास

लक्ष्मी-प्रह्लाद संवाद : असुरराज प्रह्लाद ने एक ब्राह्मण को अपना शील प्रदान किया, जिस कारण क्रमानुसार उसका तेज, धर्म, सत्य, व्रत, बल एवम अंत में उसकी लक्ष्मी उसे छोड़कर चले गए। तत्पश्चात लक्ष्मी ने प्रह्लाद को साक्षात दर्शन देकर कहा 'तेज, धर्म, सत्य, व्रत, बल एवं शील आदि मानवीय गुणों में मेरा निवास रहता है, जिनमें शील अथवा चरित्र मुझे सबसे अधिक प्रिय है। इसी कारण श्रेष्ठ आचरण करने वाले पुरुष के यहां रहना मैं सबसे अधिक पसंद करती हूं।'

लक्ष्मी-इंद्र संवाद : असुरराज प्रह्लाद के समान उसके पौत्र बलि का भी लक्ष्मी ने त्याग किया। बलि का त्याग करने के कारणों को इंद्र से बताते हुए लक्ष्मी ने कहा, 'पृथ्वी के सारे निवास स्थानों में से भूमि (वित्त), जल (तीर्थादि), अग्नि (यज्ञादि) एवं विद्या (ज्ञान) ये चार स्थान मुझे अत्यधिक प्रिय हैं।'

लक्ष्मी ने आगे कहा, 'चोरी, वासना, अपवित्रता एवं अशांति से मैं अत्यधिक घृणा करती हूं, जिनके कारण क्रमशः भूमि, जल, अग्नि एवं विद्या में स्थित प्रिय निवास स्थानों का मैं त्याग कर देती हूं।'' दैत्यराज बलि ने उच्छिष्ट भक्षण (जूठा भोजन) किया एवं देव ब्राह्मणों का विरोध किया, इसी कारण अत्यंत प्रिय होते हुए भी लक्ष्मी ने उसका त्याग कर दिया।

लक्ष्मी-रुक्मिणी संवाद : लक्ष्मी के निवास स्थान से संबंधित एक प्रश्न युधिष्ठिर ने भीष्म से पूछा था जिसका जवाब देते समय भीष्म ने लक्ष्मी एवं रुक्मिणी के बीच हुए एक संवाद की जानकारी युधिष्ठिर को दी। इस कथा के अनुसार लक्ष्मी ने रुक्मिणी से कहा था-'सृष्टि के सारे लोगों में प्रगल्भ, भाषण कुशल, दक्ष, निरलस (जो आलसी न हो), आस्तिक, अक्रोधन, कृतज्ञ, जितेंद्रिय, वृद्धजनों की सेवा करने वाले (वृद्ध सेवक), सत्यनिष्ठ, शांत स्वभाव वाले एवं सदाचारी लोग मुझे सबसे अधिक प्रिय हैं, जिनके यहां रहना मुझे प्रिय है। निर्लज्ज, कलहप्रिय, निंद्रप्रिय, मलिन, अशांत एवं असावधान लोगों का मैं अतीव तिरस्कार करती हूं, जिस कारण ऐसे लोगों का मैं त्याग करती हूं। महाभारत में अन्यत्र प्राप्त उल्लेख के अनुसार गायों एवं गोबर में भी लक्ष्मी का निवास रहता है।

लक्ष्मी प्राप्ति मंत्र

'ब्रह्मवैवर्त पुराण' के अनुसार अपना राज्य छिन जाने पर इन्द्र ने लक्ष्मी की उपासना कर अपनी खोई हुई सम्पत्ति प्राप्त की थी। ब्रह्मा ने इन्द्र को लक्ष्मी की उपासना के लिए द्वादशाक्षर मन्त्र का उपदेश दिया था। वह मन्त्र है '' श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं कमलवासिन्यै स्वाहा''। इस मन्त्र का विधिपूर्वक दस लाख जप करने से इन्द्र को सिद्धि प्राप्त हुई। कुबेर ने भी इस मन्त्र द्वारा समस्त ऐश्वर्य को प्राप्त किया।

With Best Compliments From

Shrikant G. Mantri

Member : The Stock Exchange, Bombay

Surya Mahal, 2nd Floor, Nagindas Master Road
Fort, Mumbai - 400 001, India
Tel. : 022-2261 8384, 2267 2526
6635 9003, 6635 9004, Fax : 022-22623198
E-mail : sgmantri@usa.net
Resi. : 022-26184126, 2614 4933
Mo. : 98210-26725

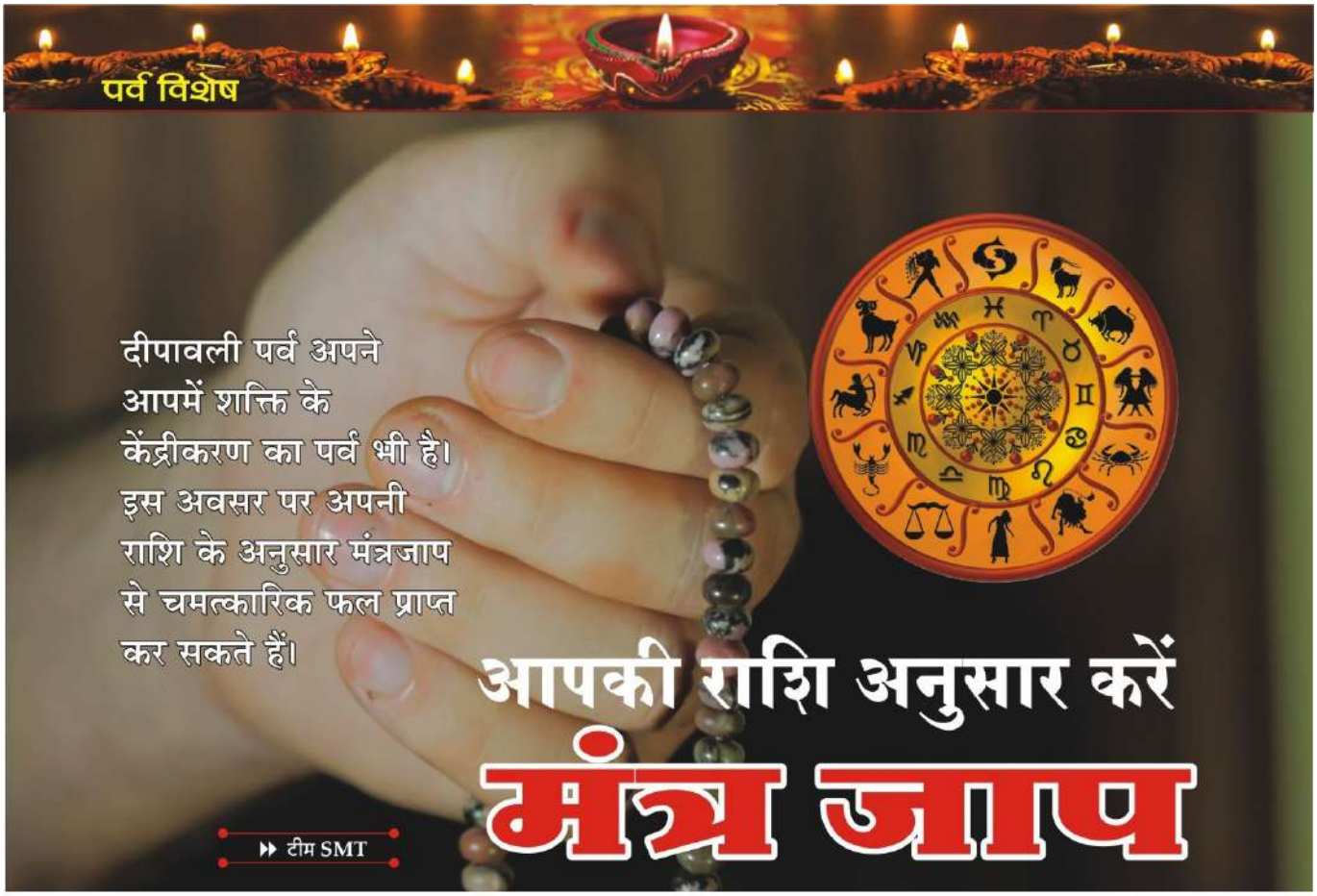

दीपावली पर्व अपने आपमें शक्ति के केंद्रीकरण का पर्व भी है। इस अवसर पर अपनी राशि के अनुसार मंत्रजाप से चमत्कारिक फल प्राप्त कर सकते हैं।

आपकी राशि अनुसार करें मंत्र जाप

टीम SMT

सम्पूर्ण भूमंडल बारह राशियों में विभक्त है। इसी आधार पर मानव के लिये भी ज्योतिष में 12 राशियाँ निर्धारित हैं। इन्हीं के आधार पर हमारे जीवन में सुख-दुःख का निर्धारण होता है। हर लाभकारी उपाय का इससे सीधा सम्बंध है। आईये जाने आप अपनी राशियों के अनुसार किस मंत्र के जाप से दीपावली पर प्राप्त कर सकते है लाभ -

मेष - इस दिन श्रीयंत्र को स्थापित करके गन्ने और अनार के रस से अभिषेक करें, घी और तेल का दीपक जलाकर लक्ष्मी के इस अद्भुत मंत्र 'ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं नमो भगवति माहेश्वरि अन्नपूर्णे स्वाहा' की 11 माला का जाप करें।

वृषभ - दीपावली के दिन कुबेर व लक्ष्मी और गणपतिजी की पूजा धन प्राप्ति में मनोनुकूल सहयोग करती है। इस दिन व्यापार वृद्धि यंत्र घर में लगाने से आर्थिक बाधाओं का निवारण होता है। 'ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुंडायै विच्चे।' का जाप करें।

मिथुन - सायकालं पूजा घर में 1 घी और 1 तिल के दीपक जलाकर नदी जलाशय पर कष्ट निवारण हेतु 'ॐ श्री श्रियै नमः' मंत्र का जाप करें।

कर्क - दीपावली की रात पीपल के पत्ते पर दीपक जलाकर नदी, जलाशय में प्रवाहित करें और इंतजार करें कि जब तक दीपक दूर तक न चला जाए। ॐ कमलायै नमः मंत्र की 11 माला का जाप करें।

सिंह - दीपावली की रात में हत्थाजोड़ी को सिंदूर से भरकर तिजोरी में रखें एवं कुबेर सहित महालक्ष्मी का स्तवन करते हुए मंत्र 'ॐ ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्ये नमः' से एक माला जाप करें।

कन्या - 11 गोमती चक्र, 11 कोड़ियां, 11 लौंग, 11 सुपारी और 11 चांदी के सिक्के केसर का तिलक लगाकर लक्ष्मी बीजमंत्र, 'ॐ ह्रीं पद्मे स्वाहा' का जाप करके पीले कपड़े में बांधकर तिजोरी में रख दें।

तुला - यदि घर, व्यापार, प्रतिष्ठान आदि में वास्तु दोष हो तो इस दिन वास्तु पुरुष की पूजा करने से वास्तु दोष निवारण संबंधी वस्तु घर में लगाने से वास्तु दोष का निवारण होता है। मंत्र 'ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुंडाये विच्चे' का जाप करें।

वृश्चिक - इस दिन श्री यंत्र को स्थापित करके गन्ने के रस व अनार के रस से अभिषेक करें और घी और तेल का दीपक जलाकर लक्ष्मी के इस अद्भुत मंत्र 'ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं नमो भगवति माहेश्वरि अन्नपूर्णे स्वाहा' की 11 माला का जाप करें।

धनु - शुभ मुहूर्त में लाल कपड़े में एक एकाक्षी नारियल, एक दक्षिणावर्ती शंख, एक साबुत सुपारी व एक लौंग लाल कपड़े में लपेटकर पूजा स्थान में रखें और 'ॐ कमलायै नमः' मंत्र की 11 माला का जाप करें।

मकर - दीपावली की रात्रि में वृषभ या सिंह लग्न में 26 घी और तेल के दीपक जलाएं व श्रद्धापूर्वक श्री सूक्त, कनकधारा स्त्रोत, गोपाल स्तोत्र के साथ-साथ 'ॐ श्रीं नमः मंत्र की 11 माला का जाप करें।

कुंभ - दीपावली की रात्रि में वृषभ या सिंह लग्न में 26 घी और तेल के दीपक जलाएं व श्रद्धापूर्वक श्री सूक्त, कनकधारा स्त्रोत के साथ-साथ 'ॐ श्री नमः' की 11 माला का जाप करें।

मीन - शुभ मुहूर्त में लाल कपड़े में एक एकाक्षी नारियल, एक दक्षिणावर्ती शंख, एक साबुत सुपारी व एक लौंग लाल कपड़े में लपेटकर पूजा में रखें और 'ॐ कमलायै नमः' मंत्र का जाप करें, इससे धनधान्य में वृद्धि होती है।

B Jagjeewan Chandak Memorial Trust

Chennai

Mo. : 9388606969

दीपपर्व पर करें विधि विधान से शास्त्रोक्त पूजन

टीम SMT

सही विधि-विधान से किया गया पूजन उपासना मनोकामना सिद्धि का कारण होती है तो वहीं गलत विधि से की गई पूजा अनिष्ट का कारण। फिर जब अवसर दीपावली पर्व पर पूजन का हो तो कोई भी पीछे नहीं रहना चाहेंगे, आप भी नहीं। तो आईये जानें क्या है इनका विधि-विधान।

धनतेरस का पूजन

धन्वंतरि जयंती पर यम हेतु दीपदान हेतु दिनांक 5 नवंबर सोमवार को त्रयोदशी रात्रि 23/46 तक रहेगी। सोमवार को राहुकाल प्रातः 7/30 से 9 तक होकर त्याज्य है। प्रातः 9 से 9/35, दोपहर 11/35 से 2/35, 3/35 से 4/35, सायं 7/35 से 10/35 तक श्रेष्ठ समय है। इसमें पूजन तथा बर्तन, धातु, हाउस होल्ड सामग्री क्रय करना शुभ रहेगा।

पूजन विधि- सर्वप्रथम नहाकर साफ वस्त्र धारण करें। भगवान धन्वन्तरि की मूर्ति या चित्र साफ स्थान पर स्थापित करें तथा पूर्वाभिमुख होकर बैठ जाएं। उसके बाद भगवान धनवन्तरि कर आह्वान निम्न मंत्र से करें-

सत्यं च येन निरत रोग विधूतं अन्वेषित च सविधिं आरोग्यमस्य ।
गूढ़निगूढ़औषध्यरूपम्, धन्वंतरि च सततं प्रणमामि नित्यं।

इसके पश्चात पूजन स्थल पर आसन देने की भावना से चावल चढ़ाएं। इसके बाद आचमन के लिए जल छोड़ें। भगवान धन्वंतरि के चित्र पर गंध, अबीर, गुलाल, पुष्प आदि चढ़ाएं। चांदी के पात्र में खीर का नैवेद्य लगाएं। (अगर चांदी का पात्र उपलब्ध न हो तो अन्य पात्र में भी नैवेद्य लगा सकते हैं।) तत्पश्चात पुनः आचमन के लिए जल छोड़ें। मुख शुद्धि के लिए पान, लौंग, सुपारी चढ़ाएं। भगवान धन्वंतरि को अर्पित रोगनाश की कामना के लिए इस मंत्र का जाप करें-

"ॐ रं रुद्र रोगनाशाय धन्वंतर्य फट्।।"

इसी दिन इसके बाद भगवान धन्वंतरि को श्रीफल व दक्षिणा चढ़ाएं। पूजन के अंत में कर्पूर आरती करें। घर के मुख्य द्वार पर यमराज के निमित्त दीपदान करना चाहिए। रात्रि को एक दीपक में तेल, एक कौड़ी, काजल, रौली, चावल, गुड़, फल, फूल व मीठे सहित दीपक जलाकर यमराज का पूजन करना चाहिए। दीप प्रज्जवलित करते समय निम्न मंत्र से प्रार्थना करनी चाहिए-

"मृत्युना पाशहस्तेन कालेन भार्यया सह।
त्योदश्यां दीपदानात्सूर्यजः प्रीयतामित।।"

इस मंत्र के साथ पूजन करने से अच्छे फल प्राप्त होते हैं।

नरक चतुर्दशी का पूजन

पूजन मुहूर्त- 6 नवंबर 2018 मंगलवार को ब्रह्म मुहूर्त (अरुणोदय काल से पूर्व) लगभग 5 बजे अभ्यङ्ग, तेल, उबटन लगाकर स्नान कर इष्ट देवता, कुल देवता तथा ग्राम देवता का दर्शन पूजनादि करना शुभकारी होता है तथा नर्कवास के योग को समाप्त करता है।

पूजन विधि- कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी कहते हैं। इस दिन यमराज की पूजा व व्रत का विधान है। इस दिन शरीर पर तिल के तेल से मालिश करके सूर्योदय के पूर्व स्नान के दौरान अपामार्ग (एक प्रकार का पौधा) को शरीर पर स्पर्श करना चाहिए। अपामार्ग को निम्न मंत्र पढ़कर मस्तक पर घुमाना चाहिए-

सितालोष्ठसमायुक्त सकण्टकदलान्वितम।
हर पापमपामार्ग भ्राम्यमाणः पुनः पुनः ।।

स्नान करने के बाद शुद्ध वस्त्र पहनकर तिलक लगाकर दक्षिण दिशा की ओर मुख करके यम से परिवार के सुख की कामना करें। इसके साथ ही प्रदोषकाल में चार बत्तियों वाला दीपक जलाकर दक्षिण दिशा में रखें और उसका निम्न मंत्र से पूजन करें-

श्लोक-"दीपश्चतुर्दश्यां नरक प्रीतये मया।
चतुर्वर्ति समायुक्तर्वपानतये। (लिंग पुराण)

अर्थात- आज चतुर्दशी के दिन नरक के अभिमानी देवता की प्रसन्नता तथा सर्व पापों के नाशों के लिये मैं 4 बत्तियों वाला चौमुखा दीप अर्पित करता/करती हूं।

दीपावली पर कैसे करें महालक्ष्मी का पूजन

पूजन मुहूर्त- कार्तिक कृष्ण अमावस्या संम्वत् 2075 तद्नुसार 7 नवंबर 2018 बुधवार को अमावस्या योग रात्रि 21/35 तक रहेगा। श्री महालक्ष्मी का पूजन मुख्यतः स्थिर लग्न में किया जाता है। चंद्र, बुध, गुरु, शुक्र की होरा भी श्रेष्ठ मुहूर्त में ग्राह्य है। कतिपय लोग कैलेंडरों से प्रेरित होकर चौघड़िया मुहूर्त में पूजन करते हैं, यह उचित नहीं है। कहीं प्रस्थान करना हो और दिशाशूल हो तो उत्तम चौघड़िया में यात्रा गमन किया जा सकता है। यह समय शुभ कार्यों तथा पूजनादि में शास्त्र सम्मत नहीं है। बुधवार को राहुकाल 12 से 13.30 तक त्याज्य है।

श्रेष्ठ लग्न- प्रातः वृश्चिक लग्न 7/21 से 9/35 तक, कुम्भ लग्न राहु काल छोड़कर 13/30 से 15/02 तक, सायं वृषभ लग्न 18/11 से 20/09 तक, सिंह लग्न मध्य रात्रि 24/39 से 2/51 तक। दीप पूजन हेतु प्रदोष काल 17/44 से 20/19 तक।

श्रेष्ठ होरा मुहूर्त - सूर्योदय 6/42 के बाद प्रातः 6/42 से 8/42 तक, 9/42 से 10/42 तक, दोपहर 1/30 से 3/42 तक, सायं 4/42 से 5/42 तक व रात्रि 7/42 तक, रात्रि 11/42 से 12/42 तक

पूजन विधि-

कार्तिक कृष्ण अमावस्या (दीपावली) को भगवती श्री महालक्ष्मी एवं भगवान गणेश की नूतन (नई) प्रतिमाओं का प्रतिष्ठापूर्वक विशेष पूजन किया जाता है। पूजन के लिये किसी चौकी अथवा कपड़े के पवित्र आसन पर गणेशजी के दाहिने भाग में माता महालक्ष्मी की मूर्ति को स्थापित करें। पूजन के दिन घर को स्वच्छ कर पूजा स्थान को भी पवित्र कर लें एवं स्वयं भी पवित्र होकर श्रद्धा भक्ति पूर्वक सायंकाल महालक्ष्मी व भगवान श्रीगणेश का पूजन करें। श्री महालक्ष्मीजी की मूर्ति के पास ही पवित्र पात्र में केसर युक्त चंदन से अष्टदल कमल बनाकर उस पर द्रव्य लक्ष्मी (रुपयों) को भी स्थापित करें तथा एक साथ ही दोनों की पूजा करें। सर्वप्रथम पूर्वाभिमुख अथवा उत्तराभिमुख हो आचमन, पवित्री धारण, मार्जन, प्राणायाम कर अपने ऊपर तथा पूजा-सामग्री पर निम्न मंत्र पढ़कर जल छिड़कें। *''ॐ अपवित्रः पवित्रा वा सर्वावस्थां गतोपि वा।*
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्यभ्यन्तरः शुचिः ।।''

उसके बाद जल अक्षत लेकर पूजन का निम्न मंत्र से संकल्प करें-

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः अद्य मासोत्तमे मासे कार्तिक मासे कृष्णपक्षे पुण्याममावस्यायां तिथौवार का उच्चारण वासरे... (वार का नाम) गोत्रोत्पन्नः (गोत्र का उच्चारण करें) /गुप्तोहंश्रुतिस्मृतिपुराणोक्त-फलावाप्तिकामनया ज्ञाताज्ञातकायिकवाचिकमानसिक सकल-पापानिवृत्तिपूर्वकं स्थिरलक्ष्मीप्राप्तये श्री महालक्ष्मीप्रीत्यर्थं महालक्ष्मीपूजनं कुबेरादीनां च पूजनं करिष्ये। तदङ्त्वेन गौश्रीगणपत्यादिपूजनं च करिष्ये।

ऐसा कहकर संकल्प का जल छोड़ दें।

प्रतिष्ठा- पूजन से पूर्व नूतन प्रतिमा की निम्न रीति से प्राण प्रतिष्ठा करें। बाएं हाथ में चावल लेकर निम्नलिखित मंत्रों को पढ़ते हुए दाहिने हाथ से उन चावलों को प्रतिमा पर छोड़ते जाए-

ॐ मना जूतिर्जुषतामाज्यस्य बृहस्पतिर्यज्ञमिमं तनात्वरिष्टं समिमं दधातु।
विश्वे देवास इह मादयन्तामोम्प्रतिष्ठ। ॐ अस्ये प्राणाः प्रतिष्ठन्तु
अस्यै प्राणाः क्षरन्तु च। अस्ये देवत्वपमर्चायै मामहेति च कश्चन।।

पूजन- सर्वप्रथम भगवान गणेश का पूजन करें इसके बाद कलश तथा षोडशमातृिका (सोलह देवियों का) का पूजन करें। तत्पश्चात प्रधान पूजा में मंत्रों द्वारा भगवती महालक्ष्मी का षोडशोपचार पूजन करें।

'ॐ महालक्ष्म्यै नमः' इस नाम मंत्र से भी उपचारों द्वारा पूजा की जा सकती है।

प्रार्थना- विधिपूर्वक श्री महालक्ष्मी का पूजन करने के बाद हाथ जोड़कर प्रार्थना करें-

सुरासुरेंद्रादिकिरीटमौक्तिकैं- युक्तं सदा यक्तव पादवपंकजम् ।
परावरं पातु वरं सुमंगल नमामि भक्तयाखिलकामसिद्धये ।।
भवानि त्वं महालक्ष्मीः सर्वकामप्रदायिनी ।।
सुपूजिता प्रसन्ना स्यान्महालक्ष्मि नमोस्तु ते।
नमस्ते सर्वदेवानां वरदासि हरिप्रिये।
या गतिस्त्वत्प्रपन्नानां सा में भूयात् त्वदर्चनात् ।। ॐ महालक्ष्म्यै नमः
प्रार्थनापूर्वक नमस्कारान् समर्पयामि।
प्रार्थना करते हुए नमस्कार करें।

समर्पण- पूजन के अंत में-

'कृतोनानेन पूजनेन भगवती महालक्ष्मीदेवी प्रीयताम् न मम।'

यह वाक्य उच्चारण कर समस्त पूजन कर्म भगवती महालक्ष्मी को समर्पित करें तथा जल गिराएं।

देहली विनायक, दवात व कलम आदि की पूजा

देहली विनायक पूजन-व्यापारिक प्रतिष्ठानादि में दीवारों पर ''ॐ श्रीगणेशाय नमः'' स्वस्तिक चिह्न, शुभ-लाभ आदि मांगलिक एवं

कल्याण शब्द सिंदूर से लिखे जाते हैं। इन्हीं शब्दों पर "ॐ देहलीविनायकाय नमः" इस नाममंत्र द्वारा गंध-पुष्पादि से पूजन करें।

श्रीमहाकाली (दवात) पूजन-स्याहीयुक्त दवात को भगवती महालक्ष्मी के सामने पुष्प तथा चावल के ऊपर रखकर उस पर सिंदूर से स्वस्तिक बना दें तथा मौली लपेट दें।

"ॐ श्रीमहाकाल्यै नमः" मंत्र से गंध-पुष्पादि पंचोपचारों या षोडशोपचारों से दवात तथा भगवती महाकाली का पूजन करें और अंत में इस प्रकार प्रार्थनापूर्वक उन्हें प्रणाम करें-

"कालिके त्वं जगन्मातर्मसिरूपेण वर्तस।
उत्पन्ना त्वं च लोकानां व्यवहारप्रसिद्धये।।
या कालिका रोगहरा सुवन्द्या
भक्तैः समस्तैव्यवहारदक्षैः।
जगजनानां भयहारिणी च सा लोकमाता मम सौख्यादास्तु।।"

लेखनी पूजन- लेखनी (कलम) पर मौली बांधकर सामने रख लें और-

"लेखनी निर्मित पूर्व ब्रम्हाणा परमेष्ठिना।
लोकांना च हितर्थय तस्मात्तां पूज्याम्यहम्।।
ॐ लेखनीस्थायै देव्यै नमः।"

इस नाममंत्र द्वारा गंध, पुष्प, चावल आदि से पूजन कर इस प्रकार प्रार्थना करें-

"शास्त्राणां व्यवहाराणां विद्यानामाप्युयाद्यातः।
अतस्त्वां पूजयिष्यामि मम हस्ते स्थिरा भव।।"

बहीखाता पूजन - बही, बसना तथा थैली में रोली या केसरयुक्त चंदन से स्वस्तिक का चिह्न बनाएं एवं थैली में पांच हल्दी की गांठ, धनिया, कमलगट्टा, अक्षत, दुर्वा और द्रव्य रखकर सरस्वती का पूजन करें। सर्वप्रथम सरस्वती का ध्यान इस प्रकार करें-

"या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता
या वीणावरदण्डण्डितकरा या श्वेतपद्मासना।
या ब्रह्माच्युशंकरप्रभृतिभिदेवैः सदा वन्दिता
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा।।
ॐ वीणापुस्तकधारिण्यै श्रीसरस्वत्यै नमः"

इस नाममंत्र से गंधाकादि उपचारों द्वारा पूजन करें-

कुबेर पूजन- तिजोरी अथवा रूपए रखे जाने वाले संदूक आदि को स्वस्तिकादि से अलंकृत कर उसमें निधिपति कुबेर का आह्वान करें-

"आवाहयामि देव त्वामिहायाहि कृपां कुरू।
कोशं वद्राय नित्यं त्वं परिरक्ष सुरेश्वर ।।"

आह्वान के बाद ॐ कुबेराय नमः नाममंत्र से गंध, पुष्प आदि से पूजन कर अंत में इस प्रकार प्रार्थना करें।

"धनदाय नमस्तुभ्य निधिपद्माधिपाय च।
भगवान् त्वप्रसादेन धनधान्यादिसम्पदः।।"

इस प्रकार प्रार्थनाकर पूर्व पूजित हल्दी, धनिया, कमलगट्टा, द्रव्य, दूर्वादि से युक्त थैली तिजोरी में रखें।

तुला (तराजू) पूजन- सिंदूर से तराजू पर स्वस्तिक बना लें। मौली लपेटकर तुला देवता का इस प्रकार ध्यान करें-

"नमस्ते सर्वदेवानां शक्तित्वे सत्यमाश्रिता।।
साक्षीभूता जगद्धात्री निर्मिता विश्वयोनिना।।"
ध्यान के बाद "ॐ तुलाधिष्ठातृदेवतायै नमः"

इस मंत्र से गंध अक्षादि उपचारों द्वारा पूजन करें।

दीपमालिका (दीपक) पूजन- किसी पात्र में ग्यारह, इक्कीस या उससे अधिक दीपकों को प्रज्वलित कर महालक्ष्मी के समीप रखकर उस दीपज्योति का "ॐ दीपावल्यै नमः" इस नाममंत्र से गंधादि उपचारों द्वारा पूजन कर इस प्रकार प्रार्थना करें-

"त्वं ज्योतिस्त्वं रविश्चनद्रो विद्यदर्निश्च तारकाः।
सर्वेषा ज्योतिषां ज्योतिर्दीपाल्यै नमो नमः।।"

दीपमालाओं का पूजन कर संतरा, ईख, धान, इत्यादि पदार्थ चढ़ाएं। धान का लावा (खील) गणेश, महालक्ष्मी तथा अन्य सभी देवी-देवताओं को भी अर्पित करें। अंत में अन्य सभी दीपकों को प्रज्वलित करें।

मंत्र पुष्पांजलि - आरती पश्चात दोनों हाथों में कमल आदि के पुष्प लेकर हाथ जोड़े और निम्न मंत्र का पाठ करें-

"ॐ या श्री स्वयः सुकृतिनां भवनेष्वलक्ष्मी'
पापात्मनां कृतधियां हृदयेषु बुद्धिः।
श्रद्धा सतां कुलजनप्रभवस्य लज्जा
तां त्वां नताः स्म परिपालन देवि विश्वम्।।
"ॐ श्री महालक्ष्मै नमः मंत्र पुष्पांजलि समर्पयामि।।

विसर्जन - पूजन के अंत में अक्षत लेकर श्रीगणेश एवं महालक्ष्मी की नूतन प्रतिमा को छोड़कर अन्य सभी आवाहित प्रतिष्ठित एवं पूजित देवताओं को अक्षत छोड़ते हुए निम्न मंत्र से विसर्जित करें-

यान्तु देवगणाः सर्वे पूजामादय मामकीम।

किशोर गोयदानी
नागपुर बिछायत केन्द्र
76, महात्मा फुले मार्केट, नागपूर – 440018
दुकान – 2726216 घर – 2548379

With Best Compliments From

Rahul Somany
9849048000

Dharmendra Kalantri
9441330440

Somany Sanitation

Authorised Dealers for

» Somany Aquaware » Somany Sanitaryware » Somany C.P. Fittings
» Somany Vitrified & Ceramic Wall & Floor Tiles
Digital Tiles, Complete Bathroom Fittings & Accessories
» Jaquar CP Fitting & All Product of
Bathroom & Kitchen Accessories

PROUD BNI MEMBER

Sec-Bad Address -
5-4-78/1, Opp. Tvs Sundaram Motors,
M.G. Road, Ranigunj, Sec-Bad -500003
Ph. : 040-27545455, 66383940

Banjara Hills Add :
8-2-684/3/16
"Disha Banjara" Banjara Green Colony,
Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad

Somani SOMANI ISPAT PRIVATE LIMITED

theinner**strength** foryour**construction**

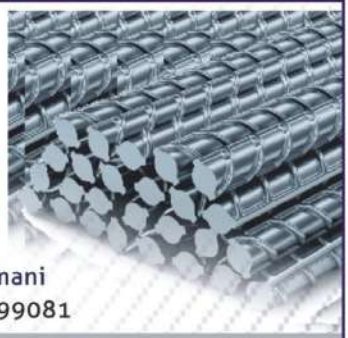

Sanjay Kumar Somani
+91 - 92465 34957

Sudhir Kumar Somani
+91 - 98490 24065

Aakash Somani
+91 - 99080 99081

11-6-27/1, 2 & 3, Opp. IDPL Factory, Balanagar, Hyderabad - 37 (T.S.) INDIA
+91 - 40 - 2377 1877 / 8375 / 2411, contact@somanisteel.com, www.somanisteel.com

HR Coil / TMT De-Coiling Unit & Godown at
Survey No. 76/2, Gundlapochampally
Near Kompally, Hyderabad, Cell : 77022 66065

VIZAG
Gajadhar Gaggar - 90003-04058
Dinesh Gaggar - 90003-04044
Plot No. 28, D Block Extn., Behind Sail Yard
Autonagar, Visakhapatnam, Ph : 0891-2754044

GROUP COMPANY

MAHESWARI FASTENERS & BRIGHT PVT. LTD.
Mahendra Rathi
92468-87753
Manufactures of : MS & HDG Fasteners (BIS & AP TRANSCO APPROVED)
Plot No. 152 & 154, Medchal Industrial Estate, Hyderabad, Ph : +91 - 40 - 2980 3123

vishalprinter.com

Authorised Dealer of : SAIL, VSP, JSW, JSPL, ESSAR & UTTAM VALUE

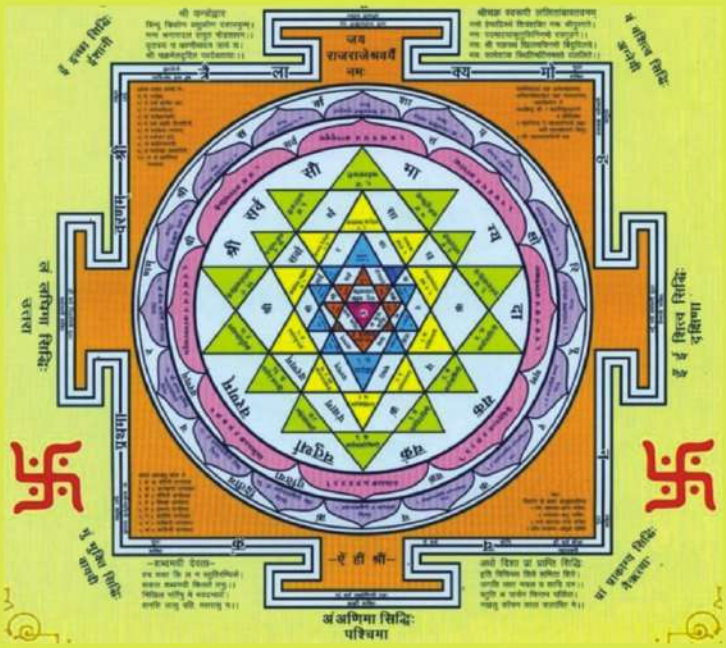

दीपावली पर्व माता महालक्ष्मी की उपासना का पर्व है। इस अवसर पर उन्हें प्रसन्न करने के लिए हर यत्न किए जाते हैं। ऐसे ही यत्नों में सबसे कारगर है श्री यंत्र। यदि आपकी महालक्ष्मी पूजा में 'श्री यंत्र' भी शामिल है तो आपकी पूजा कई गुना फलवती हो सकती है।

लक्ष्मी के आगमन का माध्यम

श्रीयंत्र

▸▸ टीम SMT

कहा गया है कि यंत्र के बिना देव पूजा फलहीन है। इसका कारण है, इनका महत्व। किसी भी देवपूजा में ''तंत्र'' पूजन विधि है और ''मंत्र'' पूजन के सिद्धांत हैं तो 'यंत्र' उसे सम्पन्न करने के उपकरण। अतः मूल उद्देश्य तो उपकरण द्वारा लक्ष्य की प्राप्ति ही है। यही कारण है कि ''श्री यंत्र'' के बिना लक्ष्मी पूजन को भी फलवती नहीं माना गया है। यदि किसी कारणवश दीपावली की लक्ष्मी पूजा में यह शामिल न हो सका हो तो इसे बाद में अवश्य शामिल कर लें। यंत्र शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के यम शब्द से हुई है जिसका अर्थ ही है सिद्ध, सहयोग और नियंत्रण। अतः यंत्र ज्ञान का एकाग्रचित्त क्षेत्र है जो एक साथ मिलकर विभिन्न ऊर्जाओं को नियंत्रित करते हैं।

यंत्रों का राजा है 'श्रीयंत्र'

श्री यंत्र को यंत्रो का राजा माना जाता है, जिसे शोधशी यंत्र भी कहा जाता है। यह हर रूप में सौहार्द्र उत्पन्न करता है। इसके अंदर वह क्षमता है, कि यह यम अर्थात् मृत्यु से भी आपकी रक्षा कर सकता है। इसे अक्सर ईश्वर की प्राप्ति का मार्ग भी माना जाता है। प्रचलित दंतकथा के अनुसार यह यंत्र एक कश्मीरी पंडित के घर से उत्पन्न हुआ, जिसका नाम सिद्ध रैना था। कहा जाता है कि सत्रहवीं सदी में भगवान शिव ने उनको भी यंत्र प्रदान किया था। यह यंत्र कुंडली में सूर्य के स्थान के आधार पर सोना, चाँदी या तांबे पर बनाए जाते हैं। पूजा में एक सप्ताह का समय लगता है और इसे मात्र सोमवार के दिन ही स्थापित/पहना जाना चाहिए।

गूढ़ार्थ पूर्ण है 'श्री यंत्र'

शरीर के सात प्रमुख चक्रों से संबद्ध चक्र कमल के द्वारा प्रदर्शित किए गए हैं। पंखुड़ियाँ परिधि की ओर होती हैं। पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार ब्रह्माजी का जन्म कमल से ही हुआ माना जाता है। अतः यंत्र उस शक्ति को प्रदर्शित करता है जो ब्रह्मांड की तह खोलती है। पंडित राजमणि कहते हैं, 'बाहरी पंखुड़ियाँ आध्यात्मिक जागरूकता की बाहरी परत को प्रदर्शित करती है।' यह स्वास्थ्य, संतुलित जीवन आदि को भी प्रदर्शित करता है क्योंकि कमल खिलता कीचड़ में है लेकिन रहता पानी के ऊपर ही है। यह इस बात का संकेत है कि सृष्टि से प्रभावित हुए बिना इसमें कैसे जिया जाए? मूल मंत्र यंत्र में संचित दैवीय ऊर्जा के अनादि कंपन के दृश्य व श्रव्य रूप को प्रदर्शित करता है। मंत्रों की विशुद्ध स्थिति खोजकर्ता को दैवीय ऊर्जा के इस कंपन को अपने शरीर के साथ अनुभव करने में सहायता करता है जिसके लिये योगियों का भी मानना है कि यंत्र और मानवीय शरीर के मध्य विशुद्ध अनुरूपता आवश्यक है। अतः यह सभी उद्देश्य ब्रह्मांड की ऊर्जा के विभिन्न पक्ष को प्रदर्शित करते हैं। एक अन्य स्तर पर यंत्र और उनमें संचित ऊर्जा तांत्रिक साहित्य में वर्णित देवी-देवताओं को प्रदर्शित करते हैं। तांत्रिक मान्यताओं को यंत्र का दृश्यप्रधान वर्णन माना जाता है। प्राचीन तांत्रिक साहित्यकार कहते हैं कि यंत्र के बिना देव पूजा फलहीन है।

PETERS PRINCE PHENYLE

Disinfectant Best By Test

Manufacturers of Disinfectants & Antiseptics:

NATH PETERS HYGEIAN LIMITED

REGD. OFFICE: 17-1-200, SAIDABAD, HYDERABAD - 500 059 T. S. INDIA
PHONE NO: 040- 24534-523/524/525 FAX: +91-40-24530299
E-mail: sales@nathpeters.com Website: www.nathpeters.com
CIN NO. U24110TG1992PLC014256
An ISO 9001:2008 Certified Company

For Distributorship Enquiries Please Contact
Mr. Raju on Cell No. 09701343335

हार्दिक शुभकामनाएं.....

Dalia's™
High in Quality, Rich in Taste

श्री निवास एंड ब्रदर्स
SRINIVAS & BROTHERS

किराणा एवं सूखे मेवे व सभी किस्म के मुरब्बे तथा अचार एगमार्क शहद उपवन ग्रेड-ए
सच्चा साबू एगमार्क साबुदाना सुपर कोकिला मेहंदी

14-7-371/17, बेगम बाजार, राजाबहादुर बिल्डिंग के सामने, हैदराबाद-500012
फोन-24745570, 24606726, 24615438
e-mail : contact@dalias.in web : www.dalias.in

With Best Compliments From

Sunil Sarda

Sumit Sarda

SRI BALAJI BEARING CORPN.

(House of all types of Bearings & Manufacturer of Conveyer Rollers)

Stockist for - **ZKL, URB, China**
Distributor for - **China Pillow Block**
Manufactures of - **Conveyer Rollers, Guide Rollers, Cone Rollers, Rubber Rollers,Drum Pully**

5-5-79/G-1G, Sri Srinivasa Commercial Complex,
Ranjigunj, Secunderabad (Telangana)-03
Ph. : (O) 040-66381050, M. 9849010850, 9985516422
E-mail : sunilmsarda@gmail.com

पंचांग में कालगणना के पांच अंगों का समावेश है। काल अर्थात समय और माता महालक्ष्मी की प्रसन्नता का विशिष्ट संबंध है। यही कारण है कि इसे लक्ष्मी पूजन में भी शामिल किया जाता है। इसकी पूजा का महत्व तभी है जब हम इसे देखना जानते हैं। तो आईये जानें क्या-क्या छुपा होता है, पंचांग में।

लक्ष्मी पूजन में क्यों महत्वपूर्ण है पंचांग

पंचांग शब्द का शाब्दिक अर्थ है, पांच अंगों की जानकारी। काल गणना में पांचों प्रमुख अंगों की जानकारी जो दे उसे ही पंचांग कहते हैं। इनमें प्रमुख पांच अंग हैं, वर्ष, माह, वार, तिथि और नक्षत्र। वास्तव में देखा जाए तो स्थूल रूप से पंचांग की शुरुआत इन्हीं के लिए हुई थी, जो कलांतर में सतत शोध से और भी गहन व सूक्ष्म होता चला गया। वर्तमान में पंचांग ज्योतिष का आधार स्तंभ है, जिसके आधार पर ही कोई ज्योतिषी फलकथन करता है।

देश-शहर के बारे में विस्तृत जानकारी

सर्वप्रथम तो हम पंचांग से संबंधित शहर की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसमें उस शहर से संबंधित दिन का दिनमान, सूर्योदय-सूर्योस्त का समय, चंद्रोदय-चंद्रास्त तथा खगोलीय जानकारी के लिए संबंधित शहर के अक्षांश व देशांश शामिल होते हैं। वर्तमान में पंचांग में देश के सभी प्रमुख शहरों के साथ ही लगभग संपूर्ण विश्व के प्रमुख शहरों के देशान्तर भी दिए होते हैं। इनके द्वारा कुछ गणना कर हम इन सभी शहरों के संबंध में भी यह सभी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

तिथि-वार आदि काल गणना

पंचांगों में ईसवी वर्ष के अनुसार दिनांकों के साथ लगभग उनके सामने ही उस दिनांक की तिथि भी अंकित होती है। उसके आगे संबंधित तिथि की समाप्ति का समय ज्योतिषिय कालगणना के अनुसार घटी-पल में और उसके आगे वर्तमान कालगणना पद्धति के अनुसार घंटा-मिनट में भी दिया होता है। गत दिनांक की तिथि समाप्ति से उक्त दिनांक की तिथि समाप्ति तिथि तक संबंधित तिथि रहती है। अतः हम शुद्धतापूर्वक किसी भी दिनांक को किसी भी समय रहने वाली तिथि को ज्ञात कर सकते हैं। इस सारिणी में संबंधित दिनांक के वार के साथ ही नक्षत्र, योग, दिनमान, सूर्योदय-सूर्योस्त आदि की जानकारी भी दी जाती है। वर्तमान में इसी सारणी में संबंधित दिवस के व्रत-त्योहार की जानकारी भी अंकित की जाती है।

किसी भी कार्य का मुहूर्त

कहा जाता है कि सही समय पर किसी कार्य के शुभारंभ का अर्थ ही उसकी आधी सफलता है। इसीलिये हमारी संस्कृति में हर शुभ कार्य के लिए मुहूर्त देखा जाता है। यह कार्य सामान्यतः ज्योतिषाचार्य ही करते आये हैं, लेकिन अच्छे व सरल पंचांगों से आम व्यक्ति भी आसानी से मुहूर्त ज्ञात कर सकता है। वर्तमान में जैसे उदाहरणार्थ उज्जैन से प्रकाशित श्री विक्रमादित्य पंचांग में प्रारम्भ के पृष्ठों में विभिन्न कार्यों के लिये मुहूर्त शुद्ध कर दिए होते हैं। अतः पाठक इनके द्वारा अपने इच्छित कार्य के लिये मुहूर्त को देख सकते हैं। इतना ही नहीं विवाह जैसे गहन अवसरों के लिये भी सामान्यतः घर बैठे मुहूर्त देखा जा सकता है। इसके लिये वर-वधू की चंद्र राशि के अनुसार विवाह मुहुर्त शुद्धता पूर्वक दिये जाते हैं। इनमें अतिश्रेष्ठ, पूजा योग्य (अर्थात् मध्यम) व नेष्ट (त्याज्य) का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। चौघड़िये भी सूर्योदय के अनुसार स्पष्ट किये जा सकते हैं।

ज्योतिष गणनाओं का आधार

ज्योतिष के विशेषज्ञ तिथि आदि की गणना वाले पृष्ठ के नीचे दी गई ग्रह स्थिति और लग्न मान से गणना कर जन्म कुंडली आदि का निर्माण जैसे समस्त ज्योतिषिय कार्य कर सकते हैं। वैसे इसके लिये ज्योतिष की कम से कम सामान्य जानकारी होना आवश्यक है। फिर भी इसमें सूर्योदयकालीन समस्त ग्रह स्पष्ट इस तरह किए जाते हैं कि इनसे बड़ी आसानी से संबंधित समय व शहर के अनुसार ग्रह स्पष्ट किये जा सकते हैं।

कई जानकारियों का खजाना

वर्तमान में पंचांग अत्यंत वृहद रूप ले चुके हैं। इनमें सूर्य व चंद्र ग्रहण की स्पष्ट स्थिति उसके ग्रहणकाल के अनुसार तो दी ही जाती है, साथ ही देश आदि के लिये वर्षफल भी स्पष्ट होते हैं। इनके साथ जातक का सामान्य राशिफल भी स्पष्ट होता है। इसके साथ और भी कई महत्वपूर्ण जानकारियां पंचांगकर्ता शामिल करते हैं। जैसे 'श्री विक्रमादित्य पंचांग' में अनिष्टकारी ग्रहों की शांति के उपाय, कुंडली मिलान, स्वप्न विचार, वैधव्य, विष कन्या तथा मांगलिक योग, व्यापार भविष्य आदि कई जानकारियां दी गई हैं।

With Best Compliments From

S B RANDER GROUP

RISING FROM THE ROOTS

Sri Bhagirath Textiles Ltd.

(Spinning Unit)

Shrigopal Rameshkumar Sales Pvt. Ltd.

(Cotton Merchant)

Multiurban Infra Services Pvt Ltd.

(Water Supply Contractors and Solution Providers)

Head Office :

Sarvodaya Cloth Market, Gandhibagh, Nagpur - 440 002 (Maharashtra)
Phone : +91-712-2769035, 2777206, Fax : +91-712-2765845
Web Site : www.srcommodities.com
Email : info@srcommodities.com

Associates At

Coimbatore, Chittorgarh, Mumbai, Ichalkaranji, Indore

Shrigopal Rander

Madhusudan Rander

Ramesh Rander

क्या है छप्पन भोग

हम दीपावली के पश्चात अन्नकूट कें अवसर पर 56 भोग का आयोजन करते हैं। ऐसे आयोजन और भी कई धार्मिक अवसर पर होते हैं, लेकिन हम में से बहुत कम हैं, जो जानते है कि भगवान को 56 भोग क्यों लगाया जाता है और इसमें क्या-क्या शामिल किया जाना चाहिए?

गोवर्धनदास बिन्नाणी, बीकानेर

श्रीमद्भागवत महापुराण में इस बात का जिक्र है, जिससे हमें कृष्ण को लगाए जाने वाले छप्पन भोग के पीछे की कहानी का पता चलता है। कथा के अनुसार एक बार कृष्ण के प्रेम में डूबी गोपिकाओं ने मास पर्यंत यमुना में ब्रह्म मुहूर्त में स्नान किया। इसके पीछे जो वजह थी वह यह कि सभी गोपियां श्रीकृष्ण को अपने वर के रूप में देखना चाहती हैं। इस स्नान के बाद सभी गोपियों ने मां कात्यायनी से वर चाहा कि उन्हें श्रीकृष्ण ही पति के रूप में मिलें। अपने इस वर के बदले उन्होंने मां कात्यायनी को उद्यापन में 56 तरह के आहार देने की मन्नत मांगी थी। बस इसी के बाद से छप्पन भोग अस्तित्व में आया। अर्थात इसके पीछे लक्ष्य मनोकामना पूर्ति ही होता है।

आयुर्वेद में 56 भोग का महत्व

चरक संहिता के अनुसार, रस 6 प्रकार के होते हैं। इन्हीं 6 रसों से 6 प्रकार के स्वाद की उत्पत्ति होती है। इनके आधार पर ही सनातन धर्मशास्त्र में वर्णित छप्पन भोग तैयार किए जाते हैं। सभी 6 स्वादों का निर्माण पंचतत्वों के मिश्रण से होता है। मीठा स्वाद-मधुरा रस पृथ्वी व पानी। खट्टा स्वाद-अमला रस पृथ्वी व आग। नमका स्वाद-लवाना रस पानी व आग। तीखा स्वाद-केतु रस वायु व अग्नि। कड़वा स्वाद-तिक्त रस वायु व आकाश। कसैला स्वाद-कसाय रस हवा और पृथ्वी से निर्मित होता है। इस प्रकार इन 6 रसों से इस प्रकार बनते हैं ये छप्पन भोग।

आम तौर पर 56 भोग में ये शामिल

छप्पन भोग में वही व्यंजन होते है। जो मुरलीमनोहर को पंसद थे। आमतौर पर इसमें अनाज, फल, ड्राईफ्रूट्स, मिठाई, पेय पदार्थ, नमकीन और अचार जैसी चीजें शामिल होती हैं। इसमें भी भिन्नता होती है। कई लोग 16 तरह की नमकीन, 20 प्रकार की मिठाइयां और 20 प्रकार के ड्राई फ्रूट्स चढ़ाते हैं। सामान्य तौर पर छप्पन भोग में माखन मिश्री, खीर और रसगुल्ला, जलेबी, जीरा लड्डू, रबड़ी, मठरी, मालपुआ, मोहनभोग, चटनी, मुरब्बा, साग, दही, चावल, दाल, कढ़ी, घेवर, चिला, पापड़, मूंग दाल का हलवा, पकौड़ा, खिचड़ी, बैंगन की सब्जी, लौकी की सब्जी, पूरी, बादाम का दूध, टिक्की, काजू, बादाम, पिस्ता और इलाइची शामिल होती है। इसके अलावा भगवान श्रीकृष्ण को धनिये की पंजीरी का प्रसाद भी चढ़ाया जाता है। भोग को पारंपरिक ढंग से अनुक्रम में लगाया जाता है। सबसे पहले श्री बांके बिहारी को दूध चढ़ाया जाता है। इसके बाद बेसन आधारित और नमकीन खाना और अंत में मिठाई, ड्राई फ्रूट्स और इलाइची रखी जाती है। सबसे पहले भगवान को यह भोग चढ़ाया जाता है और बाद में इसे सभी भक्तों व पुजारियों में प्रसाद स्वरूप बांट दिया जाता है।

प्राचीन शास्त्रों में ये शामिल

भक्त (भात), सूप (दाल), प्रलेह (चटनी), सदिका (कढ़ी), दधिशाकजा (दही शाक की कढ़ी), सिखरिणी (सिखरन), अवलेह (शरबत), बालका (बाटी), इक्षु खेरिणी (मुरब्बा), त्रिकोण (शर्करा युक्त), बटक (बड़ा), मधु शीर्षक (मठरी), फेणिका (फैनी), परिष्टलच (पूरी), शतपत्र (खजला), सधिद्रक (घेवर), चक्राम (मालपुआ), चिल्डिका (चोला), सुधाकुंडलिका (जलेबी), धृतपूर (मेसू), वायुपूर (रसगुल्ला), चंद्रकला (पगी हुई), दधि (महारायता), स्थूली (थूली), कर्पूरनाड़ी (लौंगपूरी), खंड मंडल (खुरमा), गोधूम (दलिया), मूवत, सुफलाढया (सौंफ युक्त), दधिरूप (बिलसारू), मोदक (लड्डू), शाक (साग), सौधान (अधानौ अचार), मंडका (मोठ), पायस (खीर), दधि (दही), गोघृत, हैयंगपीनम (मक्खन), मंडूरी (मलाई), कूपिका (रबड़ी), पर्पट (पापड़), शक्तिका (सीरा), लसिका (लस्सी), परिखा, संघाय (मोहन), सुफला (सुपारी), सिता (इलायची), फल, तांबूल, मोहन भोग, लवण, कषाय, मधुर, तिक्त, कटु, अम्ल।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ

ओमप्रकाश कुंजी लाल भैय्या

Govt. Contractor & Building Material Supply

Ph. : 0721-2660046
Mo. : 9822200631

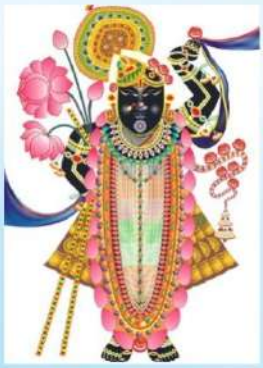

श्रीनाथ दाल मिल

A-35, Near Aanand Marbles, MIDC, Amravati
Ph. : 0721-2520013, 2520699

पियुष ओ. भैय्या
9822731007

अखिलेश अ.भैय्या
9823231276

सोश्यल मीडिया ने त्यौहारों की खुशियां बढ़ाई या घटाई?

वर्तमान दौर में सोश्यल मीडिया त्यौहारों के माहौल पर भी हावी हो चुका है। लगभग अधिकांश शुभकामनाएं सोश्यल मीडिया से देकर ही इतिश्री कर ली जाती है। प्रत्यक्ष मेल मिलाप लगभग खत्म सा हो गया है। ऐसी स्थिति में चिंतनीय हो गया है कि सोश्यल मीडिया ने त्यौहारों की खुशियां बढ़ाई या घटाई? आईये जानें इस स्तंभ की प्रभारी मालेगांव निवासी सुमिता मूंदड़ा सहित समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

त्योहारों पर हावी है सोशल मीडिया का बुखार

यह कहना गलत नहीं होगा कि व्यस्त वर्तमान दौर में सोशल मीडिया जैसे संचार माध्यमों से लोगों के आपसी संपर्क में वृद्धि हुई है। दूरदराज बैठे रिश्तेदारों से संपर्क बढ़ा है। जब आपस में मिलना नामुमकिन होता है तो ऐसे में सोशल मीडिया द्वारा संदेश/वीडियो कॉल/फोटो आदि रेगिस्तान में बारिश की फुहार प्रतीत होते हैं। पुराने खोये हुए बचपन के दोस्त भी आपस में जुड़ गए हैं। सोशल मीडिया द्वारा ही परिवार और दोस्त स्नेह-मिलन कार्यक्रम रखकर बरसों बाद भी खिलखिल से जाते हैं।

यह सोशल मीडिया ही है जो हमारी संस्कृति और त्योहारों को भी जीवंत रखने में अपना योगदान दे रहा है वरना आधुनिकता की होड़ में हम तो धीरे-धीरे अपने रीति-रिवाजों को भुलाने पर तुले हुए हैं। हर रोज सुबह-सवेरे से देररात तक तिथि-मिति और रीति के अनुसार त्योहार की पूरी जानकारी भी इस सोशल मीडिया द्वारा घर बैठे मिल जाती है। जन्मदिवस या विवाह वर्षगांठ की शुभकामनाएं हों अन्यथा कोई भी खुशी हो या दुख का समाचार हो, पूरे विश्व की छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी खबर भी इसी सोशल मीडिया की वजह से ही हमें पलभर में मिल जाती हैं। इतना ही नहीं गूगल ने तो हमारी सारी जिज्ञासाएं पलक झपकते ही हल करने की ठानी है जो किसी वरदान से कम नहीं।

सिक्के के दो पहलुओं की तरह ही सोशल मीडिया के भी दो रंग हैं। अगर इसके विपक्ष पर दृष्टिकोण डालें तो देखेंगे कि एक शहर, एक गांव, एक कॉलनी ही नहीं एक बिल्डिंग में रहने वाले पड़ोसी भी सोशल मीडिया की आड़ में प्रत्यक्ष मिलना-जुलना छोड़ने लगे हैं। यहीं से हम सोशल मीडिया का गलत इस्तेमाल करने लगे हैं और हमारे आपसी मेल-जोल का दायरा संकुचित होता जा रहा है। आम दिन की बात छोड़िये जनाब अब सोशल मीडिया से ही हम तीज-त्योहार भी तो मनाने लगे हैं। स्थानीय रिश्तेदारी/दोस्ती होने के बावजूद भी त्योहारों पर सोशल मीडिया के मार्फत ही 'राम-राम जी' कर के शुभकामना संदेश भेजकर परंपरा और संस्कृति से इतिश्री कर लेते हैं और खुद को हाई-टेक दिखाते हैं।

साथ ही स्वयं के साथ-साथ दूसरों को तसल्ली देने के लिए बहाने भी तैयार रखते हैं जैसे कि समयाभाव है, आने-जाने और उपहारों में अनावश्यक खर्च होगा, मेजबान को परेशानी होगी, फलाना फलाना। बहानों की की तो पोल खुलते ही दिखती है जब समयाभाव वाले स्नेहीजन हजारों खर्च करके त्योहारों के निपटते ही छुट्टियों के लिए पलायन करते हैं। इतना ही नहीं यह भी सोच बढ़ने लगी है कि घर-घर जाकर मिलना-मिलाना तो पुराने रीति-रिवाज है और फिर हम स्वयं को अपडेट रखने के लिए उससे दूर भागने लगते हैं और सोशल मीडिया पर अपडेट रहकर आधुनिक बनते हैं। हम और आप भी इनमें से ही एक हैं पर विचारिये ऐसे तो धीरे-धीरे एक दिन हमारा परिवार-समाज सिर्फ 'सोशल मीडिया दोस्ती-रिश्तेदारी' में परिवर्तित हो जाएगा। सोशल मीडिया एक आभासी दुनिया है, इसका अति-इस्तेमाल हमारे मानवीय जीवन के लिए किसी भी रूप में लाभदायक नहीं है। चिंतन करें कि आज हमारा समय, स्वास्थ्य, आमदनी , दिनचर्या ही नहीं घर-परिवार-समाज सब कुछ अब सोशल मीडिया के हवाले है जो कहां तक उचित है?

सुमिता राजकुमार मूंधड़ा, मालेगांव

सोशल मीडिया ने तो दूरी कम की

वर्तमान युग वैश्वीकरण का युग है जहां संचार क्रांति आम जनता को जागरूक करने का पुनीत कर्म कर रही है। ऐसे में हमारा माहेश्वरी समाज भी सोशल मीडिया जैसे सशक्त माध्यम के प्रभावों से अछूता नहीं रह सकता। इसके साथ ही हमें यह भी ज्ञात है कि इस युग में परिवार और रिश्ते दिनोंदिन सीमित होकर बिखर से रहे हैं, त्योहार पारंपरिक न होकर औपचारिक हो रहे हैं। इसके बावजूद हम वक्त की नजाकत को नजरअंदाज कर नहीं सकते। हम भविष्य है इस समाज का इसलिए सोशल मीडिया की तकनीक से पिछड़ नहीं सकते। आज की इस भाग दौड़ भरी जिंदगी में त्योहारों पर प्रत्यक्ष संपर्क करना कठिन हो गया है, लेकिन सोशल मीडिया के माध्यम से प्रत्यक्ष न होकर भी हमें प्रत्यक्ष मंच प्राप्त हुआ है। निःसंदेह सोशल मीडिया समाज में सूचनाओं और जानकारियों को संप्रेषण ही नहीं अपितु सामाजिक जनमानस की नई सोच का निर्माण करने में सकारात्मक भूमिका निभा रहा है। सोशल मीडिया ने समाज के प्रासंगिक और महत्वपूर्ण मुद्दों को उजागर कर समाज के लोगों की दूरियों को कम किया है। त्योहारों के साथ सामाजिक मेल मिलाप मांगलिक वैवाहिक

संबंधों का सूत्रधार भी सोशल मीडिया है। हम कह सकते हैं कि सोशल मीडिया वे हमारी संपूर्ण जीवन शैली को परिवर्तित कर सामाजिक परिचितों से वीडियो कॉल कॉन्फ्रेंसिंग कर अपने सुख-दुःख बांट सकते हैं। इसलिए यह कहना उचित होगा कि सोशल मीडिया ने त्योहारों की खुशियां बढ़ाई हैं। इसके अतिरिक्त रही बात प्रत्यक्ष संपर्क की समस्या को तो इसके समाधान के लिए हम त्योहारों पर सामूहिक मिलन समारोह का आयोजन कर उसमें उपस्थित होकर उसे सफल बना सकते हैं।

श्रीमती पलक राठी, बैतूल

बदलाव को अपनान जरूरी

बदलत समय के साथ ही अपने आप को बदलना अ ा ा ज ा अवश्यम्भावी हो गया है। पुराने समय की सभ्यता ढाहे टा। संस्कार....त्योहार या अन्य सुख और दुःख के अवसर पर व्यक्तिगत मिलना-जुलना की अच्छी परंपरा हम अच्छे से निभाते थे। पर संयुक्त परिवारों के टूटते क्रम और एकल परिवार के बढ़ते चलन में ये परंपराएं ढहती जा रही हैं। चूंकि, समय अभी सोशल मीडिया का है। सकारात्मक सोच के साथ मैं तो इस सोशल मीडिया का शुक्रगुजार हूं कि इसने उन परंपराओं को औपचारिक रूप से ही सही, पर उन कुछ हद तक जिंदा तो रखा हुआ है। किसी का जन्मदिन हो या शादी की सालगिरह, तीज-त्योहार हो या किसी की हासिल उपलब्धि की बधाई। औपचारिकतावश ही सही हम इस सोशल मीडिया के माध्यम से हम परंपरा का निर्वाह कर ही लेते हैं।

राजस्थानी में एक कहावत है जेडो बाजे बायरां...लेणी वेदी ओट। समय के साथ आ रहे बदलावों को हमे हर हाल में अपनाने में ही ठीक रहता है। भले दिल से हम स्वीकार करें या नहीं।

नरसिंह करवा 'बंधु'
जोधपुर (राजस्थान)

वास्तव में दूरियां बढ़ीं

त्योहार मनाने की भारतीय परंपरा सामूहिक रही है। त्योहारों पर सब साज-धजकर निकलते एक-दूसरे के गले मिलते मिठाई खिलाते। भाईचारा, अपनापन, रिश्तों की गर्माहट पर सोशल मीडिया ने अपनी सेंध इस कदर लगाई है कि दूरियां बढ़रही हैं। मनुष्य से मनुष्य का मिलन उसी तरह लुप्त हो रहा है जैसे डाकिया व चिट्ठी पत्री। आपसी रिश्तों की गर्माहट के लिए मिलना जुलना आवश्यक है। त्योहारों पर औपचारिकता तो बढ़ी है, लेकिन मिलने की परिपाटी घटती जा रही है। मिल-बैठकर सुख-दुःख साझा करना, बचपन की याद ताजा करना यह सब गुजरे जमाने की कहानियां बन गईं। परिवर्तन प्रकृति का नियम है, विकास होना ही चाहिए, पर उसे हम इस्तेमाल किस नजरिए से करते हैं, यह चयन हमें करना है। हमें अपनी संस्कृति, सभ्यता व शिष्टाचार को बरकरार रखने का प्रयास भी करना है। यह भी सच है कि आज की पीढ़ी के लिए आर्थिक दबाव व समय के अभाव के कारण यह विकास वरदान साबित हो रहा है। सोशल मीडिया जैसा संचार माध्यम आपसी संबंध कायम रखने में सहायक सिद्ध हो रहा है।

कलावती करवा,
कूच बिहार, पश्चिम बंगाल

प्रत्यक्ष सम्पर्क भी जरूरी

जीवनकाल में हमें अनेक दायित्वों का निर्वाह करना पड़ता है। व्यस्त जिंदगी में त्योहार जो कि हमारी परंपराओं पर आधारित होते हैं, जिंदगी में उल्लास और सकारत्मकता लाते हैं, वैमनस्य घटाते हैं। खुशियां और बढ़ जाती हैं जब परिवार के सभी सदस्य शुभ अवसरों पर एकत्रित होते हैं। व्यस्तता के कारण जो संवादहीनता या दुराव उत्पन्न होता है वह समाप्त हो जाता है। आजकल सोशल मीडिया पर ही शुभ-संदेश का, उपहारों के चित्रों का आदान-प्रदान कर दिया जाता है। परंतु सामने बैठकर बातें करना, हंसी-ठिठोली, नई ऊर्जा भर देते हैं। मिलना-जुलना कम होने से, सामाजिक संबंध एवं एकरसता प्रभावित हो रहे हैं। अकेलापन हावी हो रहा है। संस्कृति पर आधारित त्योहारों का असली चित्रण गायब हो रहा है। कई बार त्योहारों का मजाक उड़ाया जाता है, जिससे असंतोष बढ़ता जा रहा है। आभासी दुनिया से बाहर निकालकर भाईचारा तभी मजबूत होगा, जब जमीनी स्तर पर मेलजोल और संपर्क बढ़ेगा...।

"जीवटता से निभाये, हम सारे त्योहार..
रिश्तों को हम जीतेंगे, नहीं होगी कभी हार...
इसमें किसी को भी, घाटा हो नहीं सकता..
मिलजुलकर त्योहार मनाना, है लाभ का व्यापार...।

डॉ. (श्रीमती) सूरज माहेश्वरी, जोधपुर

सोश्यल मीडिया ने संस्कृति को संजोया

सोशल मीडिया जीवन में इतना घुल मिल गया है कि हम सब अपनी खुशी अपने त्योहार में भी उसके रंग में रंगने लगे हैं। उसके द्वारा मिले मन लुभावन शब्दों से अलंकृत संदेश मन को कुछ समय के लिए प्रफुल्लित कर जाते हैं। दिल से होकर आत्मा तक झंकृत करने वाली आत्मीयता अपने के पास जाकर ही मिलती है। संस्कारों से सजे हमारे अग्रज हमारी अमूल्य धरोहर हैं उनके पास बैठकर संस्कृति का जो परिचय होगा वह विश्व का कोई मीडिया नहीं दे सकता। स्नेह और प्रेम से पगे रिश्ते ऐसा गुलाब हैं जिनकी सुगंध आपस में मिलकर ही महसूस की जा सकती है।

सुनीता महेश मल्ल
आमगांव रेलवे जिला गोंदिया

प्रेरणा का दर्पण है

परोपकार के पद्मश्री बंशीलाल राठी

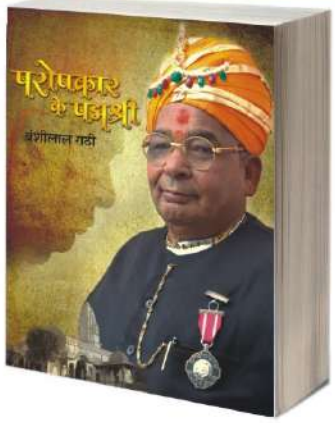

जीवनी वास्तव में साहित्य जगत की एक महत्वपूर्ण विधा रही है। इसका महत्व कभी भी अन्य विधाओं से कम नहीं रहा। कारण यह है कि किसी के भी कृतित्व को अमर कर उसे प्रेरणास्पद बना देने की क्षमता यदि किसी साहित्यिक विधा में है, तो वह जीवनी ही है। लंबे अरसे से इस विधा में उत्कृष्ट कृतियों की कमी हो आई थी, लेकिन लगभग 1 दशक से फिर कलमकारों ने इसे सहेजना प्रारंभ कर दिया। कथावस्तु व कला शिल्प के साथ निःसंदेह प्रस्तुत जीवनी ग्रंथ ''परोपकार के पद्मश्री बंशीलाल राठी'' इस दौर की अनुपम कृति सिद्ध होगी।

यह पुस्तक वास्तव में समाज सेवा के लिए पद्मश्री सम्मान से सम्मानित खींवसर राजस्थान के सपूत व चेन्नई निवासी ख्यात समाजसेवी श्री बंशीलाल राठी के जीवन के संपूर्ण पक्षों को इस तरह उजागर करती है, जैसे सभी घटनाएं स्वतः आंखों के सामने घटित हो रही हों। इसमें इनकी जीवन यात्रा का जो वर्णन है, वह आज की युवा पीढ़ी को निःसंदेह मार्गदर्शित कर सकता है। जिस तरह श्री राठी ने मात्र पांचवीं कक्षा तक शिक्षा ग्रहण करने व बाल्यावस्था में ही पितृविहीन होने के बावजूद विशाल औद्योगिक व व्यावसायिक साम्राज्य स्थापित किया, वह आज के बेरोजगारी का रोना रोने वालों को आईना दिखाने वाली घटना है। इस पुस्तक में श्री राठी की व्यावसायिक यात्रा के साथ ही समाजसेवा में धर्म व जाति के आधार पर बिना किसी के भेद के जो तन-मन-धन से सेवा दी गई उसे भी प्रेरक ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

इस ग्रंथ की संपूर्ण शैली वर्णनात्मक के साथ संस्मरणात्मक है। इसमें स्वयं श्री राठी के साथ ही उन्हें निकट से जानने वाले उनके कई अनन्यों के संस्मरणों का समावेश किया गया है। इन संस्मरणों को भी इस तरह क्रमबद्ध किया गया है कि इससे संपूर्ण पुस्तक के संस्मरण कहीं भी विखंडित नहीं होते। पुस्तक में आंशिक मानवीय त्रुटियों को छोड़ दें तो शुद्धता का विशेष ध्यान रखा गया है। पुस्तक की जो उत्कृष्ट साज सज्जा की गई है, वह भी अत्यंत प्रशंसनीय है। निः संदेह यह प्रेरणा के मामले में ''गागर में सागर'' वाली लोकोक्ति को चरितार्थ करती है।

पुस्तक- **परोपकार के पद्मश्री बंशीलाल राठी**
(एक जीवनी)
संपादक - **पुष्कर बाहेती**
लेखक - **पं. अखिलेश शर्मा**
प्रकाशक - **ऋषि-मुनि प्रकाशन**
90, विद्यानगर, सांवेर रोड, उज्जैन
मूल्य पुस्तक 600 रुपए मात्र

Pankaj Sarda
Director

Manufacturer of High Purity Ingots of Lead, Lead Alloys and Zinc. Also Brass utensils

Recycler of Lead Scrap, Lead Waste, Batteries, Zinc and Waste.

Deals in SHG / PW Zinc Ingots of Hindustan Zinc Limited

SMPL

Shree Metals (Mujni) Pvt. Ltd.

Tel/Fax : 07184- 250987, 252727, 254268, 252067
www.kothariproductsindia.com
email :shreemetalsmujbipvtltd@gmail.com
Work : at Mujbi, P.O. Bela Dist. Bhandara (Mah.) 441904
(On National Highway 06, Near Reilance Petrol Pump)

SONI OFFICE MATE®

Innovation is our tradition

GLUE STICK
For Neat & Clean Adhesion

Available in 5 g, 8 g, 15 g, 25g, 35 g

CORRECTION PENS
For Neat & Quick Correction

Available in 7ml, 9ml

CORRECTION TAPE
For Instant Correction

5mm x 6m

WHITEBOARD MARKER
Non Stick, easy wipe

ACRYLIC MARKER

PERMANENT MARKER

SURGICAL SKIN MARKER
Gama Radiated

HIGHLIGHTER
Available in 5 colours

CD / DVD MARKER
For permanent marking on Glass, Plastic, Wood, Metal & Any Plain Surface.

PAINT MARKER
Permanent Marking for any surface

Available in Colours

- Regular Tip
- Fine Tip
- Chisel Tip

WINDOW MARKER (FLUORESCENT)
Can be used on
- Glass
- Acrylic Sheets
- Mica Boards
- LED Boards
- Any non-porous surface

DRY WIPE

Available in eight colours

Whiteboard Cleaning Solution

STICKY NOTE PADS

STAMP PAD

Available in 3 sizes in all colours

INKS

Available in Bulk Packaging.

FOR DEALERSHIP, DISTRIBUTORSHIP & C & F PLEASE CONTACT-

SONI POLYMERS PVT. LTD. ISO 9001:2008 CERTIFIED COMPANY

'Utkarsha-Vishakha, 42, Bajaj Nagar, Nagpur - 440 010 (INDIA)
Ph : 91-712-2236463, 2232002, 2221746 Fax : 91-712-2249598
E-mail : domestic@soniofficemate.com, export@soniofficemate.com
Website : www.soniofficemate.com

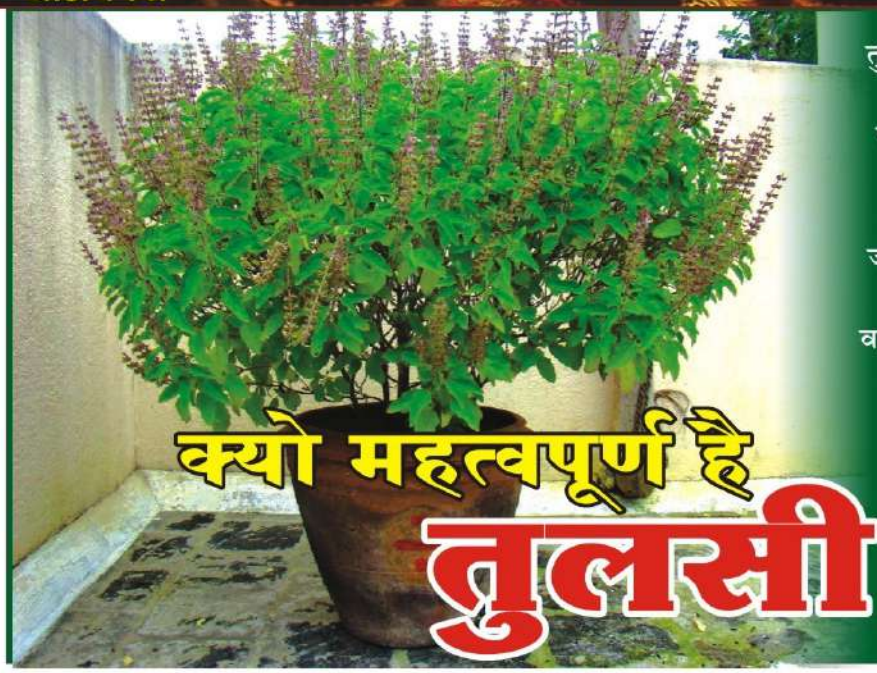

क्यो महत्वपूर्ण है तुलसी

तुलसी कहने को तो मात्र एक वनस्पति है, लेकिन हमारी सनातन संस्कृति ने हर घर में इसे अनिवार्य किया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार जहां तुलसी का वास होता है, वहां सभी सुख-समृद्धि का वास होता है। माहेश्वरी संस्कृति में तो तुलसी विवाह के आयोजन द्वारा इसे महिमा मंडित भी किया गया है। आईये देखें इसका क्या है, वैज्ञानिक महत्व?

टीम SMT

तुलसी का अत्यधिक औषधीय महत्व है। इसकी तीव्र सुगंध तथा तीक्ष्ण स्वाद इसे जीवनदायी संजीवनी बना देते हैं। इस पौधे का 'सत' कई प्रकार की व्याधियों जैसे खाँसी, सर्दी, पेट की बीमारियां, हृदय रोग, ज्वर आदि के निवारण के काम आता है। कपूर, तुलसी का सत अधिकतर औषधीय प्रयोग में आता है जबकि आज इससे प्रसाधन सामग्री बनाई जा रही है। तुलसी का पौधा पर्यावरण को प्रदुषण से बचाता है तथा मच्छरों व अन्य हानिकारक कीटों से बचाव भी करता है। मलेरिया के ज्वर में तुलसी एक प्राण रक्षक औषधि का कार्य करती है। हिंदुओं में क्रियाकर्म से पूर्व शरीर को तुलसीजल में स्नान कराया जाता है व मरने वाले की जिह्वा व छाती पर तुलसी पत्र रखा जाता है।

किचन में जायके का राजा

टमाटर के साथ तुलसी का स्वाद अद्वितीय है। यह प्याज, लहसुन के साथ भी भरपूर स्वाद देती है। यह भूख को बढ़ाती है। तुलसी की चाय अत्यंत स्वादिष्ट होती है व कई व्याधियों का निदान करती है। पौधे का प्रमुख भाग उसकी पत्तियाँ हैं। छोटे तने तो ठीक है पर मोटे और पुराने तने कड़वे होने के कारण खाए नहीं जा सकते। इसके पीले-सफेद रंग के पुष्प खाने के योग्य होते हैं। खाना पकाने के अंत में तुलसी पत्र मिलाने से खाने का स्वाद दोगुना हो जाता है जबकि इसे पकाने से इसके तेल नष्ट हो जाते हैं। लहसुन व जैतून के तेल के साथ पीसने पर तुलसी पिस्तों बनाने की एक महत्वपूर्ण सामग्री बन जाती है। पेस्तों और पिस्तों नामक इटली के पकवान तुलसी के बिना अधूरे हैं।

कई रोगों में रामबाण

औपचारिक गुण-तुलसी के कई औषधीय उपयोग हैं। इसकी पत्तियाँ याददाश्त को तीव्र बनाती हैं।

ज्वर एवं सर्दी - कई प्रकार के ज्वरों के लिए तुलसी की पत्तियाँ रामबाण औषधि का काम करती हैं। वर्षा ऋतु में जब मलेरिया और डेंगू ज्वर का खतरा बढ़जाता है, तुलसी की दो पत्तियों को पिसी इलायची तथा शक्कर एवं दूध के साथ आधा लीटर पानी उबालकर बना हुआ काढ़ा एक त्वरित उपचार है। तुलसी का सत् ज्वर का निदान करता है। ज्वर उतारने के लिए तुलसी पत्र का ताजे पानी में बना सत हर 2-3 घंटे में देना चाहिए तथा बीच-बीच में ठंडा पानी देते रहना चाहिए।

खाँसी - कई प्रमुख खाँसी की दवाओं की मुख्य उत्पाद तुलसी ही होती है। ब्रॉन्काइटिस और अस्थमा में ये कफ को ढीला करती है। तुलसी पत्र चबाने से खाँसी-सर्दी में आराम मिलता है।

गले में खराश - से आराम पाने के लिए तुलसी पत्र को पानी में उबालकर पीना चाहिए तथा इससे गरारे करना चाहिए।

श्वास संबंधी बीमारियाँ - शहद और अदरक के साथ तुलसी का काढ़ा ब्रॉन्काइटिस, अस्थमा, फ्लू, सर्दी व खाँसी के लिए एक रामबाण औषधि है। इन्फलुएन्जा से बचाव के लिए तुलसी, लौंग और नमक का काढ़ा पीना चाहिए। काढ़ा बनाने के लिए पानी को उबालकर आधा करना चाहिए।

किडनी की पथरी - छह महीने तक लगातार शहद के साथ तुलसी पत्र लेने पर पथरी की शिकायत जड़ से निकल जाती है।

हृदय रोग- रक्त में कोलेस्ट्रॉल का दबाव कम कर तुलसी हृदय रोग तथा कमजोरी से राहत देती है।

बच्चों की व्याधियों- तुलसी सत से बच्चों की सामान्य बीमारियाँ जैसे- खाँसी, सर्दी, दस्त-उल्टी, ज्वर से राहत मिलती है।

तनाव- तनाव से बचाव के लिए एक स्वस्थ आदमी को भी 10-12 तुलसी पत्र दिन में दो बार खाने चाहिए।

मुंह की बीमारियां- तुलसी पत्र को चबाने से मुंह की बीमारियां भी दूर होती हैं और अल्सर भी।

कीड़ों का दंश- कीट दंश के लिए भी तुलसी लाभकारी है। जोंक व अन्य कीटों के दंश के बचाव के लिए तुलसी पत्र के ताजे रस को शरीर के प्रभावित अंग पर मलना चाहिए और इसका सेवन भी करना चाहिए।

त्वचा रोग- त्वचा रोग जैसे दाद, खाज, खुजली आदि से उपचार के लिए भी तुलसी उपयोगी है।

दाँत की बीमारी - इसकी सूखी पत्तियों से दाँत माँजना चाहिए। दाँतों की सुरक्षा के लिए तुलसी व हल्दी का मलहम उपयोगी है।

सिरदर्द- तुलसी तीव्र सिरदर्द में भी दवा का काम करती है। यह सिर व शरीर को ठंडक प्रदान करती है।

नेत्र रोग- रतौंधी व आँखों में जलन का उपचार तुलसी के सतकारा से हो सकता है। रात में सोने के पहले श्याम तुलसी के रस की दो बूँद आँखों में डालनी चाहिए।

श्री महेश सेवा समिति अमरावती के पदाधिकारी एवं सदस्यों की ओर से

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

समिति द्वारा 31 मार्च 2018 तक समाज एवं अन्य अलग-अलग घटकों को वितरित की गई सहायता राशि का विवरण

छात्रवृत्ति	- 67,77,000	शल्यक्रिया	- 16,81,000
वैद्यकीय सहायता	- 22,34,000	आर्थिक सहायता	- 28,34,000
शैक्षणिक सहायता	- 11,40,000	कुल सहायता राशि	- 1,48,66,000

अध्यक्ष
कमलकिशोर राठी
मो. 08805788380

उपाध्यक्ष
डॉ. जुगलकिशोर सिकची
मो. 09730604004

कोषाध्यक्ष
विठ्ठलदास जाजू
मो. 09420713187

सचिव
ॲड. आर.बी. अटल
मो. 09422158450

सहसचिव
प्रवीण चांडक
मो. 09423462694

महेश अतिथी गृह - ठहरने की उत्तम व्यवस्था एवं एसी कमरे
शीघ्र ही अत्याधुनिक रेस्टॉरेन्ट प्रारंभ हो रहा है।

महेश भवन-महेश अतिथी गृह

बडनेरा, अमरावती (महाराष्ट्र) फोन - 0721-2710752, 2510507

आज के दौर में मोबाइल हमारे जितने अधिक साथ रहता है, शायद दूसरा कोई नहीं। उसने हमारी जिंदगी को आसान तो बना दिया है लेकिन यही हमारा खास दोस्त हमारे जीवन को ठीक उसी तरह तबाह करने में भी देर नहीं लगाता, जिस तरह जिगरी दोस्त ही संबंध बिगड़ने पर सबसे बड़ा शत्रु बनता है। आईये देखें ऐसा क्यों होता है और कब?

दुश्मन बनता खास दोस्त मोबाइल

▸▸ रुचिका सोमानी, गंगटोक (सिक्किम)

मोबाइल आज हमारी जिंदगी का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है। मोबाइल के बिना हम अपनी जिंदगी की कल्पना भी नहीं कर सकते। अमीर हो या गरीब सभी मोबाइल से जुड़े हैं। निश्चित रूप से मोबाइल द्वारा सामाजिक संपर्क बढ़ रहे हैं, मोबाइल के माध्यम से लोगों की दूरियां भी कम हुई हैं। अपने प्रियजनों से संपर्क अधिक बढ़ा है। बाजार में ऐसे फोन उपलब्ध हैं, जिनमें कई तरह के कार्य एक साथ संभव है- जैसे कि इंटरनेट का प्रयोग, उससे जुड़े सभी तरह के कार्य जैसे रिकार्डिंग करना, फोटो खींचना, फिल्म देखना, गाने सुनना या मनपसंद टीवी सीरियल देखना आदि। अगर आपको किसी से बात करनी है, तो बिना फोन नंबर याद रखे आप उसे कॉल कर सकते हैं। ज्यादातर मोबाइल में कैलेंडर, अलार्म घड़ी, केलक्युलेटर, टाइमर और नोटबुक की सुविधा भी उपलब्ध हैं। आप कहीं जा रहे हैं और आपको रास्ते का पता नहीं है, तो आप जीपीएस एक्टिव कर उस रास्ते का पता लगा सकते हैं।

एडीक्ट बना रहे हैं मोबाइल

इसकी खासियत की वजह से ही इस्तेमाल करने वालों को धीरे-धीरे मोबाइल की लत लग जाती है। डॉक्टरों की मानें तो मोबाइल की लत लगने से 20-30 साल के 60 प्रतिशत युवकों को नोमोफिबिया जैसी बीमारी से जूझना पड़ता है। हम बात कर रहे हैं, मोबाइल की सुविधा में डुब चुके उन लोगों की। यहाँ तक कि कई बार जान से भी हाथ धोना पड़ता है। उनके इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के अंदर मोबाइल के गुम हो जाने का डर भी एक नई बीमारी के रूप में जन्म ले रहा है। सभी लोगों को डर रहता है कि कहीं उनका फोन गुम न हो जाए, खराब न हो जाए, कहीं सिग्नल न चला जाए, ऐसा डर युवाओं को मानसिक रोगी बना रहा है। आज के दौर में व्यक्ति अपनी मोबाइल की रिंग टोन सुनने का इतना आदी हो चुका है कि रिंगटोन न बजने पर भी उसकी धुन उन्हें सुनाई देती है। मोबाइल के कारण ठीक से नींद न आना और एकाग्रता की कमी जैसी समस्या भी हो सकती है। अक्सर लोग सोते समय मोबाइल को अपने तकिए के नीचे वाइब्रेटर या साइलेंट मोड पर करके सोते हैं, लेकिन मोबाइल को इस तरह रखने का तरीका स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। डॉक्टरों का कहना है कि मोबाइल को तकिए के नीचे रखकर सोने से दिमाग की तरंगे प्रभावित होती है। आलम यह है कि कुछ लोग फोन के बिना अपने आपको असुरक्षित महसूस करते हैं। डॉक्टरों का मानना है कि लगातार मोबाइल पर टाइप करने से ब्लेक बेरी थंब नाम की बीमारी होती हैं, इसमें अंगूठे, ऊंगलियों और कलाई में दर्द होता है।

कई दुर्घटनाओं का कारण

मोबाइल पर घंटों समय बिताना युवाओं की मजबूरी है और मनोरंजन का जरिया बन चुका है। छात्र पढ़ाई करने के बदले मोबाइल फोन पर चैटिंग और गाना सुनने में समय बर्बाद करते हैं। जैसा कि आपने समाचारों में सुना होगा हेडफोन लगाकर रेल पटरी में चलते समय, गहरी जगह सेल्फी लेते समय मोबाइल स्क्रीन पर देखते हुए, सड़कों पर चलते समय लोग छोटी-बड़ी दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते हैं। एक सर्वे के अनुसार गाड़ी चलाते समय मोबाइल से बात करते हुए हुई दुर्घटनाओं में पूरे भारत में लगभग 2100 के करीब मौतें होती हैं।

दिल से दिल की बढ़ी दूरी

आईएमए के डॉक्टर जे. नागपाल ने बताया कि मोबाइल के चलते कैसे सोशल मीडिया की वजह से बच्चे परिवारों से अलग हो रहे हैं। घंटों मोबाइल पर बाते करने की वजह से एक तो व्यक्ति का कीमती समय नष्ट होता ही है, वहीं श्रवण शक्ति भी प्रभावित होती है। एक समय होता था, शाम को पूरा परिवार एक साथ बैठकर दिनभर के अपने दुःख-सुख साझा करते थे, हँसी-मजाक करते थे। आज स्थिति यह है कि घरों में बड़ो से लेकर बच्चों तक सभी अपने मोबाइल में व्यस्त रहते हैं। कैसी विडम्बना है कि सात समुंदर पार हम लोगों से गुफ्तगू तो कर लेते हैं पर एक ही छत यहां तक कि एक ही कमरे में दो अलग-अलग व्यक्ति या पति-पत्नी अपने-अपने मोबाइल पर अपनी अलग दुनिया में मशगूल रहते हैं। मेरा मानना है कि मोबाइल जोड़ने के लिए है, तोड़ने के लिए नहीं। यहाँ हमें विचार करना होगा कि मोबाइल ने दूरियाँ घटाई हैं या बढ़ाई हैं?

मोबाइल की वास्तविक उपयोगिता से हुए दूर

मोबाइल का जब आविष्कार हुआ था तब खुशी थी कि दूर होते हुए भी हम अपने प्रियजनों से बात कर पा रहे हैं या उन्हें देख पा रहे हैं। अब हालत यह है कि मोबाइल के नशे में हम इतने डूब चुके हैं कि न होश है, न खबर कि कब कैसे हम अपनी कीमती जान और समय गवां रहे हैं। हमारे लिए यह विचार करने और सोचने का विषय है कि मोबाइल हम जेब में रखते हैं या मोबाइल हमें जेब में रखता है। इस ओर ध्यान देते हुए मोबाइल का सीमित ही प्रयोग करना चाहिए। रास्ते पर चलते समय और गाड़ी चलाते समय मोबाइल के प्रयोग से बचे। इसके साथ ही हेडफोन लगाकर सड़क पर या रेल की पटरी पर ना चले। मेरा आपसे अनुरोध है कि मोबाइल का उपयोग अवश्य करें, लेकिन घर में मोबाइल उपयोग करने का कुछ समय निर्धारित कर लें। कुछ समय अपने परिवार के साथ जरूर बितायें।

With Best Compliments from

Balkrishan Bang
9461434230

Ramprakash Bang
9388605053

Rameshwarlal Bang
9414496331

DR. Vijay Bang
8129272101

Bharat bang
9495932910

Vinay Bang
7300145696

Bang Krshi Farm
Paladi Ranwata,
Dist. Jodhpur (Raj.)

Bang Property
Kachery Choraya,
Jodhpur (Raj.)

Bang Krshi Farm
Rampuriya
Dist. Bara (Raj.)

MARBLE CENTRE

Wholesale Dealer Of Granite, Tiles ,Marble, Ceramic Tiles

Ramprakash Bang
(Secretary Maheshri Sabha Cochin)

Pramila Bang
(Vice Prasident MMM. Cochin)

32/1476, Palarivattom Bye Pass, Near Asianet, Palarivattom, Cochin - 682025, Kerala.
PH. 0484 2340122, 2340583, E-mail:- vijaybang1989@yahoo.com

NATURAL MARBLES

VARAPUZHA (KOCHI)

DEALERS IN VITRIFIED TILES AND GRANITES.

having company products of SOMANY AGL CERA JOHNSON REDEFINING LIFESTYLES, WORLDWIDE. Simpolo ZEALTOP etc.

दीपावली की रात को जो हम पूजा करते हैं, उसे साधारण शब्दों में 'लक्ष्मी पूजन' कहा जाता है। आज ज्यादातर लोग समझते हैं कि लक्ष्मी का अर्थ है धन की देवी या रुपया-पैसा। ये लक्ष्मी शब्द का बहुत संकुचित अर्थ हो गया। वास्तव में इस शब्द का अर्थ बहुत गहरा व विशाल है, जिसे समझना बहुत जरूरी है।

जाने लक्ष्मी का वास्तविक अर्थ

▸▸ शरद गोपीदास बागड़ी, नागपुर

लक्ष्मी शब्द की उत्पत्ति संस्कृत की 'लक्ष' धातु से हुई है। इसका शाब्दिक अर्थ है 'लक्ष्य', जीवन के लक्ष्य की ध्यानपूर्वक खोज इत्यादि। इसका अर्थ ये है कि जब हम मन-कर्म-वचन से एकाग्रचित्त होकर कोई कार्य करते हैं तो उसका जो फल प्राप्त होता है उसे 'लक्ष्मी' कहते हैं। लक्ष्मीजी की पूजा करने से पहले हमें यह बात समझना बहुत जरूरी है। एक बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिये कि लक्ष्मीजी विष्णु भगवान की पत्नी हैं इसलिए लक्ष्मीजी का उपयोग करे ना कि लक्ष्मीजी का उपभोग करे अर्थात लक्ष्मीजी का सच्चाई, सादगी के साथ परोपकार, परमार्थ, धर्म, दया के साथ उपयोग करे। ऐसा करने से लक्ष्मीजी हमारे यहां टिकी रहेंगी।

वेदों ने भी कहा सौभाग्य धर्म की देवी

हमारे प्राचीन ऋषियों का प्रत्येक कार्य तप, ध्यान इत्यादि का उद्देश्य हमेशा शुभ एवं आध्यात्मिक समृद्धि के लिए होता था। तब लक्ष्मी का अर्थ जीवन के चार आयामों धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष के समन्वय से जीवन को परमतत्व के मार्ग पर ले जाना था। हमारी सबसे प्राचीन पुस्तक ऋग्वेद में भी लक्ष्मी देवी का उल्लेख आता है परंतु वहां लक्ष्मी का अर्थ धन की देवी नहीं, सौभाग्य एवं धर्म की देवी है, जो मानवीय लक्ष्य की ओर किया हुआ इशारा है। धन की उपयोगिता सीमित है। इस संसार में आप धन से सबकुछ नहीं प्राप्त कर सकते। न धन से आप माता-पिता खरीद सकते हैं, न प्रेम, न ज्ञान। ऐसा बहुत कुछ है जो धन से नहीं खरीदा जा सकता। परंतु सौभाग्य से आप जो चाहें वो प्राप्त कर सकते हैं। अथर्ववेद में भी लक्ष्मी को शुभता, सौभाग्य, संपत्ति, समृद्धि, सफलता एवं सुख का समन्वय बताया गया है। पुराणों में लक्ष्मी के आठ प्रकार बताए गए हैं जिन्हें 'अष्ट-लक्ष्मी' के नाम से संबोधित किया गया है। ये हैं आदिलक्ष्मी, धान्यलक्ष्मी, धैर्यलक्ष्मी, गजलक्ष्मी, संतानलक्ष्मी, विजयलक्ष्मी, विद्यालक्ष्मी एवं धनलक्ष्मी।

स्वरूप में भी गूढ़ार्थ निहित

लक्ष्मी की उत्पत्ति समुद्र मंथन के समय मानी गई है। विभिन्न देवताओं की भिन्न-भिन्न शक्तियों का मूल स्त्रोत भी माता लक्ष्मी ही हैं। पुराणों कें अनुसार माता लक्ष्मी ने अग्निदेव को अन्न का वरदान दिया, वरुण देव को विशाल साम्राज्य का, सरस्वती को पोषण का, इंद्र को बल का, बृहस्पति को पांडित्य का इत्यादि-इत्यादि। इससे सिद्ध होता है कि माता लक्ष्मी की कृपा जिस पर भी हो जाए उसे नाना प्रकार के ऐश्वर्य, सुख, साधन, वैभव की प्राप्ति होती है। माता लक्ष्मी के हाथ में कमल है। शास्त्रों में कमल को ज्ञान, आत्म एवं परमात्म साक्षात्कार एवं मुक्ति का प्रतीक माना गया है। हमारा लक्ष्य हमे जल-कमलवत् रहने की शिक्षा देता है। इसका अर्थ है कि समस्त ऐश्वर्य के बीच रहते हुए भी जीव को निर्लिप्त रखना। माता के दोनों ओर दो गज शक्ति का प्रतीक हैं। माता लक्ष्मी का वाहन उल्लू है जो अंधेरे में भली-भांति देखने में सक्षम है। इसका अर्थ है कि जब चहुंओर दुःख का अंधकार छाया हो तो माता की कृपा से हमारी दृष्टि सम्यक रहती है एवं हम अपना मार्ग सरलता से ढूंढसकते हैं। माता लक्ष्मी के हाथ से हमेशा धनवर्षा होती रहती है जो इस बात की सूचक है कि हमें केवल धन का संग्रह ही नहीं करना है अपितु उसे वास्तविक सत्य-धर्म कार्य के लिए खर्च कर धर्मार्थ के मार्ग को सार्थक भी करना है।

विष्णुप्रिया हैं लक्ष्मीजी

माता लक्ष्मी ने भगवान विष्णु को पति रूप में वरण किया है जो सर्वश्रेष्ठ हैं। लक्ष्मीजी विष्णुप्रिया हैं। माता सदा विष्णुजी के चरणों में रहती हैं। यह इस बात का द्योतक है कि धन आदि ऐश्वर्य सदा उत्तम पुरूषों के पास ही टिकता है जो विष्णु भगवान के गुण अपनाते हैं अर्थात सिर्फ लक्ष्मीजी की पूजा आराधना से लक्ष्मी नहीं आती। अधम पुरुषों जो विष्णुजी के आचरण के विपरीत व्यवहार करते है उनको लक्ष्मीजी की प्राप्ति नहीं होती और यदि संयोगवश प्राप्ति हो भी जाए तो लक्ष्मीजी वहां हमेशा के लिए टिकती नहीं है। कलियुग में लक्ष्मी का वास नारी में कहा गया है। अतः कन्या के जन्म पर कहा जाता है कि लक्ष्मी जी पधारी हैं। विद्वानों का ये भी कहना है कि यदि हम कन्या के अवतरण पर निराश हो जाते हैं तो लक्ष्मी उल्टे पांव लौट जाती है। जिस घर में नारी का आदर होता है, वहां माता लक्ष्मी की विशेष कृपा होती है एवं जहां नारी का अनादर होता है वहां से लक्ष्मी का पलायन हो जाता है। माता लक्ष्मी की कृपादृष्टि हेतु समस्त नारी जाति का सम्मान करना अत्यावश्यक है। चूंकि माता लक्ष्मी समस्त प्रकार के ऐश्वर्य की प्रदात्री हैं इसलिए माता लक्ष्मी को केवल धन की देवी मानने की भूल न करें।

With Best Compliments from

Company Identification No. U51100GJ1989PLC012428

SURYA GROUP

Surya Exim Limited

3040, Jash Textile & Yarn Market, Ring Road, SURAT (Guj.)-395 002, INDIA
Tel. : 0261-4083100/101/116
Fax : 0261-4083120, 2328842
E-mail : info@surya-exim.com, suryaexim@hotmail.com, jpsaboo@hotmail.com
Website : www.surya-exim.com

BANSWARA

PRODUCT PORTFOLIO

Yarns

Blends of -

- Polyester
- Wool
- Viscose
- Acrylic
- Cotton
- Lycra
- Fire Retardant

Finishes

- Stain Repellant
- Anti Fungal
- Moisture Management
- Anti Wrinkle
- Aroma

Fabrics

- Poly Viscose and Lycra Blends
- Wool, Polyester & Lycra Blends
- Cotton and Linen Shirting
- Jacquards for Home & Automotive
- Uniforms

Garment

- Suits
- Formal Trousers

BANSWARA SYNTEX LIMITED

CORPORATE OFFICE

5th Floor, Gopal Bhawan 199, Princess Street, Mumbai - 400 002

Tel : +91 22 66336571-76 Fax : +91 22 22064486 Email : info@banswarafabrics.com

REGISTERED OFFICE & MILLS
Industrial Area, Dohad Road,
Banswara - 327 001 (Rajasthan)
Tel : +91 2962 240690-93, 257679-68
Fax : +91 2962 240692
Email : info@banswarafabrics.com

BANSWARA SYNTEC LIMITED
UNIT SURAT
Plot No. 5 & 6, Surat Apparel Park
SEZ Sachin, Surat - 394 230
Tel : +91 261 2390352 - 53, 2390363
Fax : +91 261 2390364
Email : info@banswaraapparels.com

BANSWARA GARMENTS
A Unit of Banswara Syntex Limited
Survey No. 713/1, 2, 3 & 725/1,2 - 722/9
Sangita Dham & Complex,
Near savita Farm, Somnath
Nani Daman, Daman & Diu - 396210
Tel : + 91 260 2240967 - 68
Fax : + 91 260 2240969
Email : info@banswaragarments.com

BANSWARA GARMENTS
A Unit of Banswara Syntex Limited
Survey No. 98/3-85/3 & 4, 86/2
Kadaiya Industrial Estate
Village Kadaiya, Nani Daman
Daman & Diu - 396210
Tel : + 91 260 2240967-68
Fax : + 91 260 2240969
Email : info@banswaragarments.com

Contact us - pkrishnan@banswarafabrics.com www.banswarasyntex.com

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

रिश्ते ही रिश्ते

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

खुश रहें... खुश रखें...

खुदा से प्रेम तो उसकी बनाई दुनिया से नफरत कैसे?

संसार में कुछ शब्द बहुत गलत तरीके से समझे गए और उन्हीं में से एक है प्रेम। इस शब्द के साथ न सिर्फ नादानी हुई बल्कि खूब अत्याचार भी हुआ। कभी इस पर वासना का आवरण लपेटा गया तो कभी मोह की चादर बांध दी गई। इमाम शाफी नाम के मुस्लिम संत इस कदर प्रेम में डूबे हुए थे कि उनसे छोटे, उनके हम उम्र तो उनके मुरीद थे ही लेकिन उनसे बड़ी उम्र के लोग भी उनके पीछे भागते फिरते थे।

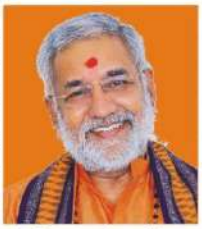

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

अध्यात्म में परमात्मा के प्रति प्रेम और भय दोनों एक साथ चलते हैं। यह अजीब से मेलजोल है। वैसे जहां प्रेम है वहां भय नहीं होता और जहां भय है, वहां प्रेम नहीं होगा, लेकिन ऊपर वाले के रिश्ते में ये दोनों एक साथ चलते हैं।

एक बार एक खलीफा ने खयाल किया कि इमाम शाफी से एक फैसला करवाया जाए। उनकी परीक्षा भी हो जाएगी और मेरा भ्रम भी दूर होगा। खलीफा ने सवाल किया कि इमाम यह बताएं कि मैं जन्नती हूं या दोजखी? यानी मैं स्वर्गवासी हूं या नर्कवासी।

फैकीर इमाम ने खलीफा से एक सवाल पूछा, " क्या जिंदगी में ऐसा हुआ है कि कोई गुनाह करने के पहले अल्लाह के खौफ के कारण आपने वह गुनाह नहीं किया?" खलीफा ने कहा कि हाँ ऐसा मौका आया है। इमाम शाफी बोले तो आप जन्नती हैं, स्वर्ग के हकदार हैं, आप स्वर्ग में ही जाएंगे।

लोगों ने सवाल किया- आपके फैसले का आधार क्या है? तो फकीर ने कहा कि कुरआन में आयत आई है जिसका मतलब है कि जिस शख्स ने गुनाह का कस्द (विचार) किया और फिर खौफे-इलाही (प्रभु-भय) की वजह से गुनाह करने से दूर रहा तो उसका घर जन्नत है।

इसलिए उस परमपिता के प्रति हमारे भीतर ऐसा प्रेम होना चाहिए जो विस्तारित होकर सारी दुनिया के लिए फैल जाए। जो खुदा से प्रेम करे वह उसकी बनाई हुई दुनिया से नफरत कैसे कर सकता है।

Net Protector
NP AV
Total Security
PC, Laptop
Tablet, Mobile
सुरक्षा
PC Kaa Doctor
Net Protector
AntiVirus
Internationally
Tested & Certified
ISO 9001:2008
WhatsApp
92.72.70.70.50
98.22.88.25.66

Computerised
Horoscope
Most Advanced
Mathematical
Software in India
Windows
based Software
- Accurate Calculations
- Accurate Charts
- Full Screen VIEW Facility
- Use any printer - Dot Matrix or Inkjet or Laser.

Choice of 6 Languages
English
Marathi
Hindi
Gujarati
Kannada
Telugu

Call: 922.566.48.17
98.22.88.25.66
Kundali 2018
www.kundalisoftware.com

खाना-खजाना

बेसन खोया बर्फी

सामग्री- 1 कप बेसन, 1/2 कप मावा, 1/2 कप कंडेन्स मिल्क, 1/4 कप पावडर शुगर, कटे काजू, 2 चम्मच घी, 1 चम्मच इलायची पावडर

विधि- सबसे पहले तो एक कढ़ाई में घी गरम करें, फिर उसमें काजू के कटे टुकड़े डालकर तब तक भूनें जब तक की वो गोल्डन ब्राउन न हो जाएं और फिर किसी प्लेट पर निकालकर अलग रख लें। अब कढ़ाई में बेसन डालकर हल्का भूरा होने तक अच्छी तरह उसे भून लें। जब बेसन से घी अलग होने लगे और बेसन से अच्छी खुशबू आने लगे तब, बेसन को आंच से उतारकर ठंडा होने के लिए रख दें। जब तक बेसन ठंडा हो रहा है, तब तक आप कढ़ाई में खोया डालकर 2-3 मिनट तक गरम कर लें, जिससे वह थोड़ा ढीला हो जाए।

उसके बाद इसमें कंडेन्स मिल्क और शुगर मिक्स करें। अब इसमें इलायची पावडर, भुने हुए काजू के टुकड़े और बेसन और खोया मिक्स करें। अब कढ़ाई को धीमी आंच पर चढ़ाएं और उसमें बेसन और खोए के मिश्रण को डालकर लगातार चलाते रहें। जब ये मिश्रण कढ़ाई से चिपकना बंद हो जाए तब इसे निकाल कर एक घी लगी थाली में डालकर फैला दें। मिश्रण सूखने के बाद इसे चाकू से मन पसंद शेप में काटें। आप चाहें तो बर्फी को 30 मिनट या 1 घंटे के लिए फ्रिज में भी रख सकती हैं। इससे वो अच्छे से जम जाए।

पुनम राठी, नागपुर
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

विशुद्ध मेंढक रूपी नेता

खम्मा घणी सा हुक्म चुनाव रा दिन नजदीक आ ग्या है सारा नेता आपरे बिल सूं निकळ मंचा पर भाषण देवता नजर आवे । हुक्म याणे देख न म्हने बरसाती मेंढकों री याद आ गी ज्यों बरसात हुवते ही मेंढक सब बारे आ जावे और टर्र टर्र करे यूँ ही चुनाव आते ही सब नेता रा टर्र - टर्र भाषण शुरू....

यूँ तो हुक्म आपा देखा तो मेंढक लुप्त ही हूँ ग्या है क्योंकि बरसात में भारी कमी हुई है ...अबे तो काल्पनिक वर्षा, आभासी वर्षा, डिजिटल वर्षा बादल घूमता नजर आवे नाचता दिखे पर टाय-टाय फिस.... एड़ा में कुण तो मेंढक गर्दन उठाने ने टर्रावे। अब तो बरसाती मेंढक तो खत्म -सा हूँ ग्या। अब बरसाती मेंढक रे रूप में नेता रूपी एक नई **प्रजाति** आ गयी... जिन्हें आपा विशुद्ध मेंढक कह सका याणि कबिलियतता बहुत ज्यादा और अद्भुत। लंबे समय तक खावण-पिवण री जुगाड़ में महारथी। हुक्म यूँ लागे कि ये **विशुद्ध मेंढक** रेगिस्तानी ऊंटों सूं आपरो यो गुण विकसित करियों क्योंकि ऊंट भी एक बार जी - भर ने खा-पी लेवे तो कई महिना आपरो जीवन आराम सूं गुजार सकें ठीक यूँ ही ये मेंढक रूपी नेतागण भी एक बार टर्रा लेवे तो कम से कम पांच साल टर्रावण री जरूरत नहीं राखे ।

हुक्म या प्रजाति आपरी आवण वाळी पीढ़ी रे प्रति भी बहुत सवेंदनशील रेह्वे, जरूरत पड़े तो बाल बच्चों, पत्नियों सास , दामाद और रिश्तेदारों सहित एकता री राग में टर्रावे और मधुर राग में जनता में ऐड़ो भ्रम पैदा कर देवे की भोळी जनता यां ही मान लेवे की आषाढ़ रो महीनों आय ग्यों क्योंकि चुनाव रे समय ही ये लोग बारे आवे। सही कहुँ तो हुक्म कि देश री जनता ही जागरूक नहीं है जणे ये मेंढक रूपी नेता बिन मौसम टर्रावण रों फायदों लेवे और आपा याणे टर्रावण में आनन्द लेने खुद रे पैरां पर कुल्हाड़ी मारा... **दोषी कुण..?** बरसाती मेंढक या आम जनता?

विचार करिजो।

मुलाहिज़ा फरमाइये

कोई खास बात नहीं है मुझमें
बस मुझे समझने वाले ही कुछ खास होते हैं

किसी की चंद गलती पर न कीजिये कोई फैसला
बेशक उसमें कमियां होगी, पर खूबियां भी हो होगी।

जिसके लफ्जों में हमे अपना अक्स मिलता है
बड़े नसीबों से ऐसा कोई शख्स मिलता है।

दोस्ती में ही ताकत है साहब अपनो को झुकाने की,
बाकी सुदामा में कहाँ ताकत थी श्रीकृष्ण से पैर धुलवाने की।

जीते जी इंसान की प्यास कभी नहीं बुझती
शायद इसलिए अस्थियां नदी में बहाई जाती है।

पागल हो जाने का भी गजब फायदा है साहेब
लोग पत्थर तो उठाते है मगर उँगली नहीं।

किरदार में मेरे चाहे अदाकारियाँ नहीं
खुद्दारी है गुरुर है पर मक्कारियाँ नहीं।

▸▸ **ज्योत्सना कोठारी**, मेरठ

राशिफल

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

इस माह में आपको राजनीति में प्रतिष्ठा मिलेगी, नये कार्य शुरू करेंगे। मांगलिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। नये मेहमान का आगमन होगा। नौकरी में प्रमोशन मिलेगा। न्यायालीन प्रकरणों में सफलता मिलेगी। विपरित योनी की ओर रुझान बढ़ेगा। घर परिवार के साथ मस्ती का समय व्यतीत होगा। पैतृक सम्पत्ति का विवाद सुलझेगा। प्रत्येक इच्छा पूरी होगी और आपकी योग्यता एवं प्रतिभा का सम्मान होगा किंतु धन का लेन-देन न करें। शुभ समाचार प्राप्त होगा।

वृषभ

यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा किंतु राजनीति संपर्क का लाभ मिलेगा। नौकरी में प्रमोशन, यश, प्रतिष्ठा और मित्रों का सहयोग मिलेगा। घर के लिये साज-सज्जा का समान खरीदेंगे। शादी समारोह में व्यस्तता रहेगी। शुभ समाचार मिलेगा। नई-नई योजनाओं पर कार्य करेंगे। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखें किंतु माता से वैचारिक मतांतर बने रहेंगे। प्रेम प्रसंगों की ओर झुकाव रहेगा।

मिथुन

यह माह आपको व्यवसाय में लोकप्रियता प्रतिष्ठा मिलेगी। धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर भाग लेंगे। यात्रा का सुअवसर प्राप्त होंगे। विवाह उत्सव में व्यस्तता तथा खर्च की अधिकता रहेगी। नौकरी में प्रमोशन के योग रहेंगे। मीडिया एवं टेलीविजन के लोगों से लाभ मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। जीवन साथी से पूरा सहयोग मिलेगा। घर में आनंद और प्रसन्नता के साथ व्यतीत होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान रखें। कोई शुभ अवसर मिलेगा।

कर्क

यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायक रहेगा। विरोधी परास्त होंगे। धार्मिक एवं आध्यात्मिक में रुचि बढ़ेगी। पुरस्कार प्राप्ति के सुअवसर मिलेंगे। उत्सव खरीददारी, दोस्तों एवं परिवार के साथ मौज-मस्ती में व्यतीत करेंगे। रुके कार्य पूरे होंगे। जीवन साथी से वैचारिक मतांतर बना रहेगा। विद्यार्थी वर्ग पढ़ाई पर ध्यान देवें। परिवार में तनाव तथा मतभेद दूर रहेंगे। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। विपरित योनी की ओर आकर्षण बढ़ेगा।

सिंह

इस माह आपको गुरुजनों का आशीर्वाद मिलेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि रखेंगे। उच्च शिक्षा तथा केरियर की ओर विशेष ध्यान रखें। मित्रों से सहयोग मिलेगा। माता-पिता के प्रति विशेष श्रद्धा बनी रहेगी। परिवार एवं बच्चों पर खूलकर खर्च करेंगे किंतु संतान से वैचारिक मतांतर भी बने रहेंगे। नौकरी में प्रमोशन के योग बनते हैं। विवाह कार्यक्रम में भाग लेंगे। घूमने-फिरने का प्रोग्राम बनायेंगे। ससुराल से अच्छे संबंध रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा।

कन्या

इस माह न्यायालीन प्रकरण में सफलता मिलेगी। मान-सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। घूमने-फिरने का प्रोग्राम बनेगा। धन सम्पदा में वृद्धि होगी। रुका पैसा मिलेगा। दान-पुण्य में सजग रहेंगे। जिंदगी के प्रति सकारात्मक सोच विचार के लिये सहायक सिद्ध होगी। लेखन कला की ओर रुझान बढ़ेगा। यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। वैवाहिक जीवन में कुछ वैचारिक मतांतर बने रहेंगे। बच्चों के ऊपर खर्च बढ़ेगा, नया काम शुरू होगा।

तुला

इस माह प्रमोशन मिलेगा, विरोधी परास्त होंगे। विपरित योनी की ओर आकर्षण बढ़ेगा। जीवन साथी से वैचारिक मतांतर बनेंगे। परिवार बच्चों में समय व्यतीत करेंगे। नई वस्तुएं खरीदेंगे। विद्यार्थियों को मन चाही सफलता मिलेगी। भौतिक सुख ऐश्वर्य में वृद्धि, मनोरंजन घूमने-फिरने का प्रोग्राम बनेंगे। भूमि, मकान खरीदेंगे। खर्च की अधिकता बनी रहेगी। स्वास्थ्य के प्रति सजग बने रहेंगे।

वृश्चिक

इस माह आपको मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पद प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। वाहनों से दूर रहें पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। साझेदारी से लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। राजनीति में रुचि रखेंगे। राजकीय कार्य में लाभ होगा। युवा वर्ग में उत्साह लंबी यात्रा होगी। जीवन साथी से आपसी सामंजस्य बना रहेगा। फैशन आप पर हावी रहेगा। मानसिक तनाव से मुक्त रहेंगे। मन चाही सफलता एवं व्यापार में वर्चस्व बढ़ेगा।

धनु

यह माह आपके लिये शांति पूर्ण रहेगा। यश, कीर्ति मिलेगी। आपके कार्यों की प्रशंसा होगी। नौकरी में उच्च अधिकारी आपकी मदद करेंगे। राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी। राजनीति में वर्चस्व बढ़ेगा। शत्रु परास्त होंगे, न्यायालीन प्रकरणों में सफलता मिलेगी। बच्चों की ओर से प्रसन्नता मिलेगी। अचानक लाभ होगा। बाहरी यात्रा होगी। विवाह समारोह, संगीत, खान-पान का मजा उठायेंगे। नये लोगों से संपर्क का लाभ मिलेगा। धन की प्राप्ति होगी। शुभ समाचार मिलेगा।

मकर

इस माह व्यापार में मजबूत स्थिति रहेगी। सम्पत्ति विवाद हल होंगे। बड़े बुढ़ों का आशीर्वाद मिलेगा। जीवन साथी से मधुरता बढ़ेगी। नौकरी में पद प्रतिष्ठ की प्राप्ति, नये मेहमान का आगमन होगा। उच्च विचार की ओर झुकाव रहेगा। त्योहारों की खरीददारी व भागदौड़ में व्यस्तता बनी रहेगी। गलत-फहमियों का निराकरण होगा। किसी पर भी भरोसा न करें, धोखा मिलेगा। शुभ समाचार मिलेगा।

कुम्भ

यह माह सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। अमूल्य वस्तु की प्राप्ति होगी। घर परिवार में उत्साह आनंद का माहौल रहेगा। धार्मिक यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। मित्रों की मदद मिलेगी। माता-पिता और संतान की ओर विशेष ध्यान देना पड़ेगा। नौकरी में प्रमोशन बोनस मिलेगा। नये साल में कहीं घूमने-फिर का प्रोग्राम बनेगा। जीवन साथी से प्रेम बढ़ेगा। नये वस्त्रभूषण, मोबाइल खरीदेंगे। व्यापार-व्यवसाय में लाभ के योग रहेंगे। विवाह आदि में रुकावट आयेगी।

मीन

यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा। अविवाहितों के विवाह संबंध होंगे। संगीत, खेल, फिल्म, सिनेमा के शौकिन अपने शौक पूरे करेंगे। धार्मिक शुभ कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। परिवार में आपकी छवि निखरेगी। आप परिवारजनों की हर मांग पूरी करेंगे। विवाह उत्सव में सम्मिलित होंगे। कठिन परिश्रम से बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे। फायनेंस के कागजों को सावधानी से पढ़े ऋण से बचे। प्रेम प्रसंगों की ओर रुझान बढ़ेगा।

एयर मार्शल श्री प्रतापचंद्र शारदा

अजमेर. एयर मार्शल श्री प्रतापचंद्र शारदा सुपुत्र स्व. श्री विजयकरण शारदा का गत 24 सितंबर को देहावसान हो गया। ग्वालियर मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की उपाधि हासिल करने के पश्चात 20 जुलाई 1959 को आप एयरफोर्स में शामिल हुए। आपने एवियेशन मेडिसिन में विशेष कोर्स किया था एवं उसमें महारथ हासिल की थी। 36 वर्षों की लंबी सेवा अवधि में आप एयरफोर्स में कई पदों पर कार्यरत रहे एवं 31 जुलाई 1995 को डीजीएमएस (एयर) पद पर कार्यरत रहते हुए सेवानिवृत्त हुए। सन् 1993 में तत्कालीन राष्ट्रपति शंकरदयाल शर्मा द्वारा अति विशिष्ट सेवा मेडल से आपको अलंकृत किया गया था। आपका अंतिम संस्कार आर्मड फोर्सेस मेडिकल सर्विसेस द्वारा राष्ट्रीय सम्मान के साथ किया गया।

श्रीमती पार्वतीदेवी जागेटिया

भीलवाड़ा. वरिष्ठ समाज सदस्य जमनालाल जागेटिया की धर्मपत्नी व श्रीराम, श्याम, रमेश तथा महेश की माता श्रीमती पार्वतीदेवी जागेटिया का स्वर्गवास गत 28 सितंबर को हो गया। श्रीमती जागेटिया सरल हृदय, हंसमुख, मिलनसार, व्यावहारिक स्वभाव की महिला थीं।

श्री गंगाबिशन जैथलिया

गुलाबपुरा. समाज सदस्य विनोदकुमार, प्रमोदकुमार, सुबोधकुमार व अरविंद के पिताजी समाज के पूर्व अध्यक्ष व सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक श्री गंगाबिशन जैथलिया का स्वर्गवास 2 अक्टूबर 2018, बुधवार को हो गया। श्री जैथलिया महेश शिक्षा सदन के संस्थापक सदस्य थे। आपने अपने परिवार के दो बच्चों से स्कूल की शुरुआत की जो आज माध्यमिक स्तर का समाज का विद्यालय है।

श्री संजय जाजू

पुणे. वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता गोपालराम विलास जाजू के छोटे भाई संजय जाजू का गत 30 सितंबर को 51 साल की उम्र में लंबी बीमारी के बाद देहावसान हो गया। आप भारत की सरकार के ऋण वसूली ट्रिब्यूनल (डीआरटी) के एक वरिष्ठ अधिकारी थे। आप अपने पीछे पत्नी और दो पुत्रियों से भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्रीमती कमलादेवी माहेश्वरी (पचीसिया)

कोलकाता. साल्ट लेक निवासी समाज सदस्य राजमोहन माहेश्वरी की माताजी श्रीमती कमलादेवी का हृदयगति रुक जाने से 80 वर्ष की उम्र में गत 5 अक्टूबर को निधन हो गया। आप अपने पीछे पुत्र, पुत्री, पौत्र, पौत्री, दोहित्री, प्रपौत्र एवं प्रपौत्री आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्री श्रीचंद मिमाणी

कोलकाता. समाज के 88 वर्षीय श्री श्रीचंद मिमाणी (सरदारशहर) का देहावसान गत 4 अक्टूबर को कोलकाता में हो गया। आप ख्यात समाजसेवी व सीए इलाहबाद निवासी कमल मिमाणी के पिता थे।

श्री सत्यनारायण राठी

इंदौर. समाज सदस्य श्री सत्यनारायण गोवर्धनलाल राठी ग्राम मावता तहसील पिपपलोदा जिला रतलाम (मप्र) का देहावसान गत 7 अक्टूबर को हो गया। आप नीलेश, राहुल व वैभव राठी के पिता तथा मंदसौर माहेश्वरी समाज के संगठन मंत्री राधेश्याम परवाल के बहनोई थे।

श्री रामधत नौलखा

भीलवाड़ा. महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी सचिव श्यामसुंदर व सत्यनारायण नौलखा के पिताजी व मधुसूदन, विनोदकुमार के ताऊजी श्री रामधत नौलखा का स्वर्गवास गत 10 अक्टूबर को हो गया है। आप अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्री गोवर्धनलाल बिरला

मांडल. समाज सदस्य तेजपाल व नारायण के बड़े भाई व ओमप्रकाश व हरीश के पिता श्री गोवर्धनलाल बिरला (सेवानिवृत्त बीएसएनएल) का असामयिक स्वर्गवास 17 अक्टूबर को हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।

> जीवन शतरंज के खेल की तरह है,
> और यह खेल आप ईश्वर के साथ खेल रहे हैं...
> आपकी हर चाल के बाद,
> अगली चाल वो चलता है,
> आपकी चाल आपकी 'पसंद' कहलाती है ,
> और उसकी चाल 'परिणाम' कहलाती है ...

पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

एवं

श्री महेश सामाजिक एवं पारमार्थिक संस्था

द्वारा अहिल्या नगरी इन्दौर में आयोजित

अ.भा. माहेश्वरी विवाह योग्य युवक–युवती परिचय सम्मेलन की

ऐतिहासिक सफलता पर सभी सहयोगी बन्धुओं का आभार

एवं

दीपपर्व की सभी समाजजनों को

हार्दिक मंगलकामनाएं

रविन्द्र राठी
मुख्य संयोजक

महेश तोतला
मुख्य संरक्षक

पुष्प माहेश्वरी
प्रदेश मानद मंत्री

राजेन्द्र इनाणी
प्रदेश अध्यक्ष

राम तोतला
प्रदेश कोषाध्यक्ष

गोपाल कृष्ण मानधन्या
अर्थ संयोजक

बंशीलाल भूतड़ा 'किरण'
संरक्षक

डॉ. वासुदेव काबरा
स्वागताध्यक्ष

अजय मूंदड़ा
सह संयोजक

जुगलकिशोर राठी
सह संयोजक

गोपालदास राठी
सह संयोजक

आशीष बाहेती
सह संयोजक

ॐ

शुभं करोति कल्याणं
आरोग्यं धनसम्पदा।
शत्रुबुद्धिविनाशाये
दीपज्योति नमोऽस्तुते ॥

सभी स्नेहीजनों को दीपावली पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ

पद्मश्री बंशीलाल राठी

पूर्व सभापति,
अखिल भारतवर्षीय महासभा
कार्याध्यक्ष,
श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र

1, दामोदर मूर्ति रोड, किलपॉक गार्डन, चैन्नई (तमिलनाडु)-600010
फोन : 044-25290137, मो. 098400 42217

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 November 2018

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com